जबलपुर शुक्रवार 04 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, अष्टमी   वर्ष 32 अंक 67 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सागरेश्वर नाथ मंदिर में आज धूमधाम से मनाई ... ▶▶ 4

कुब्रा सैत ने किया था सुसाइड प्रिवेंशन कोर्स... ▶▶ 7

राधा-कृष्ण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन ... ▶▶ 9

ट्रंप का बयान...सोना-चांदी ने छुआ आसमान

नई दिल्ली

सोने और चांदी में 10 दिन की गिरावट के बाद तूफानी तेजी देखने को मिली। 3 सितंबर को शाम 6 बजे के आसपास गोल्ड-सिल्वर में अचानक उछाल आया। ग्लोबल मार्केट में सोना 2.84 प्रतिशत उछला और कीमत 125 बढ़कर 4540 डॉलर प्रति औंस हो गई। चांदी भी चमकी। कोमेक्स पर चांदी में 2.71 प्रतिशत यानी 1.77 डॉलर की तेजी देखने को मिली और कीमत 67 डॉलर प्रति औंस के पार चली गई। सोने-चांदी की यह तेजी भारतीय बाजार में भी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 3400 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया और चांदी में भी 4400 रुपए प्रति किलोग्राम का जोरदार उछाल आया। एमसीएक्स पर शाम 7 बजे तक सोने की कीमत 1,55,401 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस दौरान इसका हाई लेवल 1,55,798 रुपए और लो लेवल 1,53,251 रुपए रहा। जबकि पिछले दिन यह 1,52,402 रुपए पर क्लोज हुआ था। वहीं चांदी 2,39,888 रुपए प्रति किलोग्राम के लेवल पर कारोबार कर रही थी। ट्रेडिंग के दौरान इसका हाई लेवल 2,36,266 रुपए और लो लेवल 2,37,200 रुपए रहा। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान यह 2,36,266 रुपए पर बंद हुई थी।

आखिर क्यों आया जोरदार उछाल?

गोल्ड-सिल्वर में अचानक आई इस तेजी की सबसे बड़ी वजह रहा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का बयान। उन्होंने मिडिल ईस्ट में लंबे सैन्य अभियान से इनकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि, ईरान पर हालिया अमेरिकी हमले

सोना 1.55 लाख के पार, चांदी 4400 रुपए महंगी

अल्पकालिक रहने की संभावना है। तेल की हालिया तेजी धीमी पड़ी और महंगाई की चिंताएं कम हुईं, जो सोने पर दबाव बना रही थीं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर तेल की सप्लाई लंबे समय तक बाधित रहती है, तो कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं और महंगाई फिर से बढ़ जाएगी। ऐसे में अमेरिकी सेंट्रल बैंक यानी फेडरल रिजर्व ब्याज दरें घटाने से कतरा सकता है। ऊंची ब्याज दरें सोने के बाजार के लिए बुरी खबर हैं, क्योंकि सोने पर निवेशकों को कोई फिक्स ब्याज नहीं मिलता है। न्यूयॉर्क फेड के अध्यक्ष जॉन विलियम्स ने कहा कि टैरिफ का असर कम होने के साथ अमेरिकी महंगाई में नरमी जारी है। ऊंचे ऊर्जा कीमतों का असर अन्य सेवाओं में नहीं फैल रहा।

एडीपी के आंकड़ों से मिला सहारा

इधर, अमेरिकी अर्थव्यवस्था से आ रहे सुस्त आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के नरम संकेतों से सोने की कीमतों को जबरदस्त सहारा मिला है। हालिया एडीपी रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में अमेरिकी कंपनियों ने मात्र 38,000 नई नौकरियां जोड़ी हैं। रोजगार में इस सुस्ती से फेड द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक बढ़ोतरी की उम्मीदें कम हो गई हैं। बता दें कि इससे पहले जैक्सन होल मीटिंग में फेड चेयर केविन वॉर्श ने हॉकिश रुख अपनाया था, जिससे दरें बढ़ने का डर सता रहा था। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। दूसरी ओर, ट्रंप द्वारा संघर्ष के जल्द खत्म होने के संकेतों और फेड अधिकारियों के महंगाई नरम पड़ने के बयानों ने बाजार को राहत दी है। इन्हीं कारणों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,500 डॉलर के आसपास मजबूती से टिका हुआ है।

प्रो. राजपूत जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु नियुक्त

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने जीवाजी विश्वविद्यालय का नया कुलगुरू प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाज शास्त्र एवं सामाजिक विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत को नियुक्त किया है। राज्यपाल ने प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत को 4 वर्ष की कालावधि अथवा 70 वर्ष की आयु जो भी पूर्वत्तर होगी के लिए कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त किया है।

बेटी के बयान के बाद तेलंगाना की मंत्री बर्खास्त

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटा दिया। यह फैसला उनकी बेटी के मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर बढ़े विवाद के बीच लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरेखा की बेटी सुष्मिता पटेल ने सीएम समेत कई कांग्रेसी नेताओं पर 200 करोड़ रुपये की जमीन उगाही का आरोप लगाया था।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर फंसा पेंच!

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बेहतर टैरिफ दर देने की रखी शर्त

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि भारत इस समझौते की अंतिम जानकारी तभी घोषित करेगा, जब अमेरिका भारत को उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर यानी प्राथमिकता वाले टैरिफ की पेशकश करेगा। पीयूष गोयल ने एक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा, जैसे ही अमेरिका हमें अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर दर देने में सक्षम होगा, हम बीटीए को अंतिम रूप देंगे और इसकी अंतिम जानकारी की घोषणा करेंगे। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत का जोर इस बात पर है कि समझौते से भारतीय कारोबारियों और निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच और टैरिफ का लाभ मिले। गोयल ने कहा कि भारत अपने हितों

को ध्यान में रखते हुए व्यापार समझौतों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन देशों के साथ भारत पहले ही व्यापार समझौते कर चुका है, उनसे घरेलू कारोबारियों के लिए निर्यात के नए अवसर खुल रहे हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत आने वाले महीनों और वर्षों में कई अन्य देशों और समूहों के साथ व्यापार समझौते करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इनमें कनाडा, मेक्सिको, चिली, ब्राजील के नेतृत्व वाला मर्कोसुर ग्रुप, दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ, खाड़ी सहयोग परिषद और इजरायल शामिल हैं। इन समझौतों का उद्देश्य भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए विदेशी बाजारों में बेहतर पहुंच बनाना और निर्यात को बढ़ावा देना है।

अमेरिका भारत का बड़ा ट्रेड पार्टनर

2025 में भारत का अमेरिका को कुल माल निर्यात 103.82 अरब डॉलर रहा, जबकि अमेरिका से भारत का माल आयात करीब 45.6 अरब डॉलर था। इस तरह दोनों देशों के बीच कुल वस्तु व्यापार लगभग 149.42 अरब डॉलर रहा। वहीं, 2025 में दोनों देशों के बीच सेवाओं का व्यापार 92.23 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने अमेरिका को 48.67 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया, जबकि अमेरिका से भारत ने 43.56 अरब डॉलर की सेवाएं आयात कीं।

अंतरिम समझौता ढांचा

फरवरी में भारत और अमेरिका ने पारस्परिक और दोनों देशों के लिए लाभकारी व्यापार के आधार पर एक अंतरिम समझौते के लिए फ्रेमवर्क की घोषणा की थी। इसके साथ ही दोनों देशों ने व्यापक क्क्ष पर बातचीत जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

कहां तक पहुंची बातचीत?

भारत और अमेरिका के बीच एग्रीमेंट को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। 22 से 24 जून के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर के भारत दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ समझौते के प्रमुख मुद्दों की समीक्षा की थी। इनमें मार्केट एक्सेस बढ़ाना, डिजिटल ट्रेड, सप्लाई चेन को मजबूत करना, गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग जैसे मुद्दे शामिल थे। दोनों पक्षों ने ऐसे समझौते के लिए प्रतिबद्धता दोहराई थी, जो संतुलित हो और दोनों देशों के कारोबारियों, किसानों, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के लिए व्यावहारिक लाभ लेकर आए।

भारत यूक्रेन जंग खत्म कराने में मदद को तैयार : जयशंकर

कीव। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद के लिए तैयार है। उन्होंने जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता करने की भी पेशकश की है। जयशंकर ने यह बात गुरुवार को कीव दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कही। वे यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ मौजूद थे। जयशंकर ने ब्लैक सी में भारतीयों समेत सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि युद्ध का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए। ब्लैक सी दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। रूस और यूक्रेन से गेहूं, मक्का और सूरजमुखी तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचता है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने जयशंकर के कीव दौरे को अहम बताया। उन्होंने कहा कि रूसी हमलों के बीच भारतीय विदेश मंत्री की यह यात्रा खास मायने रखती है। सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार यूक्रेनी शहरों, बंदरगाहों और नागरिक जहाजों को निशाना बना रहा है। दोनों नेताओं ने ब्लैक सी में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने और इससे जुड़ी वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के उस रुख का भी स्वागत किया, जिसमें भारत लगातार बातचीत और कूटनीति के जरिए युद्ध खत्म करने की बात कहता रहा है। दोनों देश अगली अंतर-सरकारी आयोग की बैठक कराने पर भी सहमत हुए। दोनों नेताओं के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मा, टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेक्टर में भारत-यूक्रेन के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी बात हुई।

नीट यूजी 2027 : सीबीटी परीक्षा के लिए केंद्रों की तलाश शुरू

नई दिल्ली। नीट-यूजी अभी तक पेन-पेपर आधारित परीक्षा के रूप में आयोजित होती रही है। पेपर लीक के बाद केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि वर्ष 2027 से मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी कंप्यूटर आधारित परीक्षा के रूप में आयोजित की जाएगी। एनटीए ने एआईसीटीई से कहा है कि वह सरकारी संस्थानों से उनकी सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी सुविधाओं और उपलब्ध खाली या अप्रयुक्त जगहों की जानकारी जुटाए। इन जानकारियों के आधार पर देशभर में मानक परीक्षा केंद्र विकसित करने की संभावना का आकलन किया जाएगा। एआईसीटीई ने अपने अधीन आने वाले सरकारी संस्थानों को पत्र भेजकर उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं और खाली जगहों का विवरण देने को कहा है। यह जानकारी देशभर में मानक परीक्षा केंद्र स्थापित करने के आकलन के लिए मांगी गई है। एआईसीटीई ने स्पष्ट किया है कि यह जानकारी केवल उन्हीं सरकारी कॉलेजों और संस्थानों से मांगी गई है, जिन्हें

परिषद से मंजूरी मिली हुई है। संस्थानों को यह भी निर्देश दिया गया है कि उनके द्वारा दी जाने वाली सभी जानकारियां सही और पूरी हों। इन्हें संबंधित सक्षम प्राधिकारी से उचित रूप से सत्यापित कराने के बाद ही जमा करना होगा। एआईसीटीई ने संस्थानों को एक निर्धारित प्रारूप भी भेजा है, जिसमें सभी जानकारियों को भरना होगा। संस्थानों से मुख्य रूप से- कितने कंप्यूटर काम करने की स्थिति में हैं, अन्य सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी सुविधाएं, नेटवर्किंग की व्यवस्था, इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था, सीसीटीवी और संबंधित सुविधाएं, खाली या अप्रयुक्त जगह की उपलब्धता जैसी सुविधाओं की जानकारी मांगी गई है।

छोटे निजी संस्थान नहीं बनेंगे परीक्षा केंद्र

एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, कंप्यूटर आधारित परीक्षा के केंद्र छोटे निजी संस्थानों को आउटसोर्स नहीं किए जा सकते। परीक्षा केंद्रों का चयन तय मानकों के आधार पर उचित आकलन के बाद किया जाना होगा। अधिकारी ने कहा कि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा का नियामक है और उसके अधीन कई ऐसे तकनीकी कॉलेज हैं, जहां कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उपलब्ध है।

लॉ स्टूडेंट्स पर बार काउंसिल एक्शन नहीं ले सकता

सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआई के आदेश को गैरकानूनी बताया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई के पास लॉ स्टूडेंट्स के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि छात्रों के आचरण पर कार्रवाई करने का अधिकार उनके यूनिवर्सिटी या संबंधित शैक्षणिक संस्थान के पास है। कोर्ट ने यह फैसला हैदराबाद की नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के छात्रों से जुड़े विवाद में दिया। छात्रों ने दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद बीसीआई ने छात्रों का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने और मामले की जांच कराने के निर्देश दिए थे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि अधिवक्ता अधिनियम, 1961 बीसीआई या स्टेट बार काउंसिल को लॉ स्टूडेंट्स पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का कोई स्पष्ट या निहित अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा की ओर से 13 अगस्त को जारी आदेश को गैरकानूनी बताया। इस मामले में क्क्षके दो पूर्व छात्रों मिहिरा सूद और अभिषेक तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि बीसीआई को छात्रों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है।

मप्र में 2,426 सरकारी स्कूल बंद

अब सांदीपनि मॉडल से बदलेगा शिक्षा का ढांचा

भोपाल। मध्य प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं से लैस सांदीपनि विद्यालयों के विस्तार के साथ सरकारी स्कूलों का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। एक ओर सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बड़े और सर्वसुविधायुक्त स्कूल तैयार कर रही है, वहीं दूसरी ओर कम छात्र संख्या वाले छोटे सरकारी स्कूलों के अस्तित्व पर संकट गहराता जा रहा है। केंद्र के शिक्षा मंत्रालय के यूडीआईएसई प्लस आंकड़ों के अनुसार, पिछले शैक्षणिक सत्र में मध्य प्रदेश में 2,426 सरकारी स्कूल बंद हुए, जो देश के सभी राज्यों में सबसे अधिक संख्या है। अब अगले पांच वर्षों में प्रदेश के करीब 7,000 और सरकारी स्कूलों के बंद या मर्ज होने का अनुमान है। ऐसे में इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को आसपास के सांदीपनि विद्यालयों में स्थानांतरित किए जाने की संभावना जताई जा रही है। सरकार ने सांदीपनि विद्यालय योजना को दो चरणों में विस्तार देने की तैयारी की है। पहले चरण में 370 स्कूल शामिल हैं। इनमें 274 स्कूल स्कूल शिक्षा विभाग और 94 जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत हैं। इन विद्यालयों के विकास पर 13,525 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। यहां करीब 4.43 लाख विद्यार्थियों को प्रवेश देने का लक्ष्य रखा गया है। दूसरे चरण में 405 सांदीपनि विद्यालय प्रस्तावित हैं। इनके निर्माण और विकास पर 11,390 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इन स्कूलों में करीब 4.05 लाख अतिरिक्त विद्यार्थियों को प्रवेश देने की योजना है। दोनों चरणों को मिलाकर प्रदेश में कुल 773 सांदीपनि विद्यालय तैयार करने की योजना है। इन पर लगभग 24,915 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इनमें करीब 8.48 लाख विद्यार्थियों के लिए क्षमता विकसित की जाएगी।

15 हजार सरकारी स्कूलों में 20 से भी कम बच्चे

सांदीपनि विद्यालयों के विस्तार के बीच सबसे बड़ा सवाल छोटे सरकारी स्कूलों को लेकर है। प्रदेश में 15,170 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां विद्यार्थियों की संख्या 20 से कम है। इन स्कूलों में फिलहाल अतिथि शिक्षकों के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है। सांदीपनि विद्यालयों के पूरी तरह संचालित होने के बाद आसपास के कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को मर्ज करने की संभावना है। योजना के तहत करीब एक से पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले छोटे स्कूलों के विद्यार्थियों को सांदीपनि विद्यालयों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

सीबीएसई की तीन-भाषा नीति लागू करने पर काम जारी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह सीबीएसई की तीन-भाषा नीति को लागू करने के तरीके पर काम कर रही है। इस नीति के तहत 9वीं कक्षा के छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें दो भारतीय भाषाएं शामिल होंगी। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच को बताया कि सीबीएसई नीति को लागू करने की प्रक्रिया तैयार कर रहा है और इसके लिए कुछ और समय चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर ध्यान दिया और मामले की सुनवाई एक हफ्ते के लिए टाल दी। यह देखते हुए कि बच्चों पर दबाव नहीं पड़ना चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने 20 अगस्त को 9वीं कक्षा के छात्रों के लिए सीबीएसई की तीन-भाषा वाली पॉलिसी से जुड़ी समस्याओं का समाधान खोजने पर जोर दिया था। कोर्ट ने कहा कि

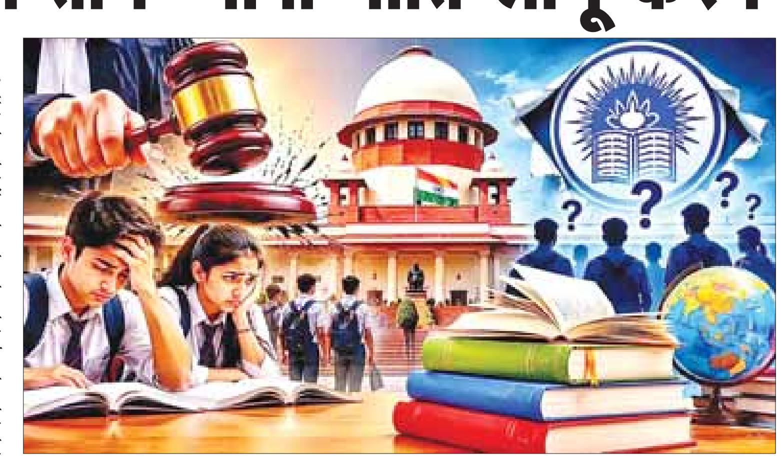

पॉलिसी शुरू करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन याचिकाकर्ताओं की चिंता सिर्फ़ इसे लागू करने के तरीके को लेकर थी। बेंच ने कहा था, आप इनमें से कुछ समस्याओं पर फिर से विचार कर सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि देर-सबेर इसे लागू करना ही होगा; इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन इसे कैसे सुव्यवस्थित किया जाए ताकि जो भी रुकावटें या बाधाएं आ रही हैं, उनका समाधान निकाला जा सके? बेंच ने कहा था कि एक पहलू जिस पर विचार किया जाना चाहिए, वह यह है कि उपलब्ध भाषा विकल्पों के लिए पर्याप्त मानव संसाधन बुनियादी ढांचा कैसे तैयार किया जाए।

सीबीएसई की तीन-भाषा नीति में क्या बदला?

- 27 मई सुप्रीम कोर्ट ने तीन-भाषा नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी और केंद्र, सीबीएसई व एनसीईआरटी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।
- 1 जुलाई से कक्षा 9 के छात्रों के लिए तीन भाषाओं की पढ़ाई अनिवार्य की गई है, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी।
- नीति का उद्देश्य सीबीएसई की पढ़ाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के अनुरूप बनाना है।
- विदेशी भाषा का विकल्प छात्र विदेशी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में तभी चुन सकते हैं, जब वे दो भारतीय भाषाएं पढ़ रहे हों। इसे चौथी अतिरिक्त भाषा के रूप में भी चुना जा सकता है।

शहर की बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ कांग्रेस पार्षद दल ने किया जमकर विरोध प्रदर्शन

जर्जर सड़क पर झाड़ू लगाकर जताया विरोध, जमकर की नारेबाजी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में खस्ताहाल सड़कों एवं नगर निगम की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस पार्षद दल द्वारा सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन अंबेडकर चौक स्थित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के पास से प्रारंभ होकर घमापुर चौक तक झाड़ू लगाते हुए किया गया। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने जानकारी देते हुए कहा कि शहर की सड़कों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। जगह-जगह गड्ढों और बदहाल सड़कों के कारण आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मूलभूत सुविधाओं के मामले में नगर निगम की व्यवस्थाएं भी पूरी तरह चरमरा गई हैं।

मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान जनता

उन्होंने आगे कहा कि जनता को हो रही परेशानियों और निगम प्रशासन की उदासीनता के विरोध में विधायक लखन घनघोरिया के मार्गदर्शन में एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा के विशेष उपस्थिति तथा पूर्व विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस पार्षद दल द्वारा यह सांकेतिक प्रदर्शन किया गया है। नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये के बजट और विकास के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। शहर की जनता आज भी अच्छी सड़कों और मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है।

मजबूती से उठाया जाएगा मुद्दा

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्षद दल जनता की समस्याओं को सदन से लेकर सड़क तक मजबूती से उठाता रहेगा और शहर की सड़कों की गुणवत्ता सुधारने, गड्ढों को भरने तथा मूलभूत नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निगम प्रशासन पर लगातार दबाव बनाएगा। प्रदर्शन में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी, पार्षद मुकीमा याकूब अंसारी,गुलाम हुसैन, वकील अंसारी, राकेश पांडे, प्रमोद पटेल, सत्येन्द्र चौबे, अख्तर अंसारी, एड. अभिषेक चन्देल, असित रिंकू यादव, संजय अहिरवार, धर्मेंद्र पटारिया, मुन्नू पंडा, शैलेन्द्र कुंडे, विजय पसेरिया, धर्मेंद्र पटारिया, शैंकी सोनकर, शेख शहजाद आदि उपस्थित रहे।

ऑडियो बजाकर सुनाई स्मृति ईरानी की घोषणा, सौंपा स्मरण पत्र

सिहोरा जिला की मांग पर फिर शुरू हुआ प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा को जिला बनाने की मांग एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गई है। लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी द्वारा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सिहोरा में की गई घोषणा को आधार बनाकर भाजपा के स्थानीय नेताओं से इस दिशा में ठोस पहल करने की मांग की है। समिति का कहना है कि 15 नवंबर 2023 को विधानसभा चुनाव से ठीक दो दिन पहले सिहोरा बस स्टैंड में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्मृति ईरानी ने भाजपा प्रत्याशी को जीत दिलाने पर सिहोरा जिला बनाने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री तक स्वयं ले जाने की बात कही थी। चुनाव के बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार बने करीब तीन वर्ष होने को हैं, लेकिन समिति के अनुसार इस घोषणा को आगे बढ़ाने के लिए स्थानीय भाजपा संगठन और सिहोरा विधायक की ओर से अपेक्षित पहल दिखाई नहीं दे रही है।

जनप्रतिनिधियों के घर के बाहर किया प्रदर्शन

इसी मुद्दे को लेकर गुरुवार को लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के सदस्यों ने भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल और पूर्व मंडल अध्यक्ष अंकित तिवारी के

आवास के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान समिति ने स्मृति ईरानी की उस समय की घोषणा को ऑडियो भी बजाई और दोनों को स्मरण पत्र सौंपते हुए मांग की कि सिहोरा जिला बनाने के लिए स्मृति ईरानी के प्रभाव और सहयोग का उपयोग किया जाए।

समिति के सदस्यों ने कहा कि जब भाजपा की राष्ट्रीय स्तर की प्रभावशाली नेता स्वयं सिहोरा जिले के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री तक ले जाने की बात कह चुकी हैं, तो स्थानीय संगठन को उनके सहयोग से इस मांग को आगे बढ़ाने में पहल करनी चाहिए। समिति का कहना है कि अब भाजपा के सामने यह साबित करने की चुनौती है कि चुनाव के दौरान किए गए वादे और घोषणाएं केवल राजनीतिक मंच तक सीमित नहीं थीं, बल्कि उन्हें पूरा कराने के लिए पार्टी गंभीरता से प्रयास भी करती है।समिति ने कहा कि यदि स्थानीय भाजपा नेतृत्व और विधायक इस दिशा में कोई पहल नहीं करते हैं तो जनता के बीच यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि चुनाव के समय की गई घोषणाओं को पूरा कराने के लिए पार्टी कितनी गंभीर है। आंदोलन समिति के सदस्यों ने बताया कि 15 नवंबर 2023 को सिहोरा में स्मृति ईरानी की घोषणा के समय मंच पर मौजूद रहे भाजपा नेताओं के घर जाकर उन्हें भी स्मरण पत्र सौंपे जाएंगे।

इसी क्रम में बुधवार को मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल और पूर्व अध्यक्ष अंकित तिवारी के निवास के बाहर प्रदर्शन किया गया। समिति ने घोषणा की कि शुक्रवार को भाजपा नेता शिशिर पांडे के निवास पर प्रदर्शन कर उन्हें भी स्मरण पत्र सौंपा जाएगा। प्रदर्शन में समिति के अनिल जैन, कृष्णकुमार कुररिया, संजय पाठक, संतोष वर्मा, अनिल खंपरिया, रामजी शुक्ला, मोहन सोंधिया, संतोष पांडे, प्रदीप दुबे, सुमित शुक्ला आदि मौजूद रहे।

जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर रास महोत्सव का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला प्रकोष्ठ द्वारा जनमाष्टमी की पूर्व संध्या पर रास महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आत्मीका सिंह, अभा कायस्थ महासभा के प्रदेश सचिव सुनील श्रीवास्तव, यामिनी सिंह, मेघा पवार, अंजू भार्गव, दीक्षा गुप्ता, नवनीत श्रीवास्तव आदि ने भगवान चित्रगुप्त के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन अर्चन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया। निष्ठा तिलवानी, आर्या जैन, प्रसंशा गर्ग, रिद्धी शुक्ला आदि ने गणेश वंदना की नृत्य के माध्यम से शानदार प्रस्तुति देकर भाव विभोर कर दिया। स्वागत शिखा श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, मंजुषा श्रीवास्तव, अमिश्री खरे, शिखा भटनागर, नीना श्रीवास्तव, निर्मला श्रीवास्तव आदि ने किया।अतिथियों द्वारा प्रसस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गयां । कार्यक्रम में शिखा भटनागर, नीना श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, निर्मला श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सेवक की जिज्जी कार्यक्रम में उमड़ा बहनों का सैलाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उत्तर-मध्य विधानसभा में रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में सेवक की जिज्जी रक्षाबंधन महोत्सव 2026 का ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन मदन महल स्थित दद्दा परिसर में संपन्न हुआ। क्षेत्रीय विधायक एवं जनसेवक डॉ. अभिलाष पाण्डेय के संयोजन में आयोजित इस गरिमामय समारोह में 8500 से अधिक बहनों को सुरक्षा बीमा का अनोखा रक्षा कवच उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने प्रत्येक बहन को पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश देते हुए स्मृति स्वरूप एक-एक पौधा भेंट किया। बहनों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए परिसर में ही विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के विशेष स्टॉल लगाए गए थे। बैंक अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर बहनों के दस्तावेजों का सत्यापन किया और उन्हें तत्काल सुरक्षा बीमा से आच्छादित किया। विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि जिन बहनों के पास किसी दस्तावेज की कमी रह गई थी, उनका विधिवत पंजीयन कर लिया गया है। शीघ्र ही उनके आवश्यक दस्तावेज मंगवाकर उन्हें भी सुरक्षा बीमा योजना का शत-प्रतिशत लाभ प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर मेहंदी लगाने, चूड़ी और बिंदी वितरित करने के विशेष काउंटर लगाए गए थे, जहाँ बहनों ने बड़े उत्साह से सहभागिता की। इसके साथ ही कार्यक्रम में पधारीं सभी बहनों एवं आगंतुकों के लिए सुरुचिपूर्ण एवं स्वादिष्ट भोजन की व्यापक व्यवस्था की गई थी।

जागरूकता से मिटेगा दृष्टिहीनता का अंधेरा

एनएससीबी मेडिकल कॉलेज में नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा, पोस्टर, स्लोगन और क्विज से दिया गया संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के अवसर पर भव्य जागरूकता रैली, शैक्षणिक संगोष्ठी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दृष्टिहीनता को समाप्त करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में संस्थान के डीन प्रो. डॉ. नवनीत

सक्सेना ने मुख्य मार्गदर्शक के रूप में शिरकत की। वहीं, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा तथा उप-अधीक्षक व आई.एम.ए. अध्यक्ष डॉ. रिचा शर्मा ने विशिष्ट उपस्थिति दर्ज कराते हुए पूर्ण प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया। समारोह के दौरान रचनात्मक पोस्टर, स्लोगन लेखन एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया गया।

सामूहिक प्रयासों से मिला संबल

नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. पदमिनी वरखेड़े के कुशल नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य फैकल्टी डॉ. यू.पी. दीपांकर, डॉ. बाहुबली जैन, डॉ. ज्योति कनोजे, डॉ. पूजा सिंह, डॉ. अर्चना सिंह सहित समस्त रेजिडेंट्स, पैरामेडिकल छात्रों और नर्सिंग स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। इस गरिमामयी अवसर पर कॉलेज के अन्य विभागों के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. के.के. पांडे, डॉ. नटवर अग्रवाल, डॉ. राजेश जैन, डॉ. अनिरुद्ध शुक्ला, डॉ. जयदेव सिंह, डॉ. प्रतिभा शर्मा, डॉ. योगिता राज दुबे एवं डॉ. संतोष वरकड़े विशेष रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. पदमिनी वरखेड़े ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों, संकाय सदस्यों, सहयोगी डॉक्टरों और सहयोगियों का इस आयोजन को भव्य व सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

महिलाओं से संबंधित अपराध विषय पर व्याख्यान का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय में न्याय शिविर के अन्तर्गत सायबर क्राइम, महिलाओं से संबंधित अपराध विषयों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य के मार्गदर्शन, वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दिनी भारिल्ल एवं डॉ. (कैप्टन) सपना चावला, प्राध्यापक वाणिज्य एवं महिला उत्पन्न प्रकोष्ठ की प्रभारी के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम की सह-संयोजक डॉ. हर्षा सिसोदिया द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति देकर किया गया। तत्पश्चात् कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एड के. एल. जाटव ने सायबर क्राईम एवं उपभोक्ता फोरम पर महत्वपूर्ण जानकारी व्याख्यान के माध्यम से उपलब्ध करायी। मुख्य वक्ता के रूप में एड निर्मला नायक ने युवतियों से संबंधित यौन अपराध को रोकने एवं संविधान कर्तव्य एवं अधिकारी विषय पर व्याख्यान दिया जिससे महाविद्यालय की 55 छात्रायें लाभान्वित हुई एवं इसके रोकथाम के तरीकों से अवगत हुई। प्राचार्य डॉ. स्मृति शुक्ला ने महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों से अपने को बचाने के तरीके बताये। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापकों की उपस्थिति एवं सहयोग सक्रिय रूप में रहा, जिसमें डॉ. विजया कोष्ठा, डॉ. कविता चतुर्वेदी, डॉ. सुषमा मेहरा का सहयोग सराहनीय रहा। महाविद्यालय के अनेक विभागों के प्राध्यापक डॉ. मनोज प्रियदर्शन, डॉ. चन्द्रशेखर राजहंस, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, डॉ. मुस्तकी रजा, डॉ. मंजू सिंह, इत्यादि की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में प्राध्यापक डॉ. विजया कोष्ठा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

श्री कृष्ण मन्दिर में जन्माष्टमी की धूम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जन्माष्टमी के अवसर पर श्री सनातन धर्म श्री कृष्ण मंदिर गोरखपुर में महिला सत्संग आयोजित हुआ। जिसमें कई विद्यालय व संस्था के बच्चों ने भाग लिया। राधा कृष्ण के स्वरूप की सुंदर प्रस्तुति नृत्य व रास लीला दी गई। ब्रह्मा ऋषि बावरा मिशन विधालय से दीदी मैत्रीय एवं रेवती राव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नीता चावला द्वारा की गई। इस अवसर पर मीनाक्षी दत्त, नंदिता महाजन, प्रवेश सूरी, रजनी बग्गा आदि उपस्थित रहीं।

विचार की ताकत ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी: राकेश सिंह

पश्चिम विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ता बैठक को लोक निर्माण मंत्री ने किया सम्बोधित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश के किसी भी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सर्वश्रेष्ठ हैं। इतने बड़े राजनीतिक दल का कार्यकर्ता होने के बाद हमारी भूमिका सीमित नहीं होनी चाहिए। भाजपा सामान्य कार्यकर्ताओं की पार्टी नहीं है। हमारे प्रेरणा के केंद्र डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय से लेकर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन जी तक सभी ने अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान की है। विचार की ताकत ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है हम अपने विचार को लेकर अपने कार्य से संगठन को आगे ले जा सकते है, यह बात लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने पश्चिम विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ता बैठक को सम्बोधित करते हुए पश्चिम विधानसभा के विधायक कार्यालय में कही।पश्चिम विधानसभा के नवीन वृहत कार्यकर्ता बैठक में विधानसभा में निवासरत वरिष्ठ कार्यकर्ता, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल समिति, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बूथ समिति के सदस्य शामिल हुए। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कार्यकर्ताओं को गढ़ने का अर्थ केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें वैचारिक रूप से मजबूत, सामाजिक रूप से सक्रिय और जिम्मेदार बनाना है। पहले कार्यकर्ताओं की संख्या सीमित थी, कार्यक्रम कम होते थे और सरकारें भी नहीं थीं। अब परिस्थितियां बदल गई हैं और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां भी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसा केंद्र स्थापित करने का विचार आया, जहां कार्यकर्ता का समग्र विकास हो सके और इसी उद्देश्य से पश्चिम विधानसभा में कार्यकर्ता विकास केंद्र बनाया गया है। क्योंकि भाजपा के कार्यकर्ताओं से समाज और संगठन को बड़ी अपेक्षाएं हैं। इस अवसर पर सांसद सुमित्रा वाल्मीकी, वरिष्ठ नेता, सुरेश देशपांडे, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज आदि उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी शोभायात्रा में होगा सम्मान समारोह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आज 04 सितंबर को जवाहरगंज वार्ड स्थित बड़ा फुहारा, घमंडी चौक पर जन्माष्टमी शोभायात्रा के स्वागत एवं सम्मान के लिए भव्य मंच स्थापित किया जाएगा। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मप्र युवा रचनात्मक सद्भावना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज नामदेव के संयोजन में दोपहर 2 बजे से आयोजित स्वागत मंच के माध्यम से शोभायात्रा में सम्मिलित पूज्य संतगण, गणमान्य नागरिक, विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं के समाजसेवी, शोभायात्रा के आयोजकगण, विभिन्न श्रीकृष्ण मंदिरों की झांकियों एवं प्रस्तुतियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही शोभायात्रा में शामिल सुप्रसिद्ध बैंड पार्टियों के कलाकारों, भजन मंडलियों, ढोल-धमाल पार्टियों तथा विभिन्न अखाड़ों के पहलवानों को उनकी प्रस्तुतियों एवं प्रदर्शन के लिए सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

एमपीपीजीसीएल ने पहली बार सफलता पूर्वक किया ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह और इंदिरा सागर जल विद्युत परियोजना का संयुक्त अभ्यास

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने अपने इतिहास में पहली बार 'ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी और इंदिरा सागर जल विद्युत गृह परियोजना, खंडवा के संयुक्त अभ्यास में संभावित पूर्ण अथवा आंशिक ब्लैकआउट के बाद विद्युत उत्पादन प्रणाली को सुरक्षित एवं चरणबद्ध तरीके से पुनः संचालित करने की तैयारियों का परीक्षण किया गया। यह महत्वपूर्ण तकनीकी अभ्यास भारतीय विद्युत ग्रिड संहिता -2023 के प्रावधानों के अनुरूप आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान आपातकालीन स्थिति में विद्युत ग्रिड के पुनर्बहाली तंत्र, विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय, संचार व्यवस्था तथा निर्धारित पुनर्स्थापना प्रक्रिया की व्यावहारिक जांच की गई।

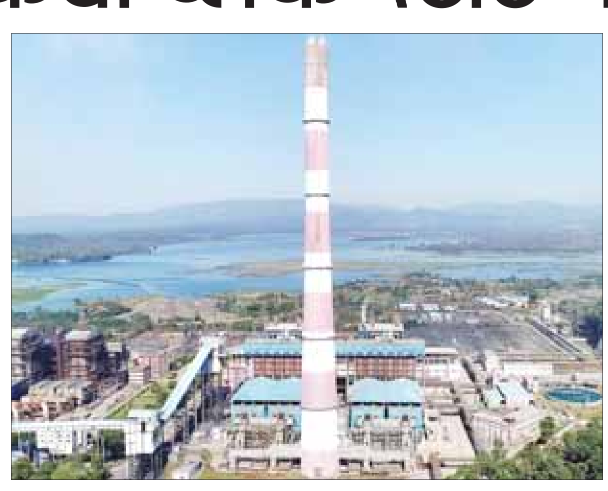

निर्धारित क्रम में बहाल करने की प्रक्रिया का परीक्षण

इंदिरा सागर से सतपुड़ा ताप विद्युत गृह को दी गई बिजली-सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में आयोजित यह मॉक ड्रिल प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 1.51 बजे तक सफलतापूर्वक संचालित की गई। अभ्यास के दौरान आयरलैंडिंग व्यवस्था के माध्यम से इंदिरा सागर जल विद्युत गृह से विद्युत आपूर्ति लेकर के 500 मेगावाट क्षमता वाले सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की आपातकालीन स्टार्ट-अप क्षमता का परीक्षण किया गया। इस दौरान 400 केवी प्रणाली को चार्ज करने, स्टेशन ट्रांसफॉर्मर को ऊर्जीकृत करने तथा आवश्यक सहायक विद्युत प्रणालियों को निर्धारित क्रम में बहाल करने की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। पूरे अभ्यास के दौरान विद्युत प्रणाली के प्रमुख तकनीकी मानकों की सतत निगरानी की गई। मॉक ड्रिल निर्धारित समय-सीमा और तकनीकी मानकों के अनुरूप सफलतापूर्वक पूरी हुई।

क्या है ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल

ब्लैक स्टार्ट ऐसी विशेष प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से पूर्ण या आंशिक ब्लैकआउट की स्थिति में विद्युत उत्पादन केंद्र को बाहरी ग्रिड आपूर्ति उपलब्ध न होने पर भी चरणबद्ध तरीके से पुनः प्रारंभ किया जाता है। इसके लिए स्व-प्रारंभ क्षमता वाले विद्युत स्रोतों की सहायता से पहले आवश्यक सहायक प्रणालियों को ऊर्जा उपलब्ध कराई जाती है और इसके बाद क्रमशः बड़ी उत्पादन इकाइयों को चालू किया जाता है। इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक आपातकालीन स्थिति में विद्युत उत्पादन केंद्रों, लोड डिस्पैच केंद्रों और अन्य संबद्ध एजेंसियों के बीच समन्वय, संचार तथा ग्रिड पुनर्बहाली क्षमता का परीक्षण करना है। इस सफल अभ्यास ने संभावित ग्रिड आपात स्थितियों से निपटने विद्युत उत्पादन एवं आपूर्ति व्यवस्था को पुनः बहाल करने के लिए तकनीकी दक्षता, परिचालन तत्परता और आपदा-प्रबंधन क्षमता को मजबूती प्रदान की है।

जीवन की हर मुश्किल के सारथी हैं श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का पावन पर्व है। श्रीकृष्ण केवल आस्था और भक्ति के केंद्र नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले महान शिक्षक भी हैं। उनके जीवन और श्रीमद्भगवद्गीता की शिक्षाओं में ऐसी अनेक बातें छिपी हैं, जो आज भी मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में धैर्य, साहस और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

संकट में धैर्य और बुद्धि से लें काम

श्रीकृष्ण के जीवन की अनेक घटनाएं सिखाती हैं कि मुश्किल समय में घबराने के बजाय बुद्धि और धैर्य से काम लेना चाहिए। गोवर्धन पर्वत उठाकर उन्होंने लोगों को संकट से बचाया, तो महाभारत में अर्जुन के सारथी बनकर उसे सही निर्णय लेने का मार्ग दिखाया। उनका जीवन संदेश देता है कि परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों न हो, विवेक और साहस से उसका सामना किया जा सकता है।

सच्ची मित्रता में नहीं होता भेदभाव

श्रीकृष्ण की मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण सुदामा से उनका संबंध है। राजसी वैभव के बावजूद उन्होंने अपने गरीब मित्र को वही सम्मान और अपनापन दिया, जो किसी प्रियजन को दिया जाता है। अर्जुन, उद्धव, ग्वाल-बाल और द्रौपदी के साथ उनके संबंध भी उनकी संवेदनशीलता और मित्रता की भावना को दर्शाते हैं।

कर्म पर विश्वास, परिणाम की चिंता नहीं

श्रीकृष्ण की सबसे महत्वपूर्ण शिक्षाओं में कर्म का सिद्धांत प्रमुख है। गीता में वे अर्जुन को अपने कर्तव्य का पालन करने की प्रेरणा देते हैं। इसका अर्थ है कि मनुष्य को पूरी ईमानदारी और लगन से अपना कर्म करना चाहिए तथा परिणाम को लेकर अनावश्यक चिंता नहीं करनी चाहिए। सकारात्मक सोच बनाएं जीवन का आधार

कंस का वध हो या महाभारत में धर्म की स्थापना, श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में बुद्धि, विनम्रता और साहस का परिचय दिया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समस्या से भागने के बजाय उसका समाधान तलाशना चाहिए। सकारात्मक सोच, सही रणनीति और आत्मविश्वास के साथ कठिन से कठिन परिस्थिति को भी बदला जा सकता है।

इस जन्माष्टमी श्रीकृष्ण की पूजा के साथ उनकी शिक्षाओं को जीवन में उतारने का संकल्प लें। यही कान्हा के प्रति सच्ची श्रद्धा और उनके संदेश का सार्थक अनुसरण होगा।

श्रीकृष्ण का स्वरूप: हर प्रतीक में छिपी जीवन की सीख

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं, कथाएं और उनका स्वरूप अद्भुत हैं। जब हमारे मन में श्रीकृष्ण की छवि आती है तो सांवला-सलोना रूप, सिर पर मोरपंख, हाथ में बांसुरी और पीतांबर धारण किए कान्हा नजर आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कृष्ण का स्वरूप केवल देखने में मनमोहक नहीं, बल्कि उनके स्वरूप से जीवन जीने की अनेक महत्वपूर्ण सीख भी मिलती है।

मोरपंख - जीवन के हर रंग को स्वीकार करें- श्रीकृष्ण के सिर पर सजा मोरपंख जीवन के विविध रंगों का प्रतीक माना जा सकता है। सुख-दुख, सफलता-असफलता और उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं। मोरपंख हमें सिखाता है कि जीवन में मिलने वाले हर अनुभव को सहजता से स्वीकार करना चाहिए।

बांसुरी - मन में बनाए रखें शांति- श्रीकृष्ण के हाथों में बांसुरी उनकी पहचान है। बांसुरी की मधुर धुन मन को शांति और आनंद देती है। इसका संदेश है कि परिस्थितियां कैसी भी हों, मन में शांति बनाए रखनी चाहिए। शांत मन ही सही निर्णय लेने और जीवन में आगे बढ़ने में सक्षम होता है।

वैजयंती माला - मजबूत बनें, जमीन से जुड़े रहें- श्रीकृष्ण के गले में वैजयंती माला सुशोभित होती है। कमल के बीजों से बनी माला हमें दो महत्वपूर्ण सीख देती है, जीवन में मजबूत रहना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना। कठिनाइयों के बीच भी व्यक्ति को अपने मूल्यों और संस्कारों को नहीं छोड़ना चाहिए।

पीतांबर - पुरुषार्थ से पाएं समृद्धि- श्रीकृष्ण का पीतांबर पीले रंग का होता है, जिसे समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। यह हमें संदेश देता है कि जीवन में परिश्रम और पुरुषार्थ करते रहना चाहिए। सफलता और समृद्धि निरंतर प्रयास से ही प्राप्त होती है।

कमरबंद - हर चुनौती के लिए रहें तैयार- पीतांबर के साथ कमरबंद श्रीकृष्ण के स्वरूप का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें जीवन की चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहने की प्रेरणा देता है। जब धर्म और सत्य के पक्ष में खड़े होने का अवसर आए, तब साहस के साथ अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

सुदर्शन चक्र - व्यक्तित्व ही सबसे बड़ा अस्त्र- श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र शक्ति और आत्मविश्वास का प्रतीक है। व्यक्ति का व्यक्तित्व और उसके कर्म ही उसकी वास्तविक पहचान बनाते हैं। अच्छा चरित्र और मजबूत व्यक्तित्व जीवन में सफलता की राह आसान करता है।

गाय - करुणा और सेवा की प्रेरणा- श्रीकृष्ण का गायों से विशेष लगाव था। गाय भारतीय संस्कृति में करुणा, सेवा और उदारता का प्रतीक मानी जाती है। कृष्ण का यह रूप हमें प्रकृति, जीव-जंतुओं और सभी प्राणियों के प्रति दया और संवेदना रखने की सीख देता है।

श्रीकृष्ण जन्म की कथा और जीवन का संदेश

जन्माष्टमी - प्रेम, करुणा, बुद्धि और धर्म का संदेश देता है यह उत्सव जन्माष्टमी भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों में से एक है। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। श्रीकृष्ण को प्रेम, करुणा, बुद्धि, साहस और धर्म का प्रतीक माना जाता है। जन्माष्टमी केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह पर्व हमें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मथुरा में हुआ था श्रीकृष्ण का जन्म

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मथुरा में हुआ था। उस समय मथुरा के राजा कंस का अत्याचार बढ़ गया था। भविष्यवाणी हुई थी कि देवकी और वसुदेव की आठवीं संतान कंस का अंत करेगी। इसी भय से कंस ने दोनों को कारागार में बंद कर दिया। श्रीकृष्ण के जन्म के बाद वसुदेव उन्हें सुरक्षित रूप से गोकुल ले गए, जहां नंद बाबा और माता यशोदा ने उनका पालन-पोषण किया।

आधी रात को होता है जन्मोत्सव

जन्माष्टमी पर भक्त उपवास रखते हैं और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं। मंदिरों और घरों को फूलों, रोशनी और आकर्षक सजावट से सजाया जाता है। बाल कृष्ण की मूर्ति को झूले में सजाकर भक्त भजन-कीर्तन करते हैं। मान्यता के अनुसार श्रीकृष्ण का जन्म मध्यरात्रि में हुआ था, इसलिए रात 12 बजे जन्मोत्सव मनाया जाता है। मंदिरों में घंटियां बजती हैं, आरती होती है और भक्त 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारे लगाते हैं। भगवान को माखन, मिश्री, फल और अन्य प्रसाद अर्पित किए जाते हैं।

दही-हांडी में दिखता है उत्साह

जन्माष्टमी पर कई स्थानों पर दही-हांडी का आयोजन किया जाता है। बच्चे और युवा मिलकर ऊंचाई पर लटकी मटकी फोड़ने का प्रयास करते हैं। यह परंपरा श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनके माखन प्रेम से जुड़ी है। दही-हांडी लोगों में टीम भावना, सहयोग और उत्साह की भावना विकसित करती है।

श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक

भगवान श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता के माध्यम से मानवता को कर्म का महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने मनुष्य को अपने कर्तव्य का पालन करते हुए परिणाम की चिंता न करने की शिक्षा दी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

आज जन्माष्टमी हमें प्रेम, भाईचारे और सद्भावना का संदेश देती है। इस पर्व को केवल पूजा और उत्सव तक सीमित न रखकर श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता, दूसरों का सम्मान और समाज में शांति बनाए रखना ही इस पावन पर्व की सार्थकता है।

सुरभि सिंह फौजदार

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी,
गोविंदगंज, जबलपुर।

श्रीकृष्ण जन्म की कथा और जीवन का संदेश

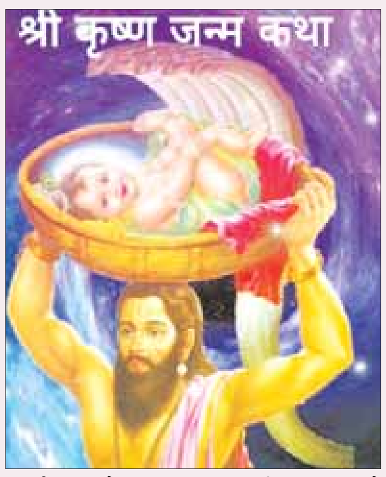

भाद्रपद की अंधेरी रात थी। चारों ओर सन्नाटा पसरा था। मथुरा की कारागार में देवकी और वसुदेव अपने नवजात शिशु की प्रतीक्षा कर रहे थे। अत्याचारी कंस के भय से पूरा राज्य सहमा हुआ था, लेकिन उस रात प्रकृति भी जैसे किसी महान घटना की प्रतीक्षा कर रही थी। आधी रात का समय हुआ और कारागार में अचानक अद्भुत प्रकाश फैल गया। देवकी की गोद में भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया। मान्यता है कि उनके जन्म के साथ ही अंधकार पर प्रकाश की विजय का संदेश संसार में फैल गया। वसुदेव ने नन्हे कृष्ण को टोकरी में रखा और उन्हें सुरक्षित गोकुल पहुंचाने के लिए निकल पड़े। मार्ग में यमुना नदी उफान पर थी, लेकिन उनका साहस और विश्वास अडिग रहा। अंततः वे कृष्ण को नंद बाबा और यशोदा मैया के घर पहुंचाने में सफल हुए।

नटखट कान्हा से कर्मयोगी कृष्ण तक

गोकुल में कृष्ण का बचपन प्रेम, शरारत और आनंद से भर गया। उनकी माखन चोरी की नटखट कथाएं आज भी बच्चों के चेहरों पर मुस्कान ला देती हैं। उनकी बांसुरी की धुन केवल गोप-ग्वालों को ही नहीं, बल्कि हर उस हृदय को आकर्षित करती है, जिसमें प्रेम और विश्वास है। लेकिन कृष्ण केवल नटखट बालक नहीं थे। उन्होंने अपने जीवन से सत्य, कर्म, साहस और धर्म का संदेश दिया। महाभारत में अर्जुन को कर्म और कर्तव्य का महत्व समझाते हुए उन्होंने बताया कि मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी अपने धर्म और कर्तव्य से पीछे नहीं हटना चाहिए।

आइए, इस जन्माष्टमी कृष्ण के जन्म का उत्सव मनाने के साथ उनके विचारों को भी जीवन में उतारें, प्रेम रखें, सत्य का साथ दें, अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाएं और दूसरों के जीवन में खुशियां बांटें।

संगीता पवार

शिक्षक
केसी हितकारिणी
चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोंसगंज,
जबलपुर।

नंद के घर आनंद भयो...

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व आते ही शहर का वातावरण भक्तिमय हो उठता है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर मंदिरों, घरों और बाजारों में विशेष तैयारियां शुरू हो जाती हैं। कहीं मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाता है, तो कहीं बाल गोपाल की आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं का मन मोह लेती हैं। नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से पूरा वातावरण कृष्णमय हो जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण को प्रेम, करुणा, बुद्धिमत्ता और धर्म का प्रतीक माना जाता है। उनका जीवन मानव समाज को सत्य, कर्म और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इसलिए जन्माष्टमी केवल भगवान के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके आदर्शों और शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का अवसर भी है।

जन्माष्टमी के अवसर पर शहर के प्रमुख मंदिरों में आकर्षक सजावट की जाती है। फूलों की मालाओं, विद्युत सज्जा और रंग-बिरंगी रोशनी से मंदिरों को सजाया जाता है। बाल गोपाल को सुंदर वस्त्र और आभूषण पहनाकर विशेष श्रृंगार किया जाता है। झांकियों में कृष्ण की बाल लीलाओं, गोवर्धन पर्वत उठाने और माखन चोरी जैसे प्रसंगों को दर्शाया जाता है। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय मंदिरों में घंटियां और शंख बजाए जाते हैं। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हैं और प्रसाद वितरित किया जाता है।

जन्माष्टमी पर दही-हांडी कार्यक्रम भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहता है। युवा और बच्चे मिलकर ऊंचाई पर बंधी मटकी को मानव पिरामिड बनाकर फोड़ने का प्रयास करते हैं। इस दौरान गोविंदा आला रे और जय श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण गूंज उठता है।

श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता के माध्यम से कर्म और कर्तव्य का महत्व समझाया। उनका संदेश है कि मनुष्य को अपने कर्तव्य का पालन करते हुए परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए। जन्माष्टमी हमें प्रेम, भाईचारे, सत्य, धैर्य और सद्भावना का संदेश देती है।

अनीता पटेल

एकाउंटेंट
केसी हितकारिणी
चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोंसगंज,
जबलपुर।

शब्द पहेली - 8965

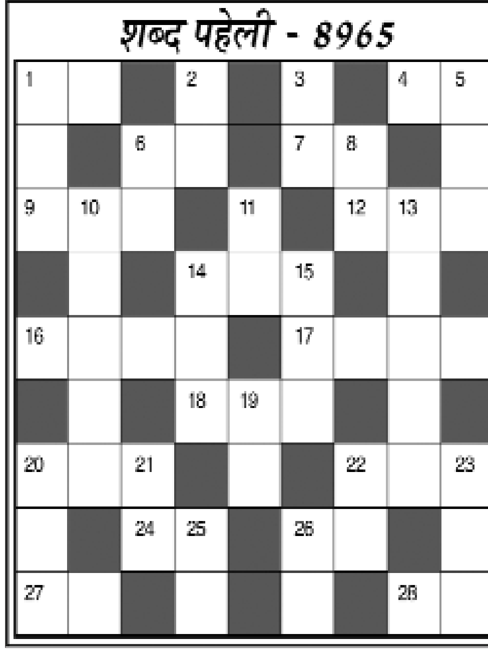

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8964 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

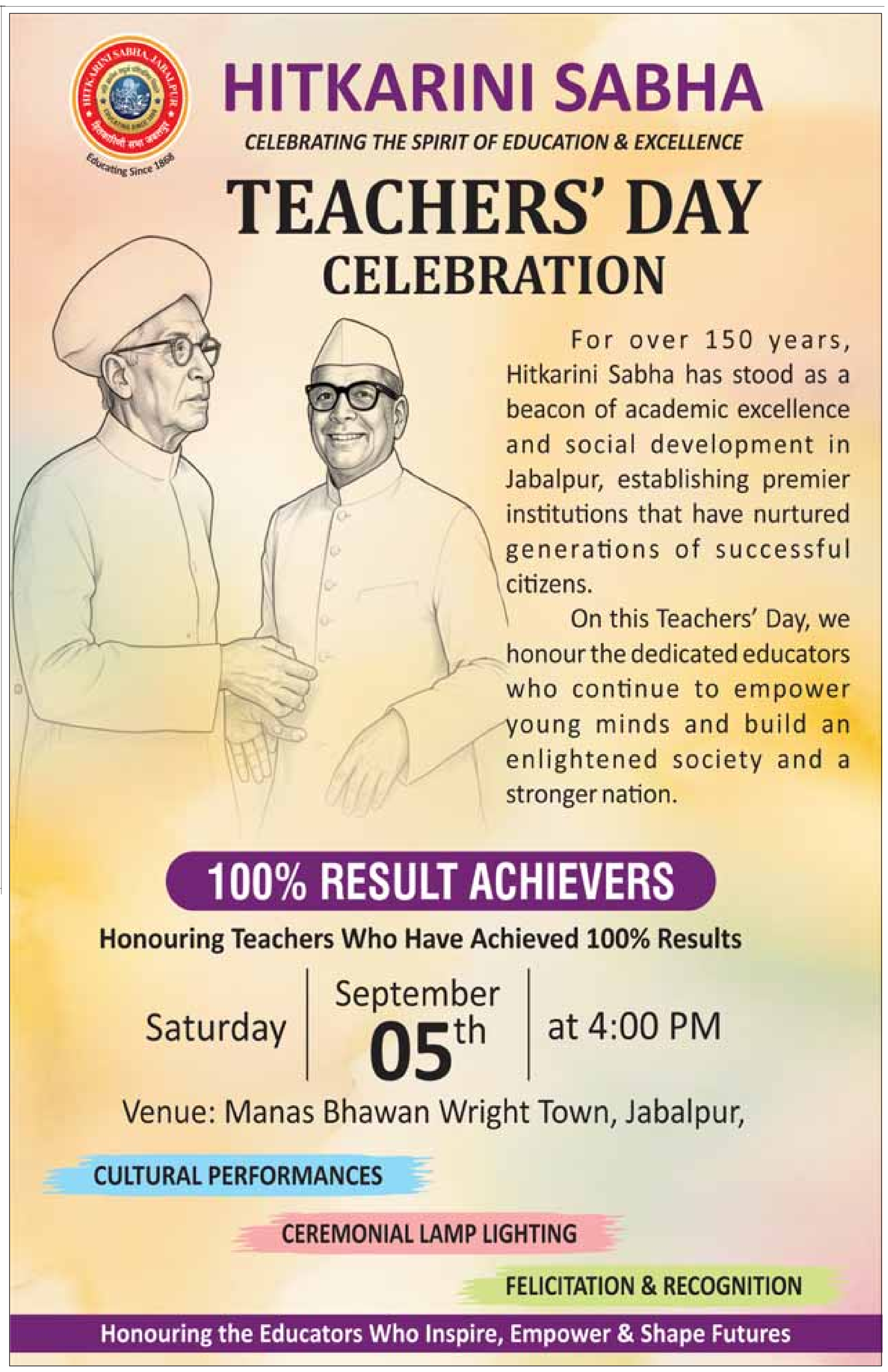

बालाघाट बंद का मिला जुला असर,आदिवासी समाज का प्रदर्शन

30 आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में भड़का आक्रोश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट में 27 बच्चों की मौत के विरोध में आदिवासी समाज के लोग 21 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। गुरुवार को बालाघाट बंद रखा गया। शहर की दुकानें बंद रहीं बाजारों में सन्नाटा रहा, बसों के पहिए थमे रहे। शहर में मिला-जुला असर देखने को मिला। हालांकि, स्कूलों और इमरजेंसी सेवाएं पर कोई असर नहीं पड़ा। आदिवासी समाज ने कहा-स्वास्थ्य मंत्री को जल्द से जल्द इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, पीएचई विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है। उन्हें सस्पेंड करने की मांग की।

25 लाख रुपए मुआवजे की मांग

आदिवासी समाज ने बच्चों की मौत के विरोध में गुरुवार को आंदोलन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई के साथ मृतक परिवारों को ज्यादा मुआवजा देने की मांग की। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि मृतक परिवारों को दिया जा रहा 2 लाख रुपए का मुआवजा अपर्याप्त है। उनकी मांग है कि सरकार प्रत्येक मृतक बच्चे के परिवार को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दे।

अस्पताल से छुट्टी के बाद 2 साल के आकाश की मौत

बालाघाट बंद में शामिल होने पहुंचे बोंदारी निवासी बिसन धुर्वे के दो साल के बेटे आकाश की बीमारी के चलते 18 अगस्त को मौत हो गई थी। परिजन के मुताबिक, बीमार होने के बाद आकाश को जिला अस्पताल लाया गया था। परिजन के अनुसार, अस्पताल से डिस्चार्ज किए जाने के बाद उसकी तबीयत फिर बिगड़ गई। इसके बाद घर पर ही उसकी मौत हो गई। आकाश की मौत का मामला भी आदिवासी समाज के आंदोलन में उठाया गया। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज के मुद्दे लगातार उठाने वाले समाज ने सरकार से सवाल किया कि क्या आदिवासी बच्चों की मौत की कीमत सिर्फ 2 लाख रुपए है। उन्होंने 2 लाख रुपए के मुआवजे को अपर्याप्त बताया। कई आदिवासी परिवारों के पास रहने और खाने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। उन्होंने लापरवाही के कारण हुई आदिवासी बच्चों की मौत के मामलों में प्रत्येक परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की। आदिवासी समाज इस पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री से सवाल कर रहा है कि आदिवासी बच्चों की मौत की कीमत सिर्फ 2 लाख रुपए क्यों तय की गई है। समाज का कहना है कि मृतक बच्चों के परिवारों को उचित और सम्मानजनक आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। इसके साथ ही समाज ने सीएमएचओ, पीएचई, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में लापरवाही करने वाले क्षेत्रीय स्वास्थ्य अमले पर कार्रवाई की मांग की है। आमसभा के बाद आदिवासी समाज सहित विभिन्न संगठनों के लोगों ने शहर में विशाल रैली निकाली। रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति और बच्चों की मौतों को लेकर शासन-प्रशासन से जवाब मांगा। प्रदर्शनकारियों ने सीएमएचओ तथा प्रभावित क्षेत्रों के बीएमओ को हटाने अथवा बर्खास्त करने, बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय करने और प्रभावित परिवारों को दी जा रही मुआवजा राशि बड़ाने की मांग रखी। इसके अलावा आदिवासी समाज और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मामले में निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की गई। आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य शासन-प्रशासन का आदिवासी और बैगा अंचलों की स्वास्थ्य व्यवस्था तथा बच्चों की मौत के गंभीर मामले की ओर सिर्फ ध्यान आकर्षित करना ही नही है, बल्कि दोषीयों पर तत्काल कार्यवाही की मांग भी है।

सागरेश्वर नाथ मंदिर में आज धूमधाम से मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी जिले में हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। स्थानीय प्राचीन एवं सिद्ध सागरेश्वर नाथ मंदिर (सगरा मंदिर) परिसर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में भव्य कृष्ण जन्माष्टमी समारोह 4 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन के श्री कृष्ण पाथेय न्यास (संस्कृति विभाग) के तत्वाधान में प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत किया जा रहा है। कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय सहयोगी संस्था के तौर पर उमरिया की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध संदेश नाट्य मंच समिति (रंगमंडल) तथा संस्था के निदेशक पंकज दुबे को नियुक्त किया गया है। सगरा मंदिर में जन्माष्टमी कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक आयोजित होगा। इस दौरान भजन-कीर्तन, नौनिहालों द्वारा राधा-कृष्ण की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां तथा प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव होगा।

आदर्श कॉलेज में श्री बलराम जन्मोत्सव के अवसर पर उन्नत कृषि पर परिचर्चा आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में श्री बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं को कृषि विज्ञान केंद्र उमरिया के वैज्ञानिक डॉ धनंजय सिंह द्वारा उन्नत कृषि, आधुनिक उपकरण बीज एवं प्राकृतिक खेती एवं मिट्टी से जुड़ी हुई विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई । जय जवान जय किसान के साथ जय विज्ञान एवं जय अनुसंधान थीम पर आयोजित कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अरुणेंद्र बहादुर सिंह कार्यक्रम संयोजक सुश्री निशी कर्ण एवं डॉ विष्णु कांत तिवारी के संयोजन में देसी पारंपरिक खाद्यान्न श्री अन्न मिलेट की प्रदर्शनी ,श्री कृष्ण जन्माष्टमी की झांकी एवं विभिन्न बाल लीलाओं का वर्णन किया गया । कार्यक्रम को आयोजित करने में डॉ वीरेंद्र विश्वकर्मा ,डॉ रामजी पांडे डॉ कीर्ति तिवारी का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन डॉ राजीव तिवारी द्वारा एवं तकनीकी सहयोग डॉ हरेंद्र कुमार , सुश्री अपूर्वा दाहयत, डा जुगुल किशोर द्वारा किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा संस्कृति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त शैक्षिक स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं की सराहनीय भूमिका रही ।

सांदीपनि विद्यालय कटंगी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, खो-खो और कबड्डी में हुआ चयन

कटंगी(स्वतंत्र मत)

शासकीय सांदीपनि विद्यालय कटंगी के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की छात्राओं श्रेया तरवरे, सुहानी सोनवाने एवं राशि बोपचे का खो-खो अंडर-19 संभाग स्तर के लिए चयन हुआ है। वहीं छात्र मयूर हरदे ने भी खो-खो अंडर-19 में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।इसी तरह कबड्डी के क्षेत्र में विद्यालय के प्रतिभावान छात्र आदित्य नेवारे एवं आयुष खरे का चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है और उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है। विद्यालय के खेल प्रशिक्षक चंद्रभान धुर्वे के मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों के नियमित अभ्यास का परिणाम है कि उन्होंने खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। प्राचार्य यतीन्द्र अग्रवाल ने सभी चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए संभाग स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।

एक्शन में नवागत एसडीएम : सरकारी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

कटंगी(स्वतंत्र मत)

अनुभागीय दंडाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद नवागत एसडीएम विजय सिंह यादव लगातार एक्शन मोड में नजर आ रहे है। मंगलवार को जहां उन्होंने एक साथ 10 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कार्य में सुधार करने के निर्देश दिए। वहीं गुरूवार को दोपहर 12 बजे उन्होंने अचानक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम के अचानक अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी पुष्पेन्द्र रानाडे और खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी भी मौजूद रहे। अस्पताल पहुंचते ही एसडीएम यादव सबसे पहले पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) पहुंचे। उन्होंने वहां भर्ती कुपोषित बच्चों और उनकी माताओं से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। उन्होंने महिलाओं से केंद्र में मिल रही सुविधाओं, भोजन, दवाइयों और स्टाफ के व्यवहार के बारे में जानकारी ली। इस दौरान एसडीएम ने महिलाओं को समझाइश देते हुए कहा कि प्रसव के पूर्व स्वास्थ्य और खानपान पर ध्यान न देने का असर आज बच्चों पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारी सबसे अमूल्य धरोहर हैं, इसलिए गर्भावस्था के दौरान लापरवाही बिल्कुल न बरतें। समय पर जांच, आयरन की गोली और संतुलित आहार बहुत जरूरी है।

एसडीएम ने एनआरसी में पदस्थ स्वास्थ्य कर्मचारियों से बच्चों के वजन, ग्रोथ चार्ट और रिकवरी की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि हर बच्चे की ग्रोथ मॉनिटरिंग गंभीरता से की जाए और डिस्चार्ज के बाद भी उसका फॉलोअप किया जाए। उन्होंने केंद्र के किचन रूम का भी निरीक्षण किया और बच्चों और माताओं को दिए जाने वाले भोजन के डाइट चार्ट का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन दिया जाए और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। एसडीएम ने मातृ-शिशु वार्ड की व्यवस्थाओं की बीएमओ से जानकारी ली और बीएमओ को निर्देश दिए कि मातृ-शिशु वार्ड में गर्म पानी के लिए तत्काल गीजर लगवाया जाए, ताकि प्रसूता महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। एसडीएम यादव ने बीएमओ डॉ भलावी को स्पष्ट निर्देश दिए कि गांव-गांव में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आवश्यक दवाएं और पोषण आहार समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर एएनसी जांच और कुपोषण के खिलाफ जागरूकता अभियान तेज किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अस्पताल की साफ-सफाई, दवा वितरण कक्ष और स्टाफ की उपस्थिति पंजी की भी जांच की। उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पताल गरीबों के लिए है, यहां आने वाले हर मरीज को बेहतर इलाज और सम्मान मिलना चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हलछठ पूजन के बाद पूजन सामग्री विसर्जित करने गई 70 वर्षीय महिला का पैर फिसलने के बाद गहरे पानी में लापता

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कल्दा में गुरुवार सुबह हलछठ पूजन के बाद पूजन सामग्री विसर्जित करने गई 70 वर्षीय महिला विनोदा नदी में पैर फिसलने के बाद गहरे पानी में लापता हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही नौरोजाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर महिला की तलाश शुरू कराई गई। लगातार बारिश और नदी के तेज बहाव के कारण रेस्क्यू टीम को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार रमोता बाई पति बाबूलाल यादव, उम्र करीब 70 वर्ष, निवासी कुरावर थाना पाली हैं। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर वह अपने

भाई के घर आई हुई थीं। बुधवार को रमोता बाई ने अपनी भाभी के साथ हलछठ का पूजन किया था। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे वह पूजन सामग्री को विसर्जित करने के लिए ग्राम कल्दा स्थित विनोदा नदी पहुंचीं। ग्रामीण क्षेत्रों में हलछठ का पर्व विशेष धार्मिक आस्था के साथ मनाया जाता है। महिलाएं संतान की सुख-समृद्धि, लंबी आयु और परिवार की खुशहाली की कामना को लेकर विधि-विधान से पूजा करती हैं। पूजन के बाद सामग्री का जल में विसर्जन भी परंपरा का हिस्सा माना जाता है। इसी धार्मिक परंपरा के तहत रमोता बाई पूजन सामग्री लेकर नदी पहुंची थीं, लेकिन विसर्जन के दौरान उनके साथ दर्दनाक हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि रमोता बाई नदी के किनारे पूजन सामग्री विसर्जित कर रही थीं। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गईं।

जिला चिकित्सालय के ओपीडी काउंटर में नियुक्त आपरेटर्स के मानदेय से राशि की होगी काटौती

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला चिकित्सालय उमरिया में इलाज कराने वाले मरीजो द्वारा प्राय: शिकायत की रही है कि ओ.पी.डी. पर्ची काटने के दौरान रजिस्ट्रेशन शुल्क ले लिया जाता है परंतु कम्प्यूटर निकलने वाली पर्ची में शून्य ही अंकित रहता है। इस तरह की शिकायत पिछले कुछ दिनो से लगातार प्राप्त हो रही है। सिविल सर्जन डा के सी सोनी ने रजिस्ट्रेशन कक्ष में नियुक्त आपरेटर नीलेश कुमार मिश्रा, वरूण सोनी, गीतिका दहायत, अनुष्का तिवारी एवं अंकित सिंह को निर्देश दिए है कि उनके मानदेय की राशि से अगस्त माह का सात दिन की राशि की कटौती की जाएगी। उन्हें आगाह किया गया है कि भविष्य में यदि इस तरह की पुनरावृत्ति पाई जाती है तो उनको सेवा से पृथक किया जावेगा ।

बांधवगढ़ में प्रथम बैच के 29 गाइड्स का दो दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का दो दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में कुल 29 गाइड्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान गाइड्स को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की जैव विविधता, वन्यजीवों, सरीसृपों, पक्षियों, वनस्पतियों, कीटों तथा वन्यजीवों के विभिन्न अनुकूलनों से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा जानकारी दी गई। साथ ही गाइड की व्यक्तित्व विकास, ग्रूमिंग, भूमिका एवं दायित्व तथा ईको-टूरिज्म जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के दूसरे दिन ताला पर्यटन क्षेत्र में फील्ड विजिट आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को वन्यजीवों एवं उनके प्राकृतिक आवास का मैदानी स्तर पर अवलोकन कराया गया तथा प्रकृति व्याख्या के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व डॉ अनुपम सहाय के निर्देशानुसार पर्यटन अधिकारी एवं रेंज ऑफिसर (मानपुर बफर) अंकित सोनी द्वारा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पर्यटन गतिविधियों तथा वन विभाग द्वारा वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों पर जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया एवं क्षेत्र में वन एवं वन्यजीव प्रबंधन तथा विभागीय गतिविधियों के संबंध में गाइड्स को विस्तृत जानकारी दी। दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान सभी निर्धारित सत्र एवं व्याख्यान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। प्रशिक्षण में शामिल 29 गाइड्स ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे अपने ज्ञान एवं व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाने की दिशा में उपयोगी पहल बताया।

अंधी हत्या की सुलझी गुत्थी

एक आरोपी और विधि विरुद्ध बालक हिरासत में वारदात में प्रयुक्त बाइक व लोहे का एंगल बरामद

उमरिया (स्वतंत्रमत)

करकेली के सिद्ध बाबा के पास मिले अज्ञात इंसानी शव की शिनाख्त के बाद नौरोजाबाद पुलिस ने गुरुवार 3 सितंबर को इस हत्याकांड का खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, सूरजबली बैगा को पहले शराब पिलाई गई और फिर लोहे के एंगल से सिर और चेहरे पर बेरहमी से वार कर उसकी हत्या कर दी गई ।इसके बाद शव को सड़क से करीब 15 फीट दूर छिपाकर आरोपी वहां से चले गए ।29 अगस्त को जमुनिहा निवासी शिवचरण रैदास ने सिद्ध बाबा के पास सेजी के पेड़ के नीचे अज्ञात व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी थी ।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान के प्रयास शुरू किए और अगले दिन मृतक की पहचान सूरजबली पिता छोटेलाल बैगा,उम्र 30 वर्ष निवासी सेहराटोला,थाना कोतवाली के रूप में हुई ।पोस्टमार्टम में सिर और चेहरे पर आई चोटों के कारण मौत की पुष्टि होने के बाद नौरोजाबाद थाने में अपराध क्रमांक 358/2026, धारा 103(1), 238 एवं 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया ।जांच में सामने आया कि सूरजबली गांव के गणेश प्रजापति की किराना एवं आटा चक्की की दुकान पर आता-जाता था और वहां काम भी करता था ।करीब 15 दिन पहले दुकान से पैसे चोरी होने की बात को लेकर उसका गणेश प्रजापति के भाई से विवाद हुआ था ।इसी विवाद के बाद उसे धमकी दिए जाने की बात भी सामने आई। पुलिस ने संदेह के आधार पर पूछताछ शुरू की तो विधि-विरुद्ध बालक और शंकर सिंह से मिली जानकारी के आधार पर हत्या की कड़ियां जुड़ती चली गईं। पुलिस के मुताबिक, 26 अगस्त को विधि-विरुद्ध बालक सफेद रंग की पल्सर मोटरसाइकिल से सूरजबली के घर पहुंचा और उमरिया जाने की बात कहकर उसे अपने साथ ले गया ।बाद में शंकर सिंह भी उनके साथ हो गया। पुलिस का दावा है कि दोनों ने रास्ते में सूरजबली को शराब पिलाई और वापस लौटते समय पूर्व योजना के तहत लोहे के एंगल से उसके सिर और चेहरे पर हमला कर उसकी हत्या कर दी ।वारदात के बाद शव को सड़क से करीब 15 फीट दूर छिपाकर दोनों वहां से चले गए,आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल और लोहे का एंगल जब्त कर लिया है। एक आरोपी और विधि-विरुद्ध बालक को हिरासत में लेकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।नौरोजाबाद थाना प्रभारी बालेन्द्र शर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा के निर्देशन में पुलिस टीम ने अंधी हत्या का खुलासा किया है।

नेता प्रतिपक्ष ने गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत पर सरकार को घेरा तो सीएमएचओ मैडम ने जारी कराया फर्जी समाचार

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं लेकिन जबावदार अधिकारी फिर अपने अमले को बचाने के लिए सक्रिय हो गया है। एक गर्भवती महिला और उसके दो नवजात बच्चों की मौंत पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डीजे मोहन्ती के द्वारा जनसम्पर्क के माध्यम से गलत समाचार प्रकाशन कराए जाने से मामला और कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष नेता उमंग सिंगार द्वारा सोशल मीडिया में की गई पोस्ट के बाद यह मामला प्रदेश स्तर में चर्चा में आ गया है। लेकिन अब तक जबावदार अधिकारी कर्मचारियों पर कोई ठोस कार्यवाही नही हो पाई है। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली और ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। बीजाडांडी क्षेत्र के ग्राम सलैया निवासी 28 वर्षीय गर्भवती रुक्मणी नरेती और उसके गर्भ में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला को प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद जननी एंबुलेंस के लिए फोन किया गया लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंची। मजबूरी में परिजनों को निजी वाहन से महिला को अस्पताल ले जाना पड़ा। रास्ते की जर्जर सड़क ने परेशानी और बढ़ा दी। आरोप है कि अस्पताल पहुंचने में हुई देरी के बीच महिला और गर्भस्थ बच्चों की जान नहीं बच सकी। घटना के बाद एक बार फिर जिले की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था, जननी एंबुलेंस की उपलब्धता खराब सड़कों और गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिलने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार सलैया निवासी रूकमणी नरेती को प्रसव पीड़ा हुई। परिजनों ने महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए जननी एंबुलेंस से संपर्क किया। परिजनों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। महिला की हालत बिगड़ती देख परिवार ने इंतजार करने के बजाय निजी वाहन की व्यवस्था की और उसे अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हुए। ग्रामीण क्षेत्र की खराब सड़क ने इस सफर को और मुश्किल बना दिया। परिजनों के मुताबिक रास्ते में महिला की हालत लगातार बिगड़ती गई। अस्पताल पहुंचने में हुई देरी को लेकर अब परिजन सवाल उठा रहे हैं। घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। एक ओर परिजन अपनों को खोने के गम में हैं वहीं दूसरी ओर एंबुलेंस नहीं मिलने और अस्पताल तक पहुंचने में हुई देरी को लेकर व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने घेरा सरकार को

मामले को लेकर प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सलैया गांव की घटना को लेकर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। सिंघार ने आरोप लगाया कि प्रसव पीड़ा से जूझ रही 28 वर्षीय गर्भवती महिला को समय पर एंबुलेंस नहीं मिली और परिजनों को जर्जर सड़क के रास्ते निजी वाहन से अस्पताल ले जाना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष के अनुसार अस्पताल पहुंचने से पहले महिला और उसके गर्भ में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बदहाल बताते हुए सरकार से इस मामले में जवाब मांगा। उन्होंने भाजपा सरकार के विकास के दावों पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को समय पर एंबुलेंस तक नहीं मिल पा रही है तो विकास के दावों की जमीनी हकीकत क्या है सिंघार ने दोनों मौतों की जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए सवाल उठाया कि आखिर स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली के कारण लोगों की जान कब तक जाती रहेगी।

सिकल सेल बनी गंभीर चुनौती

चिकित्सकों के अनुसार महिला सिकल सेल बीमारी से पीड़ित थी। सिकल सेल जैसी बीमारी से जूझ रहे मरीजों विशेषकर गर्भवती महिलाओं के लिए गर्भावस्था और प्रसव के दौरान अतिरिक्त चिकित्सकीय निगरानी की जरूरत होती है। ऐसे मामलों में समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक आवश्यक जांच दवाइयां और उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा तक पहुंच बेहद महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा महिला को जिला अस्पताल मंडला और मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किए जाने की बात भी सामने आई है।

जांच के बाद ही होगा स्पष्ट

घटना में स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ सड़क की बदहाली भी बड़ा मुद्दा बनकर सामने आई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई गांवों को मुख्य मार्ग और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ने वाली सड़कों की स्थिति खराब होने के कारण मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में समय लगता है। सामान्य परिस्थितियों में यह परेशानी किसी तरह झेली जा सकती है, लेकिन प्रसव पीड़ा, दुर्घटना या गंभीर बीमारी के मामलों में यही देरी जिंदगी और मौत के बीच का अंतर बन सकती है।

अब जांच और जवाबदेही जरूरी

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि रुक्मणी नरेती की मौत का वास्तविक कारण क्या था और क्या अस्पताल पहुंचने में हुई देरी का इसमें कोई योगदान रहा इसका जवाब चिकित्सकीय जांच से सामने आना चाहिए। साथ ही जननी एंबुलेंस को फोन कब किया गया एंबुलेंस कहां थी उसे मौके तक पहुंचने में कितना समय लगा और कॉल का रिकॉर्ड क्या कहता है इन सभी बिंदुओं की जांच होना जरूरी है।

यदि एंबुलेंस समय पर उपलब्ध नहीं हुई तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। वहीं यदि महिला की गंभीर स्थिति और सिकल सेल बीमारी के कारण उसकी हालत ऐसी थी कि उसे तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र की जरूरत थी, तो रेफरल के बाद परिवहन और उपचार की व्यवस्था क्यों नहीं हो सकी, इसका भी जवाब प्रशासन को देना होगा।

हितग्राहियों को मिला आशियाना अधिकार

मण्डला/बिछिया (स्वतंत्र मत)। नगर परिषद भुआ-बिछिया द्वारा शासन की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री शहरी आवासीय पट्टा योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी एवं उपाध्यक्ष रणधीर रानू सिंह राजपूत द्वारा हितग्राहियों को पट्टा दस्तावेज प्रदान किए गए। इस अवसर पर आरती सोनी सहित अन्य हितग्राहियों को आवासीय पट्टा प्रदान किया गया। पट्टा दस्तावेज प्राप्त होने पर हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं नगर परिषद के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को मूलभूत सुविधाओं के साथ सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। नगर परिषद उपाध्यक्ष रणधीर रानू सिंह राजपूत ने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं जब उनका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। आवासीय पट्टा योजना शहरी क्षेत्र में निवासरत पात्र परिवारों के लिए महत्वपूर्ण पहल है जिससे उन्हें अपने आवास से जुड़ी स्थायित्व एवं सुरक्षा प्राप्त होती है। इस अवसर पर पार्षद शशिकांत श्रीवास्तव, सहायक राजस्व निरीक्षक नारायण सिंह परते, मनोज निगम सहित नगर परिषद के कर्मचारीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंच शुद्धिकरण पर विरोध प्रदर्शन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण मंच का कथित रूप से शुद्धिकरण किए जाने की घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस घटना को दलित समाज के स्वाभिमान एवं सम्मान से जोड़ते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। विधायक नारायण सिंह पट्टा ने आरोप लगाया कि बीजेपी व आरएसएस से जुड़े लोगों द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण मंच का शुद्धिकरण किया जाना सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है।

जन्माष्टमी शिक्षक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। विगत दिवस स्थानीय प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान मोंटफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्री जन्माष्टमी एवं प्री शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्ति प्रेम ज्ञान और कृतज्ञता के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा दूसरी चौथी और पांचवीं के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, ब्रदर राजन, कोऑर्डिनेटर श्रीमती अंकिता कुशवाहा, श्रीमती इवेंजिलिन कुशराम, श्रीमती करिश्मा पांडे एवं आयुषी पांडे द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान श्रीकृष्ण के तैल्यचित्र के समक्ष पारंपरिक दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात् कक्षा चौथी के बच्चों ने अत्यंत सुमधुर प्रार्थना नृत्य और भक्तिमय जन्माष्टमी गीत प्रस्तुत कर पूरे माहौल को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। नन्हे कान्हा की बाल-लीलाओं ने जीता दिल सांस्कृतिक श्रृंखला के अंतर्गत कक्षा दूसरी और पांचवीं के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर आधारित एक विशेष प्रस्तुति दी गई।

बच्चों ने भगवान कृष्ण के बचपन पर आधारित नाटक और नृत्य के माध्यम से भगवान कृष्ण के जन्म माखन चोरी और बाल-लीलाओं का सजीव मंचन किया जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा भगवान कृष्ण और जन्माष्टमी के महत्व पर विचारणीय भाषण भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में शिक्षक दिवस का उत्सव बेहद गरिमामयी ढंग से मनाया गया। इसके पश्चात संस्था प्रमुख ने विद्यालय में बच्चों को लाने ले जाने वाले सभी ऑटो चालकों का सम्मान किया इसमें बच्चों के द्वारा फूलों से करीब 60 ऑटो चालकों का स्वागत किया तथा उनके ऑटो के बच्चों द्वारा संस्था प्रमुख की तरफ से उनको शर्ट का कपड़ा उपहार स्वरूप देकर उन्हें सम्मानित किए।

संस्था द्वारा इस प्रकार सम्मानित होकर सभी ऑटो चालक खुश हो गए तथा उन्होंने संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन और स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में भजन संध्या

मण्डला (स्वतंत्र मत)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आज श्रीकृष्ण पाथेय न्यास भोपाल के मार्गदर्शन में नगर के सिंहवाहिनी वार्ड बुधवारी चौक स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजन-अर्चन के पश्चात शाम 7:30 बजे से धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ होगा। इसके उपरांत रात्रि 8:00 बजे से 10:30 बजे तक ओम युवा मंडल के कलाकारों द्वारा भजन संध्या की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। भजन संध्या में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उनके जीवन चरित्र पर आधारित भजनों की प्रस्तुति होगी। आयोजन में नगर के कृष्ण भक्तों, जनप्रतिनिधियों मातृशक्ति एवं नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

आदिवासी नेत्री के रूप में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाने वाली श्रीमती सम्पतियां उइके

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

आज कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उइके का जन्मदिन है कार्यकर्ताओं के द्वारा उनके जन्मदिन मनाने की तैयारी विगत कई दिनों से की जा रही थी आज उनके गृहग्राम टिकरवाड़ा में अनेक धार्मिक आयोजन के साथ जन्मोत्सव का आयोजन भव्यता से होगा। आदिवासी नेत्री के रूप में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाने वाली महिला हैं।

जो गांव की पगडंडियों से निकलकर अपनी अलग पहचान बनाने वाली मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके का राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन संघर्ष सेवा और जनसमर्पण की प्रेरणादायी यात्रा रहा है। बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के उन्होंने अपनी मेहनत कर्मठता और जनसेवा के माध्यम से राजनीति में अपना स्थान बनाया। खेत-खलिहानों और गांव की पगडंडियों से लेकर शिशु मंदिर विद्यालय में सेवा कार्य तक उनका जीवन समाज से निरंतर जुड़ा रहा। उनके पति स्व. संजय उइके राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर रहे और बाद में नायब तहसीलदार बने। उन्होंने श्रीमती संपतिया उइके की राजनीतिक क्षमता और जनसेवा की भावना को पहचानते हुए उन्हें सक्रिय राजनीति में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती संपतिया उइके ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत ग्राम पंचायत की सरपंच के रूप में की। इसके बाद वे जिला पंचायत सदस्य बनीं और तीन बार जिला पंचायत अध्यक्ष मंडला का दायित्व संभाला।

जनसेवा के इसी क्रम में वे मध्यप्रदेश राज्यसभा सांसद निर्वाचित हुई बाद में मंडला विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुईं। पहली बार विधायक बनने के बाद ही भारतीय जनता पार्टी संगठन और प्रदेश सरकार ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें कैबिनेट मंत्री का दायित्व सौंपा तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी। श्रीमती संपतिया उइके अपनी सक्रियता, निरंतर जनसंपर्क और प्रदेशभर में व्यापक दौरे के लिए जानी जाती हैं।

सरपंच से लेकर कैबिनेट मंत्री तक की इस यात्रा में आशीर्वाद जनता का स्नेह, संगठन के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और जमीनी कार्यकर्ताओं का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। जनता और कार्यकर्ताओं के सुख-दु:ख में सदैव साथ खड़े रहना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण पक्ष है। विपरीत परिस्थितियों अथवा किसी दुखद अवसर पर वे व्यस्तता के बावजूद आमजन कार्यकर्ताओं और नेताओं के घर पहुंचकर उनका संबल बढ़ाती हैं।

पारिवारिक विवाद में मारपीट और धारदार हथियार से हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

नैनपुर पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई, न्यायालय के आदेश पर तीनों आरोपी जेल भेजे

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

थाना नैनपुर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 स्थित खटीक मोहल्ले में पारिवारिक विवाद को लेकर मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर तीनों को जेल दाखिल कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, फरियादी का अपने परिवार एवं आरोपियों के बीच पारिवारिक खेती-बाड़ी और मकान को लेकर पूर्व से विवाद चला आ रहा था। इसी विवाद के चलते बीती रात करीब 10 बजे आरोपी बंटी आमो ने फरियादी के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान अंजुल सैयाम और मोहित सैयाम भी मौके पर पहुंच गए और फरियादी के साथ हाथ-झापड़ से मारपीट करने लगे।

मारपीट के दौरान आरोपियों ने फरियादी को घर के सामने पड़ी रेत में पटक दिया। इसी दौरान धारदार वस्तु से किए गए हमले में उसके दाहिने हाथ की उंगली में चोट लग गई और खून निकल आया। फरियादी के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसके पिता सतीश आमो, बहन शीला काकोड़िया और माता राजकुमारी आमो मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान मोहित सैयाम ने फरियादी के पिता सतीश आमो के दाहिने हाथ की कोहनी पर ईंट से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना में शीला काकोड़िया को भी चोट आई। आरोपियों द्वारा फरियादी और उसके परिवार को जान से खत्म करने की धमकी देने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है।

फरियादी की रिपोर्ट पर थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 395/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए बंटी आमो (35), निवासी वार्ड क्रमांक 6 नैनपुर, मोहित सैयाम (21) तथा अंजुल सैयाम (24), दोनों निवासी वार्ड क्रमांक 6 नैनपुर को गिरफ्तार किया।

तीनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया।

कार्रवाई में इनका रहा विशेष योगदान

पुलिस कार्रवाई में थाना प्रभारी मंसाराम वगेन, निरीक्षक विक्रम सिंह बघेल, एएसआई नेताम, आरक्षक विशाल सहित थाना नैनपुर के पुलिस स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री आन्नदूत योजना पर इस माह से ग्रहण लगने के आसार

समय पर भुगतान न होने से परिवहनकर्ता नाराज

अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

मुख्य मंत्री आन्नदूत योजना के अंतर्गत परिवहन कर्ताओ ने अपनी समस्याओं से जुड़ा एक ज्ञापन सौंपा है। शासन के दिशा निर्देशानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली पी डी एस के साथ साथ अन्य योजनाओं के अंतर्गत खाद्यान्न परिवहन का कार्य करने वाले परिवहन कर्ताओ को वर्तमान में योजना के जमीनी संचालन में गंभीर वित्तीय और व्यवहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इनकी समस्याओं में डीजल मूल्य वृद्धि के अनुपात में परिवहन दर तथा हम्माली दरों में वृद्धि शामिल है। बताया गया कि योजना के मूल टेंडर और अनुबंधों की शर्तों में प्रावधान था कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि होने पर परिवहन दरों का पुनरीक्षण किया जाएगा। वर्तमान में में डीजल के दामों में में वृद्धि हो चुकी है, किंतु हमारी परिवहन दर यथावत है, जिससे भारी आर्थिक क्षति हो रही है, साथ ही हम्माली दरों में भी वृद्धि की जाये। इसके अलावा समय पर नियमित भुगतान का अभाव व संचालन व्यय का संकट भी बताया गया है। परिवहन देयकों कर बिलो का समय पर भुगतान नही होने से वाहनों की मासिक बैंक किस्त ई एम आई ,बीमा, नए टायर गाड़ी रखरखाव था दैनिक डीजल खर्च वहन करने में भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है । अत: समस्त परिवहनकर्ताओं को प्रत्येक महिने के 10-15 तारीख के मध्य भुगतान सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाए।

इसके अलावा माह जुलाई एवं अगस्त के समस्त मदो का भुगतान शेष है अन्य योजनाओं के भुगतान के साथ जब तक जुलाई एवं अगस्त माह का भुगतान नहीं हो जाता तब तक आने वाले अक्टूबर माह का आवंटन का उठाव कार्य करने में असमर्थता जताई गई है। जुलाई एवं अगस्त का भुगतान समय पर नहीं किया जाता है तो किसी भी आवंटन में उठाव की देरी की समस्त जिम्मेवारी हम परिवहनकर्ताओं की नहीं मानी जाए।

परिवहन कर्ता अनुबंध की शर्तों के अनुसार बढ़ी हुई डीजल दरों को दृष्टिगत रखते हुए परिवहन भाड़े में शीघ्र वृद्धि करने की मांग कर रहे हैं। मासिक परिवहन बिलों का भुगतान प्रत्येक माह की 10 से 15 तारीख की समय-सीमा में परिवहनकर्ताओं से बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाए। यदि इन न्यायोचित मांगों का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो आर्थिक संकट के कारण हमारे लिए जुलाई और अगस्त 2026 के समस्त मदों का भुगतान समय पर न होने के कारण आगानी समय में वाहनों का सुचारू संचालन जारी रखा पाने में परिवहन कर्ताओ ने अपनी असमर्थता जताई है। जिससे मुख्यमंत्री अन्नदूत योजना में ग्रहण लगता दिखाई दे रहा है।

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में जन्माष्टमी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ब्रेन चाइल्ड एकेडमी प्री-स्कूल में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन उत्साह श्रद्धा और सांस्कृतिक रंगों के साथ किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चे कृष्ण राधा गोपी एवं सुदामा के आकर्षक वेश में विद्यालय पहुंचे और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विद्यालयों में जन्माष्टमी के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति नैतिक मूल्यों एवं श्रीकृष्ण के जीवन से परिचित कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान कार्यक्रम में श्रीकृष्ण जन्म, कृष्ण-सुदामा की स्वर्णिम मित्रता मां यशोदा और नटखट कान्हा राधा-कृष्ण की मधुर लीलाएं, मटकी फोड़ तथा ट्रेजर हंट जैसी आकर्षक प्रस्तुतियां एवं गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों ने अपने मनमोहक नृत्य एवं अभिनय से उपस्थित सभी अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का कुशल निर्देशन एवं नृत्य शिक्षिका चेतना मालवानी तथा स्कूल शिक्षिकाओं द्वारा की गई। शिक्षिका मोनिका कुशवाहा ने संपूर्ण आयोजन की व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया।

35वीं बटालियन ग्वारा में कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा 35वीं बटालियन ग्वारा में रक्षाबंधन का विशेष कार्यक्रम उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान की ओर से ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी एवं ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन ने उपस्थित पुलिस जवानों को रक्षासूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में 35वीं बटालियन के उपसैनानी इन्द्र सिंह परस्ते, सहायक सैनानी बलवीर सिंह, सहायक सैनानी बहन रुचिका चतुर्वेदी, इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार तेकाम, इंस्पेक्टर अनुपम कुठार, इंस्पेक्टर निरंजन सिंह, इंस्पेक्टर मनीराम पुशाम, इंस्पेक्टर रामचरन माराम, इंस्पेक्टर प्रताप सिंह नेटी सहित लगभग 100 पुलिस जवानो उपस्थित रहे। उपसेनानी इन्द्रसिंह परस्ते ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से पुलिस जवानों को मानसिक शांति आत्मीयता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

संपादकीय

एकत्व का 'डीएनए'

न्यूयॉर्क में सरसंघचालक मोहन भागवत ने जो संबोधन दिया है, वह उनकी सोच की पुनरावृत्ति ही है, चूंकि यह संदेश अमरीकी जमीन से दिया गया है, लिहाजा इसकी गूंज 'वैश्विक' है। मुस्लिम धर्मगुरुओं, अमरीकी विचारकों और खुली सोच के समर्थकों ने संबोधन की सराहना कर इसे स्वागतयोग्य भी माना है, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी करार दिया है। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल मना रहा है, लिहाजा सरसंघचालक अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन के प्रवास पर हैं।

बहरहाल भारत में जो जमात संघ-विरोध की राजनीति करती रही है, हर बुराई और विवाद के लिए संघ को ही आरोपित करती रही है, वह पुराने पन्ने खोल कर सरसंघचालक के विरोधाभासों, कथनी-करनी में अंतर, उनके विचारों के उनके अपने ही 'घर' में उल्लंघन सरीखी तोहमतें लगा रहे हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति है। उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी देश के संविधान ने दी है। दरअसल सरसंघचालक मोहन भागवत के अमरीकी संबोधन का सारांश यह है कि हिंदू-मुसलमान का 'डीएनए' एक ही है। एकता और विविधता ही हमारा 'डीएनए' है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। हिंदुत्व का अर्थ मुसलमान को देश के बाहर करना नहीं है। यही भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' की कल्पना है। विविधता में एकता ही हमारा राष्ट्रवाद है, सांस्कृतिक एकात्मवाद है। धर्म का लक्ष्य सत्य की ओर ले जाना है। सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर ले जाते हैं। धर्म अनेक हैं, लेकिन सत्य एक ही है। इनसानियत सबसे मूल्यवान है। विदेशी जमीन पर यह 'प्रथम संबोधन' हो सकता है! अलबत्ता मोहन भागवत 2018 से यही संदेश लगातार देते रहे हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान भी दिया था कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय ढूंढना बंद करें।

उसका जबरदस्त असर हुआ और ऐसी सांप्रदायिक कवायदें बहुत कम हो गईं। 'काशी, मथुरा' संघ परिवार और भाजपा के सनातन मुद्दे हैं और कहा जाता रहा है कि अदालत का जो फैसला होगा, वह मान्य होगा। दरअसल सरसंघचालक भागवत अपनी सोच और वैचारिकता में बिल्कुल स्पष्ट हैं, लिहाजा वह हिंदू-मुस्लिम के एकत्व वाले राष्ट्र की कल्पना करते रहे हैं, लेकिन अहम सवाल यह है कि संघ प्रमुख किन्हें संबोधित करते रहे हैं? संघ के प्रचारक रहे और अब देश के प्रधानमंत्री मोदी खुद 'कपड़ों से पहचानने', 'दाढ़ी-टोपी वाले', 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले' और 'आपका मंगल-सूत्र छीनने वाले' आदि सार्वजनिक टिप्पणियां कर मुसलमानों पर आघात करते रहे हैं। भाजपा में एक बड़ी जमात है, जो सार्वजनिक रूप से मुस्लिम-विरोधी है, कट्टर विरोधी है। कांवड़-यात्रा निकलती है, तो मुसलमानों को पहचान छिपानी पड़ती है। उनकी दुकानों, रेहड़ियों और उनके ढाबों पर अनावश्यक, अनधिकृत जांच के छापे मारे जाते हैं। सर्वोच्च अदालत तक इनके खिलाफ फैसला सुना चुकी है। देश में 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' (एनआरसी) का अभियान असम से चलाया गया, लेकिन प्राथमिक जांच में ही 'हिंदू' या 'बंगाली हिंदू' बहुसंख्यक पाए गए। अभियान पर ढक्कन लगा दिया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अब भी एनआरसी के अभियान पर आमादा हैं। हालांकि संघ-प्रमुख के संबोधन के बाद खासकर भाजपा में 'गहरी खामोशी' है, अलबत्ता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद निशिकांत दुबे जैसों की भरपूर जमात है, जो बात-बात पर, औसत मुद्दों और विवाद पर, मुसलमानों को पाकिस्तान चले जाने की धमकी देते रहे हैं। जिन्हें पाकिस्तान जाना था, वे चले गए, 80 लंबे साल भी बीत गए, पीढ़ियां बदल गईं, अब मुसलमान भी भारतीय हैं। हिंदू-मुसलमान की नारेबाजी, नफरत, जारी रहेगी, तो देश में एकता, एकत्व का डीएनए अथवा सांस्कृतिक एकात्मवाद की स्थितियां कैसे संभव होंगी?

वर्तमान सदी केवल भारत की है

तेजी से बदल रही है भारत की तस्वीर

भारत के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों, टाटा, बिरला, रिलायंस, अडानी, आदि को अपना व्यवसायिक साम्राज्य खड़ा करने में दशकों लग गए थे। इन समूहों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचाने में लगभग 30 वर्षों का समय लगा था परंतु आज के युवावर्ग द्वारा स्थापित की जा रही कम्पनियों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाने में केवल 1 से 3 वर्ष का समय लग रहा है। भारत में समय बहुत तेजी से बदल रहा है और भारतीय युवा आज भारत की तस्वीर बदलने को उतावाले होते दिखाई दे रहे हैं। जून 2026 में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स) का व्यवसाय करने वाली सर्वम कम्पनी ने अपनी स्थापना के केवल 3 वर्ष के अंदर ही 150 करोड़ (1.5 बिलियन) अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति खड़ी कर ली है। इसी प्रकार, आज जेप्टो एवं मेन्सा नामक ब्राण्ड कुछ ही महीनों में व्यवसाय के उस स्तर को प्राप्त कर लेते हैं, जिसे हासिल करने में पुरानी बड़ी कम्पनियों को कई दशक लग गए थे। आज के समय में टेक्नॉलोजी के क्षेत्र में स्थापित हो रही कम्पनियों की तुलना यदि इसी क्षेत्र में लगभग 20/25 वर्ष पूर्व स्थापित कम्पनियों से भी की जाय तो सम्पत्ति खड़ी करने के समय में बहुत अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। वर्ष 2000 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति बनाना) बनने में लगभग 20 वर्ष से अधिक का समय लग रहा था, वहीं वर्ष 2020 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन बनने में केवल एक वर्ष का समय लग रहा है। वित्तीय क्षेत्र में स्थापित की गई कम्पनियों को यूनिकोन बनने में 30 वर्ष का समय लगा है। वहीं मेन्सा ब्राण्ड जैसी कम्पनी को यूनिकोन बनने में केवल 6 माह का समय लगा है। बाजार वही है, परंतु समय तेजी से बदल रहा है। इस परिवर्तन में भारतीय युवाओं की प्रमुख भूमिका रही है। आज भारत में व्यावसायिक घराने/खानदान एवं अमीर लोग कहीं पीछे छूट गए हैं एवं युवा पीढ़ी तेजी से बिलिनायर की सूची में अपनी जगह बना रही है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में एक लाख से अधिक नए स्टार्ट-अप स्थापित हुए हैं। आज भारत ने अपने आप को, अमेरिका एवं चीन के बाद, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इको सिस्टम में स्थापित कर लिया है। भारत में आज अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट अप बन रहे हैं।

किराना उत्पादों से संबंधित ऐप अधिक संख्या में बनाए जा रहे हैं क्योंकि यूपीआई जैसा पेमेंट गेटवे पूर्व से ही उपलब्ध है और भुगतान प्रणाली को अलग से विकसित करने की आवश्यकता ही नहीं है। साथ ही, 140 करोड़ नागरिकों का बायोमेट्रिक डाटा पहिले से ही सत्यापित है और यह उपभोक्ता उत्पादों से सम्बंधित ऐप बनाने वाले इंजीनियरों को उपलब्ध भी है। भारत में डिजिटल लाकर में 750 करोड़ से अधिक दस्तावेज जमा हो चुके हैं। सस्ता इंटरनेट डाटा उपलब्ध है एवं 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच आज 20 वर्ष के युवा एंटरप्रेन्योर को व्यवसाय स्थापना के प्रथम दिवस से ही पूरा भारत उसके उत्पाद के बाजार के रूप में उपलब्ध है। उक्त कारकों के चलते ही वर्ष 2021 में भारत में 45 नए यूनिकोन विकसित हुए थे।

भारत के पास आज दुनिया के सबसे स्मार्ट एवं कुशल इंजीनीयर तो हैं परंतु हमारे पास अपने गूगल, अपना यू ट्यूब एवं अपना फेस बुक नहीं है। क्योंकि, भारत में उच्च स्तर का तकनीकी नवाचार नहीं हो पा रहा है जिससे उच्च तकनीकी के ऐप भारत में कम बन रहे हैं। हालांकि, विकसित देशों में जो भी उच्च स्तर के तकनीकी नवाचार हो रहे हैं इनमें भारतीय इंजिनीयरों की भी महती भूमिका रहती है। इसी कारण से भारतीय इंजीनियरों की विकसित देशों में भारी मांग है। भारतीय युवाओं को दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन करने के स्थान पर भारत में उच्च तकनीकी के नवाचार करने की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। अब तो विकसित देश भी यह मानने लगे हैं कि वर्तमान सदी केवल भारत की है। कई विकसित देशों सहित चीन में जनसंख्या वृद्धि दर अब ऋणात्मक हो चुकी है। साथ ही, इन देशों में वृद्ध नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पूरे विश्व में आज भारत एक युवा देश के रूप में उभर रहा है। अतः भारतीय युवाओं से न केवल भारत में आर्थिक विकास को गति देने बल्कि विश्व के अन्य कई देशों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपेक्षा की जा रही है। कई देशों ने तो अपनी संसद में प्रस्ताव पास करने के उपरांत भारत सरकार से भारतीय युवाओं को इन देशों में भेजने की मांग की है।

भारतीय युवा आज न केवल भारत में तेजी से यूनिकोन विकसित कर रहा है बल्कि आज भारतीय अन्य देशों में पहुंच कर अपने व्यापार का विस्तार भी कर रहे हैं, इसी कारण से आज प्रतिवर्ष भारत से लगभग 7 लाख नागरिक विभिन्न देशों में जाकर बस रहे हैं। श्री लक्ष्मी मित्तल ने ब्रिटेन में आरसेलोर स्टील कम्पनी खरीद ली है। यह कम्पनी पूर्व में बीमार कम्पनी की श्रेणी में शामिल थी परंतु मित्तल समूह ने इसे आज विश्व की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कम्पनी बना दिया है। इसी प्रकार वर्ष 2008 में टाटा समूह ने जैग्वार एवं लैंड रोवर कम्पनी को खरीद लिया था। भारतीय मूल के नागरिक आज ब्रिटेन में जायदाद निवेशकों के क्षेत्र में सबसे बड़े निवेशक माने जा रहे है। यूरोप में आज भारतीय कम्पनियां सबसे अधिक राशि का निवेश करती हुई दिखाई दे रही हैं और यूरोपीयन कम्पनियों का अधिग्रहण कर रही है। अमेरिका में भी लगभग यही स्थिति है। अमेरिका में सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक कम्पनी को भारतीय ने खरीद लिया है। इसी प्रकार, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, अडोबी जैसी बड़ी कम्पनियों को भारतीय मूल के नागरिक ही चला रहे हैं। भारतीय मूल के ही अजय बांगा आज विश्व बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बन गए हैं। भारत में आज 15 लाख इंजिनीयर प्रतिवर्ष बन रहे हैं। विश्व के लगभग समस्त देशों को आज भारतीय युवाओं की अत्यधिक आवश्यकता है। विशेष रूप से जापान एवं यूरोपीयन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

चीन से आज कई देश दूर भाग रहे हैं क्योंकि चीन ने विभिन्न देशों को कर्ज दे रखा है, यदि कोई देश इस कर्ज का भुगतान समय पर नहीं कर पाता है तो चीन उस देश के संसाधनों पर अपना अधिकार जताने लगता है। इससे इन देशों के साथ चीन के सम्बंध अच्छे नहीं रहे हैं। दूसरी ओर भारत में राजनैतिक स्थिरता है, जिसके चलते आज भारत के विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बंध हैं। भारत आज विश्व के कई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। आज स्थिति यह निर्मित हो रही है कि भारतीय यूनिकोन अमेरिकी कम्पनियों का अधिग्रहण करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत आज जापान, इजराईल, रूस, यूएई एवं अमेरिका जैसे देशों का रणनीतिक साझीदार है। साथ ही, भारत के सम्बंध अब चीन के साथ भी सामान्य हो रहे है। भारत आज वैश्विक दक्षिणी क्षेत्र की आवाज बन रहा है क्योंकि विश्व के कई देशों का अब चीन पर भरोसा नहीं रहा है। भारत आज जी-20 देशों के समूह का भी सदस्य है, तो जी-7 देशों के समूह एवं वैश्विक दक्षिणी क्षेत्र के बीच एक पुल का काम करता हुए भी दिखाई दे रहा है। भारत एससीओ का भी सदस्य है तो ब्रिक्स का भी सदस्य है। साथ ही, भारत क्वाड का भी सदस्य है। इस प्रकार, भारत आज विश्व के लगभग समस्त महत्वपूर्ण समूहों का सदस्य है एवं भारत के विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ बहुत अच्छे, सौहार्दपूर्ण, व्यावसायिक एवं व्यावहारिक सम्बंध हैं। इसी कारण से ही कुशल भारतीय युवाओं की मांग आज पूरे विश्व में कई देशों द्वारा की जा रही है।

क्या नेपाल त्रासदी को रोका जा सकता था? तबाही में छिपा जलवायु संकट का संदेश

शेखर अय्यर

हाल ही में, नेपाल-तिब्बत के हिमालयी इलाके में आई भीषण बाढ़ कोई सामान्य प्राकृतिक आपदा नहीं है। यह त्रासदी एक गंभीर संदेश लेकर आई है कि हम भले ही अलग-अलग देशों में रहते हों, लेकिन प्रकृति में होने वाले बदलाव का असर हम सभी पर पड़ता है। वैज्ञानिक अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर इस आपदा की असली वजह क्या थी। हालांकि, हाल के दिनों में बढ़ा तापमान और ग्लेशियर की तेजी से पिघलती बर्फ इसकी एक संभावित वजह हो सकती है।

नेपाल पिछले तीन दशकों में अपने ग्लेशियरों की करीब एक-तिहाई बर्फ गंवा चुका है। यहां एक दिलचस्प विरोधाभास है। दुनिया की कार्बन समस्या के लिए नेपाल का योगदान न के बराबर है। 2024 में, जीवाश्म ईंधन और उद्योगों से होने वाले वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में नेपाल की हिस्सेदारी मात्र 0.05 फीसदी थी। यानी बेहद कम कार्बन उत्सर्जन करने वाला यह देश गर्म होती धरती के दुष्परिणामों का भयानक शिकार बना। इसका सबसे बड़ा सबक यही है कि हमारा पारिस्थितिकी तंत्र एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा है। ग्लेशियर, जंगल, महासागर, बारिश और हवाएं पृथ्वी का ही हिस्सा हैं। हम दुनिया के किसी एक हिस्से में जो करते हैं, उसका असर हजारों किलोमीटर दूर रहने वाले लोगों तक पहुंच सकता है। धरती का अपना एक क्रम और संतुलन है, जिसका हमें सम्मान करना चाहिए। हमारी जिम्मेदारी सिर्फ प्रकृति से फायदा उठाना ही नहीं है, बल्कि ऐसे कामों से बचना भी है, जो उसके संतुलन को बिगाड़ते या नुकसान पहुंचाते हैं। हम प्रकृति से आखिर कितना ले सकते हैं? कितना उत्पादन कर सकते हैं? कितना उपभोग कर सकते हैं? और सबसे अहम, प्रकृति कितना कुछ झेल सकती है? नेपाल की इस त्रासदी ने इन सवालों को फिर से चर्चा में ला दिया है। पिघलते ग्लेशियर नदियों के प्रवाह, उनके स्वरूप को बदल सकते हैं। पिघलता हुआ ग्लेशियर नदियों पर असर डाल सकता है। बर्बाद जंगल पानी और मिट्टी को प्रभावित कर सकते हैं। महासागरों में होने वाले बदलाव हजारों किलोमीटर दूर के मौसम पर असर डाल सकते हैं।

आखिर नेपाल-तिब्बत सीमा पर हुआ क्या था? दरअसल, वहां भूकंप की शुरुआती खबरों के बाद लोगों को लगा कि भूकंप के झटकों से जमीन खिसकी होगी और भूस्खलन के कारण ही यह भीषण बाढ़ आई। बाद में साफ हुआ कि आपदा की शुरुआत बर्फ व चट्टानों के बड़े पैमाने पर खिसकने से हुई थी। इससे अचानक तेज बाढ़ आई और भारी मात्रा में मलबा नीचे की ओर बह निकला। वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला कि बर्फ, चट्टान और तलछट का यह बड़ा हिस्सा समुद्र तल से करीब 5,000 मीटर की ऊंचाई से 1.2 किलोमीटर नीचे गिरा। इससे नीचे बह रही नदी कुछ समय

के लिए बंध गई और वहां एक झील बन गई। जब ग्लेशियर से आया पानी इस झील में भरा, तो अस्थायी बांध टूट गया और पानी का तेज बहाव सीमा के दोनों ओर बसे गांवों तक पहुंच गया। इस दौरान शुरुआती चेतावनी प्रणाली भी विफल रही। निगरानी कैमरों ने तिब्बत में स्थानीय समयानुसार सुबह 8:32 बजे पानी के शुरुआती बहाव को रिकॉर्ड कर लिया था। लेकिन, चीन की ओर से नेपाली अधिकारियों को इसकी सूचना 26 मिनट बाद मिली। बाढ़ जैसे-जैसे नीचे की ओर बढ़ी, कई अहम निगरानी केंद्र या तो नष्ट हो गए या फिर डाटा भेजने में नाकाम रहे। सुबह 9:13 बजे लोगों के मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश भेजे गए, लेकिन तब तक निचले इलाकों में रहने वाले कई लोगों के लिए बहुत देर हो चुकी थी। एक प्रधानाध्यापक ने फोन पर मिली सूचना के बाद महज 10 मिनट में 900 से अधिक छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह घटना बताती है कि समय पर मिली छोटी-सी चेतावनी भी कितनी जिंदगियां बचा सकती है।

नेपाल अब आपदा की निगरानी और शुरुआती चेतावनी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चीन के साथ बेहतर सहयोग मांग रहा है। इस त्रासदी ने दुर्गम हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों, ग्लेशियल झीलों, भूस्खलन और नदियों की स्थिति से जुड़ी सूचनाओं के दोनों देशों के बीच सीमित आदान-प्रदान की पुरानी चिंता को फिर से उजागर किया है। इस आपदा से करीब तीन महीने पहले नेपाली और चीनी अधिकारियों ने काठमांडो में मुलाकात की थी। बैठक में बाढ़, मौसम और ग्लेशियर से जुड़े खतरों पर सहयोग, ग्लेशियल झीलों की सूची तैयार करने, खतरे वाले क्षेत्रों की मैपिंग करने और संयुक्त रूप से जोखिम कम करने जैसे उपायों पर चर्चा हुई। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि बैठक के बाद उन्हें उम्मीद के मुताबिक जानकारी नहीं मिली, खासकर ग्लेशियरों में शुरुआती बदलाव और जलस्तर में हो रहे परिवर्तन से जुड़ी सूचनाएं।

चीन का कहना है कि उसने आपदा से पहले ही नेपाल को चेतावनी दे दी थी। इस भीषण आपदा से 12 दिन पहले चीन के विश्व मौसम विज्ञान केंद्र ने नेपाली अधिकारियों को बताया था कि मानसून कमजोर रहने का असर इलाके पर पड़ सकता है। उसने भारी बारिश के साथ भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी संभावित आपदाओं को लेकर भी चेतावनी दी थी। हालांकि, नेपाली अधिकारियों का कहना है कि यह चेतावनी मुख्य रूप से बारिश के पूर्वानुमान तक सीमित थी। इसमें ग्लेशियर, हिमस्खलन, जलस्तर बढ़ने या अचानक पैदा होने वाले दूसरे खतरों की रियल-टाइम निगरानी से जुड़ी जानकारी नहीं थी। भारतीय राज्यों में भी बाढ़ का खतरा बेहद गंभीर रहा है। हालांकि, कुछ इलाकों में तत्काल पैदा हुआ खतरा शायद अब टल गया है। बाढ़ का पानी बिहार की गंडक, कोसी और गंगा नदियों तक पहुंच गया, जिसके बाद अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहना पड़ा। खतरनाक तरीके से बढ़ते जलस्तर पर नजर रखने के लिए बड़ी संख्या में टीमें तैनात की गईं, खासकर वाल्मीकि नगर बैराज और संवेदनशील तटबंधों के आसपास। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। उत्तर प्रदेश में भी अधिकारी सतर्क रहे। राज्य के राहत आयुक्त ने हालात पर रियल-टाइम नजर रखी, क्योंकि नेपाल से निकलने वाली उफनती नदियां स्वाभाविक रूप से भारतीय इलाकों में प्रवेश करती हैं। पूरी तस्वीर बताती है कि इस विनाशकारी घटना का असर नेपाल, भारत और चीन, तीनों देशों तक पहुंचा है। ऐसे में, सबसे बड़ा सवाल यही है कि भू-राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर तीनों देशों के बीच बेहतर सहयोग और तालमेल के लिए एक व्यावहारिक ढांचा कैसे तैयार किया जाए।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है- जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है।

जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं।

लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अत- उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

ब्रह्मांड का कुरुक्षेत्र: आज की 'जेन जी' को क्यों है कृष्ण की रणनीतिक समझ की जरूरत?

पं. पवन शर्मा
यू.एस.ए.

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ चारों तरफ असीमित शोर है। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह दुनिया तेजी से बदलते ट्रेंड्स, डिजिटल कनेक्टिविटी, हर वक्त भागते रहने की होड़ और गहरे वैचारिक मतभेदों का एक चक्रव्यूह बन चुकी है। इस माहौल में जीना किसी अराजक युद्धक्षेत्र में खड़े होने जैसा महसूस हो सकता है। जब मानसिक तनाव घेरता है और फैसले लेना मुश्किल हो जाता है, तब यह पीढ़ी खुद को संभालने के लिए कहाँ देखे?

इसका जवाब किसी नए सेल्फ़-हेल्प ऐप या एल्गोरिदम में नहीं, बल्कि हज़ारों साल पुराने एक शाश्वत दर्शन में छिपा है। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं कोई रूढ़िवादी या पुरानी पड़ चुकी बातें नहीं हैं। वे मानसिक सुदृढ़ता, रणनीतिक नेतृत्व और एक प्रामाणिक जीवन जीने का एक व्यावहारिक और जीवंत मार्गदर्शक हैं। उद्देश्य और शांति की तलाश में भटके युवाओं के लिए, कृष्ण का जीवन विपरीत परिस्थितियों में भी निखरने का सबसे बेहतरीन सबक है।

सेवक नेतृत्व- अधिकार नहीं, सशक्तिकरण से जीत- आज के दौर में नेतृत्व (लीडरशिप) का मतलब अक्सर सत्ता हासिल करने, सोशल मीडिया पर बड़ी फॉलोइंग बनाने या अपने अहंकार को दिखाने से जोड़ दिया जाता है। कृष्ण का नेतृत्व इसके विपरीत एक क्रांतिकारी और ताज़ा विकल्प पेश करता है गहरी सहानुभूति पर आधारित सेवक नेतृत्व। एक महान रणनीतिकार और राजाओं के भाग्य विधाता होने के बावजूद, कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में सेनाओं की कमान संभालने वाले योद्धा के रूप में नहीं, बल्कि अर्जुन के एक विनम्र सारथी के रूप में प्रवेश करना चुना। आज के युवाओं के लिए इसका संदेश बिल्कुल साफ है- सच्चा नेतृत्व दूसरों पर हुक्म चलाने में नहीं, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने में है। इसका अर्थ है अपनों के साथ जमीन पर उतरना, उनकी चिंताओं को ध्यान से सुनना और उनके आत्म-संदेह के क्षणों में उनका मार्गदर्शन करना। कृष्ण साबित करते हैं कि असली आकर्षण किसी ऊंचे सिंहासन से नहीं, बल्कि दूसरों को सहारा देने और उनकी सेवा करने की निस्वार्थ भावना से आता है। कुशल राजनयिक- शोर-शराबे पर शांत संवाद की जीत

आज की इस बंटी हुई दुनिया में जहाँ ज़रा सा मतभेद होते ही लोग एक-दूसरे को बहिष्कृत करने लगते हैं, कृष्ण की कूटनीति और समझदारी बहुत बड़ी सीख देती है। वे शांति के सबसे बड़े दूत थे, जिन्होंने युद्ध को टालने के लिए संवाद, समझौते और आपसी सम्मान के हर संभव रास्ते का उपयोग किया। कृष्ण की कूटनीति हमेशा एक शांत दिमाग और बड़े उद्देश्य पर केंद्रित होती थी। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत भावनाओं को जन-कल्याण के रास्ते में आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने बेहद शालीनता और गरिमा के साथ सत्ता के सामने सच रखा, जिससे यह सिद्ध होता है कि असली ताकत चिल्लाने में नहीं, बल्कि संयम में होती है। जटिल सामाजिक और वैश्विक संकटों से जूझ रहे आज के समाज को विवाद बढ़ाने वालों की नहीं, बल्कि दूरदर्शी राजनयिकों की जरूरत है। कृष्ण युवाओं को बातचीत की कला सिखाते हैं। वे सिखाते हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में भी साझा रास्ता खोजा जाता है और असली बुद्धिमानी आक्रामक होने में नहीं, बल्कि रणनीतिक संवाद और सूझबूझ से विवादों को सुलझाने में है।

निष्काम कर्म मानसिक तनाव और बर्नआउट से सुरक्षा कवच आज का युवा एक कभी न खत्म होने वाले प्रदर्शन के दबाव में जी रहा है, जहाँ उसकी योग्यता को केवल अंकों, नौकरी के पदों या सोशल मीडिया लाइक्स से मापा जाता है। कृष्ण का निष्काम कर्म (परिणाम की चिंता किए बिना कर्म करना) का मूल दर्शन इस आधुनिक मानसिक तनाव (बर्नआउट) के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। कृष्ण का प्रसिद्ध उपदेश है- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन अर्थात, तुम्हें केवल अपना कर्तव्य करने का अधिकार है, उसके फल पर तुम्हारा नियंत्रण नहीं है।

यह जीवन के इस अंतहीन मुक़ाबले से खुद को थोड़ा अलग करने का आह्वान है। इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आप प्रयास करना छोड़ दें; बल्कि इसका मतलब यह है कि आप अपनी शत-प्रतिशत ऊर्जा प्रक्रिया (प्रोसेस) में लगाएं और परिणाम की सनक से मुक्त हो जाएं। जब आप अपनी मानसिक शांति को बाहरी नतीजों और तारीफों से आज़ाद कर लेते हैं, तो चिंता अपने आप खत्म हो जाती है और आपकी रचनात्मकता खुलकर बाहर आती है।

स्वधर्म: सोशल मीडिया की तुलना के जाल से मुक्ति- दूसरों की सजी-धजी जिंदगियों को स्क्रीन पर लगातार देखने से खुद की तुलना करना स्वाभाविक हो जाता है। कृष्ण यहाँ स्वधर्म का विचार देते हैं-यानी अपने वास्तविक स्वभाव और आंतरिक क्षमता के अनुरूप जीना। वे कहते हैं कि किसी और के जीवन की नकल करके पूरी तरह सफल होने से कहीं बेहतर है कि आप अपने खुद के जीवन के उद्देश्य को अधूरा ही सही, पर ईमानदारी से जिएं। युवा मन के लिए यह सीख है कि वे समाज द्वारा बनाए गए दूसरों के बने-बनाए ढर्रों के पीछे भागना बंद करें। स्वधर्म युवाओं को अपने भीतर झांकने, अपनी अनूठी शक्तियों को पहचानने और अपना प्रामाणिक रास्ता खुद बनाने के लिए प्रेरित करता है। मौलिकता और असलियत सिर्फ फैशन के शब्द नहीं हैं; यह आपका सबसे बड़ा नैतिक कर्तव्य है।

मन पर नियंत्रण- डिजिटल दुनिया के शोर को थामना- जब कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को घबराहट का दौरा (पैनिक अटैक) पड़ा-उनके हाथ कांपने लगे और विचार सुन्न हो गए-तब कृष्ण ने उनकी इस कमजोरी का मज़ाक नहीं उड़ाया। इसके बजाय, उन्होंने इस मानसिक स्थिति को गहरे मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से संभाला। उन्होंने समझाया कि यह मन ही है जो व्यक्ति का सबसे अच्छा मित्र बन सकता है और यही मन सबसे बड़ा शत्रु भी हो सकता है।

आज के इस डिजिटल युग में, जहाँ हर तरफ सूचनाओं की भरमार है और लोग लगातार नकारात्मक ख़बरें देख रहे हैं, अपने मन को नियंत्रित करना सबसे बड़ी शक्ति है। कृष्ण का स्थितप्रज्ञ का सिद्धांत युवाओं को सिखाता है कि वे अपने भीतर उठने वाले विचारों को स्क्रीन पर आने वाले नोटिफिकेशन की तरह देखें-उन्हें जानें, समझें, लेकिन अपनी मानसिक शांति को उन पर हावी न होने दें।

एक प्रामाणिक भविष्य का खाका- भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन हमें दिखाता है कि अध्यात्म और आधुनिक दुनिया में सक्रिय रहना दो अलग बातें नहीं हैं। वे एक मार्गदर्शक थे, एक कुशल राजनयिक थे, एक सच्चे मित्र थे और एक ऐसे कलाकार भी थे जिन्होंने संगीत और नृत्य के माध्यम से जीवन के हर रंग का उत्सव मनाया। वे युवा पीढ़ी को आधुनिक दुनिया की जटिलताओं से भागने के लिए नहीं कहते। इसके बजाय, वे उन्हें इस उथल-पुथल के बीच मजबूती से खड़े होने, एक शांत और रणनीतिक दिमाग विकसित करने, सामूहिक कल्याण को प्राथमिकता देने और अपने दैनिक जीवन की लड़ाइयों को पूरी स्पष्टता, सहानुभूति और साहस के साथ जीतने का आह्वान करते हैं।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शुक्रवार 04 सितंबर 2026

तिब्बत में विनाशकारी बाढ़ के बाद फिर लगे भूकंप के झटके, जमीन से 10 किमी नीचे था केंद्र

ल्हासा

तिब्बत में एक बार फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के यह झटके नेपाल में आई त्रासदी के ठीक एक हफ्ते बाद लगे हैं। भूकंप के कारण लोगों में दहशत है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेस (त्नर्स्न्) के अनुसार, गुरुवार को तिब्बत में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। त्नर्स्न् ने बताया कि इस भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई में दर्ज किया गया है। गुरुवार, 3 सितंबर को तिब्बत में रिक्टर स्केल पर 5 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप नेपाल में हुई तबाही के एक हफ्ते बाद आया है।

बताते चलें कि पिछले महीने 26 अगस्त को नेपाल बॉर्डर के पास तिब्बत में ग्लेशियर टूटने से आई जबरदस्त बाढ़ से पहाड़ी इलाके के कई कस्बों और घाटियों में भारी तबाही मच गई। नेपाल में इस त्रासदी के बाद अब तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 4 हजार लोग लापता बताए जा रहे हैं।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने कहा है कि नेपाल-तिब्बत सीमा पर शुरू हुई विनाशकारी अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) के बाद लगभग 100 नेपाली नागरिक लापता हो गए हैं।

देश के कई कस्बों और गांवों में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही के एक हफ्ते बाद भी 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 4,875 से ज्यादा लोग लापता हैं।

छेत्री ने बुधवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि रसुवा जिले की भोटेकोशी नदी में बह गए कम से कम 19 शव भारत में बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि ये शव भोटेकोशी नदी से बहते हुए त्रिशूली और नारायणी नदियों के रास्ते भारत तक पहुंच गए। ये शव नेपाल के रूपंदेही और नवलपरासी पश्चिम जिलों से सटी भारतीय सीमा के पास मिले।

जम्मू-कश्मीरः सोपोर में पुलिस ने जमात-ए-इस्लामी से जुड़ी संपत्तियों को किया कुर्क

श्रीनगर, (वार्ता)। जम्मूकश्मीर के सोपोर जिले की पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी जम्मू और कश्मीर, के खिलाफ गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत उसकी दो इमारतों, छह दुकानों और दो कनाल भूमि को कुर्क कर दिया है।

पुलिस ने बताया कि सोपोर थाने में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान जिले के डोरू गांव में इन संपत्तियों का खुलासा हुआ था। आधिकारिक और राजस्व रिकॉर्ड की गहन जांच और संबंधित अधिकारियों के सत्यापन से पता चला कि इन संपत्तियों का संबंध प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी जेएडंके करता है।

सोपोर पुलिस की जांच के आधार पर मंडल आयुक्त, कश्मीर ने 12 अगस्त को जारी अपने आदेश में डोरू स्थित इस्लामिया मॉडल स्कूल के परिसर को यूएपीए अधिनियम, 1967 की धारा 8(1) के तहत अधिसूचित किया था। यह स्कूल वर्ष 2022 से बंद पड़ा है, जिसके दायरे में दो दो-मंजिला इमारतें, छह दुकानें और दो कनाल जमीन शामिल है।

मायावती का बड़ा फैसला

2027 यूपी चुनाव अकेले लड़ेगी बसपा, आकाश आनंद को बड़ी जिम्मेदारी नहीं

लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को घोषणा की कि पार्टी पूरे भारत में आने वाले सभी चुनाव अकेले लड़ेगी, जिसमें 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भी शामिल हैं। बीएसपी की अखिल भारतीय बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी किसी भी चुनाव के लिए गठबंधन पर निर्भर नहीं रहेगी, चाहे चुनाव बड़ा हो या छोटा। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद की भूमिका पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्हें पार्टी में सक्रिय रहने की इजाज़त है, लेकिन उन्हें और अधिक परिपक्वता लाने की ज़रूरत है और फिलहाल उन्हें कोई बड़ी ज़िम्मेदारी नहीं सौंपी जाएगी। भौगोलिकसंदर्भ

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पार्टी का मुख्य ध्यान बहुजन समाज के हितों और शोषित समुदायों को शासक वर्ग बनाने के मिशन पर है, और इस लक्ष्य को पाने के लिए राजनीतिक सत्ता हासिल करना जरूरी है। यह घोषणा बसपा के 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ने के बाद आई है, जिसमें उसने सभी 403 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे 12.88 प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ़ एक सीट मिली थी।

इसके अलावा, 2027 के चुनावों से पहले बुधवार को लखनऊ में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के पूर्व नेता आसिम वक़ार इंडियन नेशनल कांग्रेस में शामिल हो गए। वक़ार ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के ख़िलाफ़ AIMIM के पिछले चुनावी मुक़ाबलों की आलोचना करते हुए कहा कि मुख्य चुनौती भारतीय जनता पार्टी का विरोध करना होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश विधानसभा में अभी 403 सदस्य हैं, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के 258, समाजवादी पार्टी के 107 और अपना दल के 13 सदस्य शामिल हैं। समाजवादी पार्टी की सहयोगी कांग्रेस 2027 के चुनावों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना चाहती है। 2022 में, कांग्रेस ने 399 सीटों पर चुनाव लड़ा और दो सीटें जीतीं, जबकि AIMIM कोई भी सीट नहीं जीत पाई; हालांकि, 2025 के बिहार चुनाव नतीजों के बाद वह मुस्लिम वोटों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है।

पंजाब में लुटेरों का गिरोह चला रहे हैं भगवंत मान: भाजपा

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लुटेरों का रैकेट (गिरोह) चलाने का आरोप लगाते हुए आरोपों की पुष्टि के लिए एक ऑडियो क्लिप जारी किया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मान एक गिरोह चला रहे हैं, और उनकी पत्नी पर बिचौलियों के ज़रिये पांच करोड़ लेकर दुष्कर्म के मामलों को खत्म करने का आरोप है। इस दौरान उन्होंने एक ऑडियो क्लिप दिखाया और कहा कि यह पहली नज़र में दिखाता है कि श्री मान दुष्कर्म के एक मामले को खत्म कराने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री भंडारी ने मुख्यमंत्री से उनकी पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर से संबंधित रिश्वत के मामले में स्पष्टीकरण देने की मांग की है। उन्होंने कहा, क्या मुख्यमंत्री का घर ऐसी जगह बन गया है जहाँ सौदे होते हैं और कट मनी (रिश्वत का हिस्सा) श्री और पंजाब के %सुपर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास जाती है?

इस दौरान उन्होंने कहा कि श्री मान और श्री केजरीवाल को बताना चाहिए कि क्या मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी दुष्कर्म के मामलों को खत्म करने के लिए पैसे लेने का कोई गिरोह चला रहे हैं? क्या मुख्यमंत्री कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है? आज केजरीवाल को जवाब देना होगा कि भ्रष्टाचार की हद इतनी बढ़ गई है कि अब केजरीवाल और मान सरकार रेप पीड़ितों को भी नहीं बख्श रही है।

भाजपा प्रवक्ता कहा कि पंजाब में भ्रष्टाचार इस हद तक पहुँच गया है कि मान सरकार दुष्कर्म पीड़ितों को भी नहीं बख्श रही है? उन्होंने सवाल किया कि क्या श्री मान पंजाब में भी वैसा ही गिरोह चला रहे हैं जैसा श्री केजरीवाल ने दिल्ली में चलाया था? इस दौरान उन्होंने झारखंड में विद्यार्थियों के विरोध-प्रदर्शन के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को घेरा और कहा कि झारखंड में विद्यार्थियों ने विरोध प्रदर्शन किया और पूरा देश उनके समर्थन में खड़ा हुआ, लेकिन अब, जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, यह बात सामने आ रही है कि टीडीपीएल नामक एक ब्लैकलिस्टेड कंपनी को झारखंड सरकार ने परीक्षा कराने की ज़िम्मेदारी सौंपी थी। झारखंड सरकार ने इस संबंध में निविदा भी जारी नहीं किया था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान सीमा के पास घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम की है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने बताया कि अफगानिस्तान सीमा के पास चलाए गए ऑपरेशन में फितना अल-खवारिज के 15 आतंकवादियों को मार गिराया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, फितना अल-खवारिज से जुड़े आतंकवादियों ने 31 अगस्त और 1 सितंबर की मध्य रात्रि उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र के विपरीत सीमा से घुसपैठ का प्रयास किया था। 36 घंटे तक चे ऑपरेशन के दौरान 15 आतंकियों को मार गिराया। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हुई यह घटना एक बार फिर पाकिस्तान के उस रुख को सही साबित करती है कि अफगान तालिबान सरकार आतंकवादी संगठनों को अफगान जमीन का इस्तेमाल करने से रोकने में बुरी तरह नाकाम रही है।

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा संबंध और मजबूत करने का लिया संकल्प

वॉशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा है कि कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक रणनीतिक माहौल के मद्देनजर दोनों देश परस्पर रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धत हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात पेंटागन में हुई, जहां अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने अपने औपचारिक गठबंधन की 75वीं वर्षगांठ मनायी। श्री हेगसेथ और और श्री मार्ल्स ने रणनीतिक खतरों के लगातार बढ़ने के बीच बेहतर सैन्य तालमेल, संयुक्त योजना और रक्षा क्षमताओं में अधिक तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री हेगसेथ ने कहा कि दोनों देश दुनिया के सामने बढ़ते खतरों के बारे में एक जैसी समझ रखते हैं और उन्होंने अपनी सेनाओं और रक्षा उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज दुनिया में खतरों की जटिल स्थिति और सहयोगियों के बीच मिलकर योजना बनाने की आवश्यकता के बारे में हमारी समझ एक जैसी है। इसके साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अगर कभी कोई सैन्य संघर्ष पैदा होता है, तो हमारी क्षमताएं एक-दूसरे के अनुकूल और पूरक हों।

उन्होंने अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को दोनों सरकारों, सेनाओं और रक्षा औद्योगिक आधारों के बीच एक गहरी होती साझेदारी बताया। उन्होंने कहा, आपके नेतृत्व के लिए धन्यवाद। हमारी जारी सैन्य मित्रता के लिए यहां मौजूद रहने के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष आगामी टू-प्लस-टू बैठक से पहले बातचीत जारी रखेंगे। श्री मार्ल्स ने कहा कि यह गठबंधन 75 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया की विदेश और रणनीतिक नीति का आधार रहा है और इसकी जड़ें द्वितीय विश्व युद्ध में हैं। उन्होंने कहा , उन्हें लगता है कि हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जो लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है और जहां रणनीतिक खतरा कम होने की बजाय बढ़ रहा है।

श्री मार्ल्स ने सुरक्षा के चुनौतीपूर्ण माहौल की ओर इशारा करते हुए कहा, अतीत में अमेरिका द्वारा ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप के इस्तेमाल का उदाहरण आज भी बहुत प्रासंगिक लगता है। मुझे लगता है कि हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जो लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है, जहां रणनीतिक खतरा बढ़ रहा है, कम नहीं हो रहा है।

तमिलनाडुः सरकार ने 35 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज की बिक्री शुरू की

चेन्नई, (वार्ता)। तमिलनाडु सरकार ने खुले बाजार में प्याज की आसमान छूती कीमतों पर अंकुश लगाने और आम जनता को राहत देने के लिए राशन दुकानों पर 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज की बिक्री शुरू की है। राज्य विधानसभा में घोषणा करने के दो दिन बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति पी. वेंकटरमणन ने इस योजना का शुभारंभ किया। मंत्री ने माइलापुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अलवरपेट स्थित एक उचित दर दुकान से इस पहल की शुरुआत की। वर्तमान में खुले बाजार में प्याज 55 से 60 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रहा है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के बजट पर असर पड़ रहा है। मुख्यमंत्री विजय के निर्देशों पर शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य रसोई की इस अनिवार्य वस्तु की कीमतों पर नियंत्रण पाना है।

सरकारी धन के गबन के मामले में ढेंकनाल के पूर्व जिलाधिकारी को एक साल की जेल

भुवनेश्वर, (वार्ता)। ओडिशा के ढेंकनाल में करीब नौ लाख रुपये के सरकारी धन के गबन के मामले में पूर्व जिलाधिकारी और एक अन्य अधिकारी को विशेष सतर्कता न्यायाधीश ने गुरुवार को एक-एक साल के कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने तीनों दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है। ओडिशा विजिलेंस ने पूर्व जिलाधिकारी नित्यानंद मोहंती, जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के पूर्व परियोजना निदेशक सूर्यनारायण दास और परिवहन ठेकेदार सत्यनंद बालसामंत के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। सतर्कता विभाग के सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2001-02 के दौरान तब ढेंकनाल के कलेक्टर के रूप में कार्यरत मोहंती ने दास और परिवहन ठेकेदार बालसामंत के साथ मिलकर खाद्यान्न परिवहन में तय मानकों का उल्लंघन किया, जिससे सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचा। जांच में सामने आया कि श्रम-गहन कार्य कार्यक्रम के तहत भारतीय खाद्य निगम के ढेंकनाल स्थित गोदाम से विभिन्न ब्लॉकों और ग्राम पंचायत मुख्यालयों तक चावल और गेहूं के परिवहन के लिए मोहंती ने दास की प्रस्तावित उच्च दरों को मंजूरी दी थी।

1,200 करोड़ की लागत से 20 लाख वर्ग फुट में नया सचिवालय कॉम्प्लेक्स बनेगा : विजय

चेन्नई, (वार्ता)

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने गुरुवार को विधानसभा में घोषणा की कि चेन्नई में 1,200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक नया एकीकृत कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा, जिसमें विधानसभा और सचिवालय दोनों होंगे।

यह दो दशकों में सत्ता के केंद्र को मौजूदा रक्षा मंत्रालय के मालिकाना हक वाले और भीड़-भाड़ वाले फोर्ट सेंट जॉर्ज परिसर से दूसरी जगह ले जाने का तीसरा बड़ा प्रयास है।

श्री विजय ने राज्य विधानसभा में नियम 110 के तहत बयान देते हुए कहा कि प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स (जिसकी जगह अभी तय नहीं हुई है) का मकसद सभी विभागों को एक एकीकृत प्रशासनिक कैंपस के तहत लाना है ताकि तालमेल और प्रशासनिक दक्षता बेहतर हो सके। यह 20 लाख वर्ग फुट में फैला होगा और इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी। नये कैंपस में आग से सुरक्षा के सिस्टम, दिव्यांगों के लिए सुविधाएं और ग्रीन-बिल्डिंग स्टैंडर्ड्स शामिल होंगे। कॉम्प्लेक्स में पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं, कॉन्फ्रेंस हॉल, पब्लिक सर्विस सेंटर और सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक सुविधाएं भी होंगी।

इस प्रस्तावित बदलाव का इतिहास लंबा और पेचीदा रहा है। पहली बड़ी कोशिश 2003 में हुई थी जब तत्कालीन मुख्यमंत्री जे. जयललिता ने 31 जनवरी को विधानसभा में घोषणा की थी कि चेन्नई के क्वीन मैरी कॉलेज को गिराकर वहां नया सचिवालय परिसर बनाया जायेगा। इस प्रस्ताव का हालांकि छात्रों ने कड़ा विरोध किया और आखिरकार इसे रद्द कर दिया गया।

श्री एम. करुणानिधि ने इस प्रस्ताव को फिर से आगे बढ़ाया। उन्होंने अपने 2006-2010 के कार्यकाल के आखिर में ओमंदुरार सरकारी एस्टेट में नयी विधानसभा और सचिवालय परिसर के निर्माण का काम शुरू किया। यह प्रोजेक्ट 1,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से पूरा हुआ , हालांकि यह व्यवस्था ज़्यादा दिन नहीं चली। वर्ष 2011 में जब जयललिता सत्ता में लौटीं, तो उन्होंने विधानसभा और सचिवालय को वापस फोर्ट सेंट जॉर्ज में स्थानांतरित कर दिया और ओमंदुरार परिसर को मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बदल दिया।

विजय सरकार की घोषणा राज्य विधानसभा और सचिवालय के लिए एक नया स्थायी ठिकाना बनाने की तीसरी कोशिश है। नये सचिवालय की मांग मुख्य रूप से ऐतिहासिक फोर्ट सेंट जॉर्ज कैंपस में जगह की भारी कमी के कारण उठी है। यह कॉम्प्लेक्स दशकों से तमिलनाडु सरकार का केंद्र रहा है, लेकिन यहाँ ऑफिस, अधिकारियों, आने-जाने वालों, गाड़ियों और आधुनिक प्रशासनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जगह कम है।

सरकार आज की घोषणा से पहले ही चेन्नई में दूसरी जगहों पर विचार कर रही थी। पहले की रिपोर्टों में पट्टिनापक्कम, नंदांबक्कम और गिंडी में सरकारी ज़मीन जैसी जगहों की पहचान की गई थी। नए कॉम्प्लेक्स के लिए सही जगह अभी तय नहीं हुई है। इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट से न सिर्फ़ ऑफिस की जगह की कमी दूर होने की उम्मीद है, बल्कि एक ऐसा आधुनिक प्रशासनिक सिस्टम भी बनेगा जहाँ विभाग बेहतर तालमेल के साथ काम कर सकें।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

‘हस्तिनापुर के वीर’ में मगरमच्छ के हमले में फंसे गुरु द्रोणाचार्य

सोनी सब के धारावाहिक ‘हस्तिनापुर के वीर’ में युवा पांडवों और कौरवों की गुरुकुल यात्रा के बीच अब रोमांचक मोड़ आने वाला है। आने वाले एपिसोड में मगरमच्छ के हमले से गुरु द्रोणाचार्य (जितेन लालवानी) की जान खतरे में पड़ जाएगी।कहानी में गंगा नदी के किनारे मगरमच्छों के लगातार हमलों से परेशान ग्रामीण द्रोणाचार्य के पास पहुंचते हैं। द्रोणाचार्य युवा राजकुमारों को इलाके की जांच कर मगरमच्छों के हमलों को रोकने का उपाय तलाशने का निर्देश देते हैं। इसी दौरान वह नदी में गिर जाते हैं और मगरमच्छ उन पर हमला कर देता है।

गुरु को संकट में देखकर युधिष्ठिर (अथर खान) और अर्जुन (उर्वा सवालिया) उन्हें बचाने के लिए आगे आते हैं। इस दौरान दोनों के साहस, सूझबूझ और टीमवर्क की परीक्षा होगी। गुरु द्रोणाचार्य की भूमिका निभा रहे जितेन लालवानी ने कहा कि द्रोणाचार्य के लिए हर चुनौती अपने शिष्यों को महत्वपूर्ण सीख देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि साहस केवल लड़ाई करना नहीं, बल्कि कठिन परिस्थिति में शांत रहकर सही निर्णय लेना भी है। युधिष्ठिर और अर्जुन को एक साथ अपने गुरु को बचाने के लिए आगे आते देखना उनके लिए गर्व का क्षण है। युधिष्ठिर की भूमिका निभा रहे अथर खान ने कहा कि गुरु के संकट में होने पर पांडवों और कौरवों के मतभेद मायने नहीं रखते। ऐसे समय में सभी को एकजुट होकर मदद करनी चाहिए। ‘हस्तिनापुर के वीर’ का प्रसारण सोनी सब पर सोमवार से शनिवार रात नौ बजे किया जाता है।

‘यादें’ में डॉ. देव के सामने भावनाओं और वादे के बीच चुनाव की चुनौती

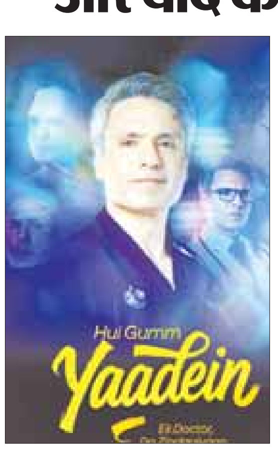

सोनी सब का लोकप्रिय शो ‘यादें’ रिश्तों, भावनाओं और हास्य से भरपूर कहानी के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। आगामी एपिसोड में डॉ. देव (इक़बाल खान) एक ऐसे भावनात्मक द्वंद्व में फंसते नजर आएंगे, जहां उन्हें अपने दिल और किए हुए वादे में से किसी एक को चुनना होगा। कहानी में बड़ा मोड़ तब आता है, जब डॉ. सृष्टि (गुलकी जोशी) को पता चलता है कि डिग्गी (अर्जुन पुंज) ने उनके हस्ताक्षर जाली बनाए हैं। इसके बाद वह अपनी शादी तोड़ने का फैसला करती हैं। दूसरी ओर, डॉ. देव एक बड़ा त्याग करने के लिए तैयार हो जाते हैं। वह डॉ. प्रीति से शादी करने का फैसला करते हैं, ताकि अपनी मां देवयानी से आर्थिक मदद लेकर डॉ. सृष्टि को मनी-लॉन्ड्रिंग मामले से बचाया जा सके। डॉ. प्रीति इस प्रस्ताव से बेहद खुश हैं और उन्हें इस फैसले के पीछे छिपी असली वजह की कोई जानकारी नहीं है। वहीं, डॉ. देव अपने दिल की भावनाओं को छिपाकर अपने वादे को निभाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच डॉ. उदितांशु, डॉ. अनन्या और घेना एक दुर्घटना में फंस जाते हैं, जिसके बाद उनके रिश्तों का एक और जटिल पहलू सामने आता है। डॉ. देव जब उनकी स्थिति संभालने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें अपनी निजी जिंदगी में चल रहे रिश्तों के उलझे समीकरण भी याद आते हैं। अब सवाल यह है कि क्या डॉ. देव अपने इस बड़े राज को सभी से छिपाकर रख पाएंगे? क्या वह डॉ. उदितांशु, डॉ. अनन्या और घेना के रिश्तों की गुत्थी सुलझा पाएंगे? और सबसे बड़ा सवाल-क्या डॉ. प्रीति के साथ उनकी शादी वास्तव में हो पाएगी? डॉ. देव की भूमिका निभा रहे इक़बाल खान कहते हैं, डॉ. देव एक बेहद जटिल स्थिति में हैं, क्योंकि उनका हर फैसला किसी न किसी परिणाम से जुड़ा है। वह जानते हैं कि उनके दिल में क्या है, लेकिन उन्होंने देवयानी से एक वादा भी किया है। डॉ. देव अपने वादों को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उनके लिए अपनी बात पर कायम रहना सिद्धांत का मामला है, भले ही इसके लिए उन्हें अपनी खुशी पीछे रखनी पड़े।

कुब्रा सैत ने किया था सुसाइड प्रिवेंशन कोर्स

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने आत्महत्या रोकथाम माह के अवसर पर बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने सुसाइड प्रिवेंशन का कोर्स किया था, जिससे जरूरत पड़ने पर किसी व्यक्ति की मदद करने में सक्षम हो सकें।कुब्रा ने कहा कि उन्होंने यह कोर्स इसलिए किया क्योंकि यदि कोई व्यक्ति उन्हें मदद के लिए फोन करे और उन्हें यह पता ही न हो कि उसकी सहायता कैसे करनी है, तो उन्हें अच्छा नहीं लगेगा। कुब्रा सैत ने लोगों से एक-दूसरे का हालचाल पूछने और जरूरत के समय साथ खड़े रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी के लिए मौजूद रहना और उसकी बात सुनना भी बड़ा फर्क ला सकता है। कुब्रा ने कहा कि खुद की देखभाल के लिए हमेशा बड़े कदम उठाने की जरूरत नहीं होती। टहलना, थोड़ा व्यायाम करना अथवा अपनी पसंद का काम करना भी व्यक्ति को बेहतर महसूस कराने में मदद कर सकता है। सितंबर को आत्महत्या रोकथाम माह के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर कुब्रा ने मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बातचीत करने तथा लोगों के प्रति संवेदनशील रहने का संदेश दिया।

‘ओम का हरि’ का ट्रेलर रिलीज, पिता-पुत्र की टकराहट बनी कहानी का केंद्र

हरीश व्यास के निर्देशन में बनी ड्रामा-कॉमेडी फिल्म ‘ओम का हरि’ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में अंशुमन झा और रघुबीर यादव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सोनी राज़दान और आयशा कपूर भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म की कहानी हरि प्रसाद (रघुबीर यादव) और उनके बेटे ओम (अंशुमन झा) के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। मेडिकल समस्या के बाद हरि प्रसाद को लगता है कि उनके पास जीने के लिए अब बहुत कम समय बचा है। वह अपनी जिंदगी के आखिरी दिन वाराणसी में बिताना चाहता है और इसी उद्देश्य से अपने बेटे ओम के साथ वाराणसी की यात्रा पर निकल पड़ता है। यात्रा के दौरान दोनों को लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ रहना पड़ता है। इस दौरान उनके बीच के मतभेद, नोकझोंक और पीढ़ियों के बीच सोच का अंतर सामने आता है। दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं, लेकिन जिंदगी को देखने का उनका नजरिया अलग है। यही अंतर फिल्म में हास्य और भावनात्मक परिस्थितियों को जन्म देता है। रघुबीर यादव ने हरि प्रसाद के किरदार के बारे में कहा कि पिता और बेटा कई बातों पर अलग राय रख सकते हैं, लेकिन उनके बीच गहरा जुड़ाव होता है। हरि प्रसाद को लगता है कि वह अपने परिवार के लिए सबसे बेहतर फैसला ले सकता है। हालांकि, जब उसे लगता है कि उसके पास ज्यादा समय नहीं बचा है तो उसकी प्राथमिकताएं बदलने लगती हैं, लेकिन उसका स्वभाव वैसा ही रहता है।

जनभागीदारी से गांवों के विकास को मिलेगी गति : सांसद

तेंदूखेड़ा विधानसभा की दूरस्थ ग्राम पंचायत मर्रावन में आयोजित हुआ पांचवां जनसंवाद शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सांसद श्री चौधरी दर्शन सिंह और विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल की विशेष मौजूदगी में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत चावरपाठा के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र ग्राम पंचायत मर्रावन में पांचवां शिविर गुरूवार को सम्पन्न हुआ। सांसद चौधरी दर्शन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और गांवों का निरंतर विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। मेहनत और लगन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए प्रोत्साहन राशि दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सांसद ने विशेष रूप से बेटियों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। सांसद श्री चौधरी ने भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती और टंट्या भील सहित देश के महान जनजातीय नायकों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार उनके गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव के विकास में सरकार और जनप्रतिनिधियों के साथ आमजन की सहभागिता भी आवश्यक है। ग्रामीणों को अपने गांव की सड़क, विद्यालय, स्वास्थ्य एवं अन्य व्यवस्थाओं के प्रति सजग रहते हुए विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने जनसंवाद शिविर के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाकर लोगों के जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का युग है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि ऐसे जनसंवाद शिविरों के माध्यम से शासन और प्रशासन सीधे जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करने तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों को शासन की विभिन्न

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्रतानुसार उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। वहीं विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं मिलने वाले लाभ के संबंध में ग्रामीणों को अवगत कराया तथा योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

नशे से दूर रहें और अपने जीवन को सुरक्षित एवं सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाए- पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने युवाओं एवं नागरिकों से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और अपने जीवन को सुरक्षित एवं सकारात्मक दिशा दें। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत, बैंक संबंधी अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी हमें बड़े नुकसान से बचा सकती है। सड़क सुरक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करें। हेलमेट सड़क दुर्घटना की स्थिति में सिर को गंभीर चोट से बचाने का एक प्रभावी सुरक्षा उपाय है और मृत्यु के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।

अतिथियों हितलाभ वितरित कर हितग्राहियों को किया लाभांवित–जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं से हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। उन्होंने पशु पालन विभाग के अंतर्गत श्रीमती उर्मिला ठाकुर को बकरी इकाई स्थापना के लिए 77 हजार रुपये, डेयरी के लिए भामा के श्री राघवेन्द्र ठाकुर को डेढ़ लाख रुपये, श्री उमाशंकर यादव को पशु केसीसी के लिए 66 हजार रुपये, विद्यासागर योजनांतर्गत श्री राजेश कुशवाहा को आठ लाख चालीस हजार रुपये, श्री सरदार सिंह घोसी को 8 लाख 40 हजार रुपये और चंद्रेश पटेल को 8 लाख 40 हजार रुपये की राशि के चैक वितरित किए। इसी प्रकार 7 स्वसहायता समूहों की महिलाओं को 13 लाख 82 हजार 584 रुपये की राशि के चैक वितरित किए। ग्राम भामा के भूमिका स्वसहायता समूह व कान्हा स्वसहायता समूह, ग्राम मनकापुर के देविका स्वसहायता समूह, ग्राम मर्रावन के एकता स्वसहायता समूह एवं ग्राम भामा के नायरा स्वसहायता समूह की महिलाओं को क्रमश- 1.50 लाख रुपये, ग्राम सुन्हेटी के शारदा स्वसहायता समूह की महिलाओं को 2.50 लाख रुपये और प्राजे उत्पादक समूह खैरूआ की महिलाओं को 3 लाख 82 हजार 854 रुपये के राशि के चैक वितरित किए। इसके अलावा अतिथियों ने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत श्री कैलाश विश्वकर्मा को एक लाख रुपए का स्वीकृति पत्र देकर लाभांवित किया। साथ ही जनसंवाद शिविर के दौरान टीबी मरीजों को पोषण आहार फूड बास्केट वितरित किए गए। इस अवसर पर 32 किसानों के मृदा नमूनों का परीक्षण किया गया। साथ ही 52 किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनाए गए और 34 किसानों को बीज वितरित किए गए। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 30 बच्चों की अपार आईडी के लिए रिक्वेस्ट की गई। यह एक या दो दिन में बन जाएगी।

स्वास्थ्य, आधार अपडेट और पशुओं का हुआ टीकाकरण– यहाँ लगाये गए स्वास्थ्य शिविर में टीबी जांच, 35 एक्स-रे, रक्त शर्करा (शुगर) जांच, रक्तचाप (बीपी) जांच एवं एनीमिया की जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। शिविर के दौरान नागरिकों के आधार कार्ड अपडेट के लिए आधार सेंटर स्थापित किया गया। इस आधार सेंटर के माध्यम से 11 नागरिकों के आधार कार्ड अपडेट किए गए।

सहकारी बैंक की शाखाओं में ऋण वितरण एवं वसूली की कलेक्टर ने की समीक्षा

लक्ष्य से कम ऋण वसूली पर जताई नाराजगी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर एवं सहकारी बैंक प्रशासक श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के शाखा प्रबंधकों की बैठक ली। उन्होंने ऋण वितरण, ऋण वसूली, अमानत संग्रहण सहित सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में गत रबी सीजन में ऋण वितरण एवं ऋण वसूली की शाखावार स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लक्ष्य के अनुरूप ऋण वसूली नहीं करने वाली शाखाओं के प्रबंधकों से वसूली कम रहने के कारणों की जानकारी ली। बैठक में संतोषजनक जानकारी प्राप्त नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने शाखा प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कालातीत कृषक ऋणों की वसूली के लिए प्रभावी एवं ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। शाखा प्रबंधक तेंदूखेड़ा को छोड़कर कालातीत ऋणों की वसूली के लिए अपेक्षित कार्यवाही नहीं करने वाले सभी शाखा प्रबंधकों का दो दिवस का वेतन काटने के निर्देश बैंक महाप्रबंधक को दिए।

बड़े बकायादारों की सूची सार्वजनिक करने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पुराने कालातीत ऋण प्रकरणों में बड़े बकायादारों की सूची सार्वजनिक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी सूची संबंधित समितियों एवं तहसील कार्यालय सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर चस्पा की जाए, ताकि ऋण वसूली की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने शेष ऋण वसूली लक्ष्य को पूरा करने के लिए डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाने तथा कालातीत ऋणी कृषकों से व्यक्तिगत संपर्क कर ऋण की वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऋण वसूली को केवल औपचारिकता न मानते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप परिणाम प्राप्त किए जाएं।

पंजीकृत कृषकों में कालातीत ऋणी किसानों को चिन्हित कर बनाएं कार्ययोजना

कलेक्टर ने जिले में होने वाली उपार्जन कार्यवाही के दौरान पंजीकृत कृषकों में से कालातीत ऋणी कृषकों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसे कृषकों की सूची तैयार कर ऋण वसूली के लिए शाखावार कार्ययोजना बनाने को कहा। उन्होंने पुराने कालातीत प्रकरणों में ऋण वसूली के लिए संबंधित योजनाओं के अंतर्गत प्रकरणों की संख्या बढ़ाने तथा नोटिस तामीली की कार्यवाही पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए।

शिक्षक विजय तिवारी को दी भावभीनी विदाई

शाल-श्रीफल व स्मृति चिन्ह से किया सम्मान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। शासकीय हाईस्कूल नयागांव में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षक विजय कुमार तिवारी की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय में विदाभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। 41 वर्षों के लंबे और निष्ठावान सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच प्रताप सिंह गुमास्ता ने की। समारोह में अतिथियों और विद्यालय स्टाफ द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षक तिवारी का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। अतिथियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने 41 वर्ष के शासकीय सेवाकाल में जिस निष्ठा और ईमानदारी से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया, वह प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त हुए विजय कुमार तिवारी ने भी अपने दीर्घकालिक शैक्षणिक अनुभवों को साझा किया और सभी शिक्षकों व ग्रामीणों द्वारा मिले सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीआरसी ओपी राय और नयागांव स्कूल की प्राचार्य प्रीति नेमा उपस्थित रहीं। इसके अलावा आसपास के विभिन्न गांवों से आए प्राचार्य, शिक्षक और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास समिति द्वारा किया गया आदिवासियों का सहयोग

सतना ब्यूरो। सतना जिले मे अतिवृष्टि के कारण मझगवां बिकास खंड के वनांचल क्षेत्रों मे निवासरत आदिवासियो के घरों पर पहाडों से पानी उतरकर अंदर प्रवेश कर गया था । जिसके कारण उनका जीवन अस्त व्यस्त हो गया था उन परिवारों की मदद के लिए जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध समिति बांका तहसील मझगवां के द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद संभांग रीवा के समनवयक प्रवीण पाठक के निर्देशन मे आशीष के मार्गदर्शन तथा अरुण सिंह के नेतृत्व में जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध समिति द्वारा आदिवासियो घरों से पानी निकालने मे सहयोग किया गया।

फलित सिंह के नेतृत्व में झामर से धमना तक निकली युवा जागरण पदयात्रा

100 दिवसीय जनजागरण संकल्प का चौथा सप्ताह पूर्ण, गांव-गांव पहुंचा 'नशामुक्त युवा : सशक्त समाज का संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। माई भारत' नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत सहयोग युवा समिति द्वारा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जनचेतना बढ़ाने के उद्देश्य से 'युवा जागरण पदयात्रा' का आयोजन किया गया। समाजसेवी फलित सिंह पटेल के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झामर से सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमना तक निकली इस पदयात्रा ने लगभग 11 किलोमीटर की दूरी तय की उल्लेखनीय है कि फलित सिंह पटेल ने युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक करने और उन्हें इस सामाजिक अभियान से जोड़ने के लिए 100 दिवसीय जनजागरण का संकल्प लिया है। युवा जागरण पदयात्रा के आयोजन के साथ इस संकल्प का चौथा सप्ताह सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ अभियान के पिछले तीन सप्ताहों में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं युवाओं से लगातार संवाद किया गया।

उन्हें तंबाकू, शराब एवं अन्य नशों से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए स्वयं नशा न करने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई इसी जनजागरण को विद्यालयों से आगे गांव और आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से झामर से धमना तक युवा जागरण पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं,

विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों, स्थानीय नागरिकों एवं सहयोग युवा समिति के सदस्यों ने सहभागिता की। हाथों में नशामुक्ति एवं युवा जागरण के संदेश वाली तख्तियां लेकर प्रतिभागियों ने युवा जागेगाङ्कनशा भागेगा, नशे को नाङ्कजीवन को हां और नशामुक्त युवाङ्कसशक्त भारत जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया करीब 11 किलोमीटर के मार्ग में आने वाले गांवों, बस्तियों और शिक्षण संस्थानों में ग्रामीणों एवं युवाओं से सीधा संवाद किया गया। लोगों को नशे के कारण व्यक्ति के साथ परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। क्षेत्रवासियों ने भी पदयात्रा का स्वागत करते हुए अभियान में सहभागिता का आश्वासन दिया इस अवसर पर फलित सिंह पटेल ने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने मित्रों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि युवा स्वयं नशामुक्ति का संकल्प लेकर समाज को जागरूक करने की जिम्मेदारी संभालें, तभी नशामुक्त और सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा सहयोग युवा समिति ने बताया कि 100 दिवसीय संकल्प के आगामी सप्ताहों में भी विद्यालयों, गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर संवाद, युवा सहभागिता एवं विभिन्न जनजागरण गतिविधियां लगातार जारी रहेंगी अभियान का लक्ष्य युवाओं को नशामुक्ति का संदेशवाहक बनाकर 'नशामुक्त युवा से नशामुक्त समाज' की सोच को जनआंदोलन का स्वरूप देना है।

पीएम श्री हाईस्कूल भटेरा में लाखों के निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप

सरपंच ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत भटेरा के पीएम श्री हाईस्कूल में स्वीकृत निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार और शासकीय राशि के गबन का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्राम पंचायत भटेरा के सरपंच राजू लोधी ने स्थानीय प्रशासन से लेकर जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को लिखित आवेदन देकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। सरपंच द्वारा दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम भटेरा के पीएम श्री हाईस्कूल में शासन द्वारा तीन निर्माण कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की गई थी। जिसमें शौचालय निर्माण हेतु 14.60 लाख रुपये, अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 16.00 लाख रुपये और खेल मैदान निर्माण हेतु 5.00 लाख रुपये शामिल हैं। आरोप है कि ठेकेदार अतुल गुबरेले द्वारा इन निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता बरती गई है और शासन की राशि का गबन किया गया है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि ठेकेदार के पिता ही स्कूल के प्राचार्य हैं, जिसके चलते निर्माण कार्यों में मनमानी की जा रही है।

सरपंच ने बताया कि हाईस्कूल भटेरा में स्वीकृत तीनों में से एक भी कार्य पूर्ण नहीं हुआ है। शौचालय और खेल मैदान का कार्य तो शुरू ही नहीं किया गया है, जबकि अतिरिक्त कक्ष का कार्य भी अधूरा पड़ा है। इसके बावजूद लाखों रुपये की राशि आहरित कर ली गई है। इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत भटेरा में आयोजित ग्राम सभा की बैठक में भी ग्रामवासियों ने निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई है। सरपंच राजू लोधी ने मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री को भी आवेदन प्रेषित कर पीएम श्री हाईस्कूल भटेरा के निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

नरेंद्र रघुवंशी यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष बने

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव , कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्र तिवारी की अनुमति तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल , पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन.पी. प्रजापति , पूर्व विधायक संजय शर्मा , विधायक सुनील जायसवाल एवं संगठन मंत्री दीवान शैलेन्द्र सिंह की अनुशंसा से नरेंद्र रघुवंशी (नरेश) को जिला नरसिंहपुर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सेवा दल के जिला अध्यक्ष अतुल चौरसिया ने कहा है कि वे जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी

क्रमांक/1906/संपदा शाखा/2026 कटनी दिनांक 27/8/2026

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

नगरपालिक निगम, कटनी सीमांतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर पुरैनी के रिक्त भूखण्डों की नीलामी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http//mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेडर क्रमांक	भूखण्ड का क्रमांक	साईज (वर्ग मीटर में)	निर्धारित प्रीमियम	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	आरक्षण	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_532947_1	ढावा	1400.00	14953400.00	373835.00	1000.00	अनारक्षित	30/9/2026
2	2026_UAD_532947_2	धर्मकांटा	1000.00	10681000.00	267025.00	1000.00	अनारक्षित	30/9/2026
3	2026_UAD_532947_3	पेट्रोल पंप	1800.00	19225800.00	480645.00	1000.00	अनारक्षित	30/9/2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन की वेबसाइट https:/mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जायेगा।

राजस्व अधिकारी
वास्ते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, कटनी

सक्का में नलजल योजना, फिल्टर प्लांट का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

क्षतिग्रस्त पाइपलाइन दुरुस्त मिलने पर दिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के निर्देश

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। ग्राम सक्का में नलजल योजना की क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की शिकायत पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने गुरुवार को मौके पर पहुंचकर जलस्रोत, पाइपलाइन और फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के साथ पाइपलाइन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दरअसल, कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान विकासखंड अमरपुर के ग्राम सक्का

के ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि खरमेर नदी पर नेशनल हाईवे के पुल निर्माण के दौरान हिलवेस कंपनी द्वारा नलजल योजना की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित कंपनी को पाइपलाइन शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद नेशनल हाईवे द्वारा हिलवेस कंपनी को नोटिस भी जारी किया गया था। गुरुवार को निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाया कि कंपनी द्वारा क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को पुनः स्थापित कर दिया गया है। उन्होंने पाइपलाइन की स्थिति का जायजा लेते हुए निर्देश दिए कि पाइप को केवल सतह पर नहीं रखा जाए, बल्कि सीमेंट एवं गिट्टी से मजबूती से दबाकर सुरक्षित किया जाए, ताकि भविष्य में निर्माण कार्य या अन्य कारणों से पाइपलाइन दोबारा क्षतिग्रस्त न हो। कलेक्टर ने ग्राम सक्का में स्थापित फिल्टर प्लांट का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने जलस्रोत, मोटर तथा पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जलस्रोत और फिल्टर प्लांट की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। फिल्टर प्लांट परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

आम सूचना

मैं पूजा तिवारी पति कुलदीप तिवारी उम्र 44 साल निवासी मलावा सिवनी पोस्ट चतरखेडा तहसील सिवनी मालवा जिला होशंगाबाद/नर्मदापुरम् शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि दिनांक 15/04/2004 को मेरी पुत्री-प्रांजल तिवारी का जन्म जिला अस्पताल नरसिहपुर में हुआ है। प्रांजल तिवारी जन्म प्रमाण पत्र नगरपालिका परिषद् नरसिहपुर द्वारा प्रदान किया गया है जिसका पंजीकरण क्रमांक-866 दिनांक 26/04/2004 जारी क्रमांक 620 दिनांक 21/03/2007 है। जिसे आर्या तिवारी आत्मज कुलदीप तिवारी एवं माता का नाम पूजा तिवारी के नाम से जारी किया गया है जो कि गलत है। नाम दर्ज करवाते समय घर वालों ने मेरी पुत्री का नाम आर्या दर्ज करवा दिया था जबकि शपथकर्ता की पुत्री का सही नाम प्रांजल तिवारी आत्मजा कुलदीप तिवारी एवं माता का नाम पूजा तिवारी है। जिसे मेरे पुत्री प्रांजल की कक्षा 10वीं की अंक सूची व मेरे आधार कार्ड मेरे आधार कार्ड अनुसार नाम व पता दर्ज किया जाकर नया डिजीटल जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावें। प्रांजल तिवारी (Pranjal Tiwari) आत्मजा कुलदीप तिवारी (Kuleep Tiwari) एवं माता का नाम पूजा तिवारी (Pooja Tiwari) जन्म दिनांक 15/04/2004 है जिसे मेरी पुत्री प्रांजल तिवारी की कक्षा 10 वीं की अंक सूची व मेरे आधार कार्ड मेरे आधार कार्ड अनुसार नाम व पता दर्ज किया जाकर नया डिजीटल जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावें।

पूजा तिवारी, शपथकर्ता

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति कटनी जिला कटनी म.प्र.

ई-मेल - apmckatni@gmail.com दूरभाष नं0 - 07622240063

क्रमांक/मंडी/निर्माण/2026-27/1041, कटनी दिनांक 03/09/26

निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि अग्रलिखित विवरण अनुसार मंडी प्रांगण कटनी मे पूर्व से निर्मित केन्टीन भवन का तीन वर्ष हेतु निर्धारित शर्तों के अधीन मासिक किराये पर निर्धारित प्रीमीयम जमा हेतु केन्टीन संचालन के इच्छुक व्यक्तियो / व्यवसायियो से दिनांक 23.09.2026 सायं 5.00 बजे तक धरोहर राशि रूपये 32,000 (बत्तीस हजार रू.) की एफ.डी.आर. जो कि सचिव कृषि उपज मंडी समिति कटनी के नाम से देय हो सहित सीलबंद प्रस्ताव / निविदाये, तीन लिफाफा पद्धति में जिसमे प्रथम लिफाफे मे निर्धारित एफ.डी.आर., द्वितीय लिफाफे मे निविदा प्रपत्र एवं तृतीय लिफाफे मे प्रथम तथा द्वितीय लिफाफा रखकर तृतीय लिफाफे के उपर केन्टीन आबंटन हेतु निविदा लिखकर केवल पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा प्रपत्र (आवेदन) व शर्ते दिनांक 18.09.2026 तक अवकाश दिवस को छोडकर कृषि उपज मंडी समिति कटनी से राशि रूपये 2000.00 (दो हजार रुपये) नगद जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। निर्धारित दिनांक 23.09.2026 तक प्राप्त निविदाये दिनांक 24.09.2026 को समय दोपहर 12.00 बजे मंडी कार्यालय कटनी मे उपस्थित निविदाकारो के समक्ष खोली जावेगी। विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र	भवन/संरचना का नाम जिसका आबंटन किया जाना है, एवं निर्मित स्थल	संख्या	धरोहर राशि	न्यूनतम निर्धारित प्रीमीयम राशि	निर्धारित न्यूनतम वार्षिक किराया राशि
1	2	3	4	5	6
1	केन्टीन भवन गल्ला मंडी प्रांगण कटनी	01	32,000 (बत्तीस हजार रु.)	64000/- रुपये	अधिकतम बोली (निविदा की राशि) वार्षिक किराया होगी जो मासिक किश्तों में देय होगी।

प्रमुख शर्तेः- 1. उच्चतम प्रस्ताव/निविदा बोली देने वाले व्यक्ति को मंडी समिति से लिखित सूचना प्राप्त होने के 07 दिवस के अंदर केन्टीन की शेष प्रीमीयम राशि 32,000 (बत्तीस हजार रू.) जमा करनी होगी, एवं शासन द्वारा निर्धारित नियमो के अनुसार इसी समयावधि के अंदर किरायेदारी का अनुबंध निष्पादित कर केन्टीन का आधिपत्य प्राप्त करना होगा अन्यथा जमा की गयी धरोहर राशि राजसात कर ली जावेगी। 2. शेष अन्य नियम व शर्ते अवकाश दिवस को छोडकर दिनांक 18.09.2026 तक कार्यालय में देखी जा सकती है। 3. मंडी समिति द्वारा निर्धारित शर्तानुसार केन्टीन भवन मे कृषको/हम्मालो / तुलावटियो हेतु संचालित 5/- रुपये थाली भोजन योजना का संचालन केन्टीन संचालन के साथ किया जाना अनिवार्य होगा। 4. केन्टीन के मासिक किराये राशि के साथ शासन द्वारा अधिरोपित जी.एस.टी. की राशि पृथक से देय होगी।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति कटनी, जिला कटनी

हनुमान मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश

चोरी गया चांदी का मुकुट बरामद, चोरी एवं चोरी का माल खरीदने वाले 02 आरोपी गिरफ्तार, 01 आरोपी फरार

कटनी, स्वतंत्र मत

पुरानी कचहरी स्थित हनुमान जी के मंदिर में दिनांक 28.08.2026 को हुई चोरी की घटना का पर्दाफाश करने में थाना कोतवाली पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने चोरी गए चांदी के मुकुट को बरामद करते हुए चोरी करने वाले आरोपी एवं चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि घटना में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

मंदिर की खिड़की की जाली तोड़कर चांदी का मुकुट किया था चोरी– दिनांक 28.08.2026 को संस्कार मिश्रा पिता अनंत राम मिश्रा, निवासी राजीव गांधी वार्ड, कटनी द्वारा थाना कोतवाली में सूचना दी गई कि उनके पिता श्री अनंत राम मिश्रा पुरानी कचहरी स्थित हनुमान जी के मंदिर में पुजारी हैं। दोपहर करीब 02:00 बजे मंदिर पहुंचने पर मंदिर के अंदर का सामान अस्त-व्यस्त मिला तथा हनुमान जी का चांदी का मुकुट गायब था। मंदिर के बगल वाली खिड़की की जाली भी टूटी हुई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में *अपराध क्रमांक 950/26, धारा 305(ए) बीएनएस* के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र से आरोपियों तक पहुंची पुलिस– पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक सुश्री शिवा पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय द्वारा घटना के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई। टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण प्रारंभिक रूप से आरोपियों की पहचान चुनौतीपूर्ण थी। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ तकनीकी साक्ष्यों का संकलन किया तथा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध युवक मंदिर के आसपास लगातार रैकी करते हुए दिखाई दिए। फुटेज से प्राप्त हुलिए के आधार पर पुलिस द्वारा उनकी तलाश की जा रही थी। इसी दौरान सराफा बाजार में उक्त हुलिए से मिलता-जुलता एक संदिग्ध युवक पुलिस टीम के हाथ लगा।

पूछताछ में खुला चोरी का राज– संदिग्ध से नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम पवन नामदेव पिता रमेश नामदेव, उम्र 19 वर्ष, निवासी इंद्रजीत की दफाई, खलवारा बाजार, कैमोर, जिला कटनी बताया। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज से प्राप्त फोटो दिखाने पर उसने दूसरे आरोपी की पहचान लेखराज उर्फ मयूर उर्फ भूरा बेन, निवासी बरही, जिला कटनी के रूप में की। पुलिस द्वारा मंदिर में हुई चोरी के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने प्रारंभ में पुलिस को गुमराह किया, किंतु सघन पूछताछ में उसने अपने साथी लेखराज उर्फ मयूर उर्फ भूरा बेन के साथ मिलकर दिनांक 28.08.2026 को दोपहर के समय मंदिर के आसपास सुनसान होने का फायदा उठाकर खिड़की की जाली तोड़कर हनुमान जी का चांदी का मुकुट चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी पवन ने बताया कि चोरी किया गया चांदी का मुकुट उसके साथी मयूर उर्फ भूरा बेन द्वारा सराफा बाजार कटनी के धर्मेन्द्र सोनी को 15,000 रुपये में बेचा गया था, जिसमें से उसे 5,000 रुपये मिले थे।

चोरी का मुकुट खरीदने वाले आरोपी से बरामद– आरोपी पवन से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल सराफा बाजार पहुंचकर धर्मेन्द्र सोनी पिता किशनलाल सोनी, उम्र 29 वर्ष, निवासी शिवनगर, कटनी को अभिरक्षा में लिया गया। उसके कब्जे से चोरी गया चांदी का मुकुट बरामद कर लिया गया।

प्रकरण में शामिल एक अन्य आरोपी लेखराज उर्फ मयूर उर्फ भूरा बेन निवासी बरही, जो थाना बरही का निगरानी बदमाश बताया गया है, घटना के बाद से फरार है। पुलिस द्वारा उसकी गिरफ्तारी एवं पतासाजी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

गिरफ्तार व फरार आरोपियों में पवन नामदेव पिता रमेश नामदेव, उम्र 19 वर्ष, निवासी इंद्रजीत की दफाई, खलवारा बाजार, थाना कैमोर, जिला कटनी, धर्मेन्द्र सोनी पिता किशनलाल सोनी, उम्र 29 वर्ष, निवासी शिवनगर, कटनी

3- लेखराज उर्फ मयूर उर्फ भूरा बेन, निवासी बरही, जिला कटनी - फरार। बरामद मशरूका में 01 चांदी का मुकुट, अनुमानित कीमत 25,000 रुपये मुकुट बिक्री से आरोपी के हिस्से में आए 5,000 रुपये में से शेष 1,500 रुपये नगद। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि मंदिर में हुई चोरी की घटना से आमजन की धार्मिक भावनाएं जुड़ी होने के कारण पुलिस द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की गई। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर तंत्र की मदद से घटना का खुलासा कर चोरी गया माल बरामद किया गया तथा चोरी करने वाले एवं चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

राधा-कृष्ण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

कटनी। सनशाइन अकादमी राहुलबाग में नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए राधा-कृष्ण प्रतियोगिता का सुंदर एवं मनमोहक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के विभिन्न मनमोहक स्वरूपों में सजकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नन्हे प्रतिभागी यशोदा के प्यारे नंदलाला, प्यारे घनश्याम जी, प्यारे श्याम सुंदर, राधा रानी, नटखट नंदलाला और प्यारे बांके बिहारी जी जैसे अलग-अलग रूपों में बेहद सुंदर नजर आए। बच्चों की मनमोहक वेशभूषा, आत्मविश्वास और आकर्षक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण भक्ति, उत्साह और आनंद से भर गया। बच्चों ने अपनी मासूमियत और शानदार प्रस्तुति से प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। शिक्षकों एवं अभिभावकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की। यह आयोजन बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों से परिचित कराने का एक सुंदर प्रयास रहा।

सनशाइन में आनंद भायो जय कन्हैया लाल की

कटनी। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में राधा-कृष्ण प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। सभी नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा और कृष्ण का सुंदर रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने सुंदर पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक आभूषण और मनमोहक मुस्कान के साथ श्लोक, भजन, मंत्र, गीत गाकर प्रस्तुति दी। विद्यालय का वातावरण राधा-कृष्ण की भक्ति और प्रेम से भर गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति रुचि विकसित करने का प्रयास किया गया। सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। स्कूल की इंचार्ज श्रीमती नाजनीन तौफ़ीक़ ने बच्चों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम एमएसएमई

जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के मुख्य आतिथ्य में दो दिवसीय वर्कशॉप का समापन

कटनी। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय एवं विश्व बैंक समर्थित आरएएमपी योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय वर्कशॉप का सफलतापूर्वक समापन जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के माध्यम से किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के युवाओं, विद्यार्थियों एवं उद्यमिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोगों को एमएसएमई से जुड़ी योजनाओं, वित्तीय सहायता एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने युवाओं एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में एमएसएमईएवं उद्यमिता युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा युवाओं एवं छोटे उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ लेकर युवा स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर सकते हैं और अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकते हैं। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को एमएसएमईएवं उद्यमिता विकास, वित्तीय सहायता, जेईडी, ईएसजी एवं आरईसीपी तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विशेषज्ञों द्वारा योजनाओं की प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाओं एवं उद्यम स्थापित करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। कार्यशाला में जिले के आईटीआई के सभी छात्र छात्राओं एवं विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की। विद्यार्थियों को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को कौशल विकास, व्यवसायिक अवसरों एवं सरकारी सहायता योजनाओं से जोडने् का प्रयास किया गया। इस अवसर पर अनामिका जैनए सह प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, लघु उद्योग भारती से अमित सिंघई, शहर मंडी इकाई अध्यक्ष राजकुमार आसरानी, बरगवां, अमकुही इकाई अध्यक्ष निलेश विश्वकर्मा, नगरीय इकाई सचिव रॉकी राजपलानी, माधवनगर इकाई सचिव किसान जैन, लमतरा इकाई उपाध्यक्ष आनंद पांडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, आईटीआई के छात्र छात्राएं एवं जिले के अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में हुआ।

सांप के काटने पर झाड़-फूंक नहीं तत्काल अस्पताल पहुंचाएं मरीज

एंटी स्नेक वेनम ही बचा सकता है मरीज की जान

कटनी, स्वतंत्र मत

वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही जिले में सांप निकलने और सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होने लगती है। खेतों, घरों के आसपास, लकड़ी एवं घास-फूस के ढेरों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।सांप के काटने की स्थिति में किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र, झाड़-फूंक या अंधविश्वास के चक्कर में न पड़ें, बल्कि मरीज को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। ढीमरखेड़ा के बीएमओ डॉ बीके प्रसाद ने बताया कि सर्पदंश के बाद समय पर उचित चिकित्सा उपचार मिलने से अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है। सांप के काटने के बाद कई लोग पंडा-पुजारी, ओझा-गुनिया अथवा झाड़-फूंक कराने में कीमती समय गंवा देते हैं, जिसके कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) ही सर्पदंश का प्रभावी और प्रमाणित उपचार है। कटनी जिले के जिला अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के कई अस्पतालों में भी एंटी स्नेक वेनम का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। इसलिए सर्पदंश की घटना होने पर मरीज को बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

सर्पदंश होने पर मरीज को शांत रखें और घबराने न दें। प्रभावित अंग को अधिक हिलाने-डुलाने से बचाएं। मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग या पहचान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखें, लेकिन सांप को पकड़ने या मारने का प्रयास न करें। एम्बुलेंस सेवा या चिकित्सा सहायता के लिए तुरंत संपर्क करें। सांप के काटने पर झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास का सहारा न लें। काटे गए स्थान पर चीरा न लगाएं। जहर चूसने का प्रयास न करें। प्रभावित अंग पर अत्यधिक कसकर रस्सी या कपड़ा न बांधें। घरेलू नुस्खों के भरोसे समय बर्बाद न करें। नागरिकों से आग्रह है कि वर्षा ऋतु में खेतों और घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, रात में टॉर्च का उपयोग करें तथा बच्चों को भी सर्पदंश से बचाव के प्रति जागरूक करें। सांप के काटने पर त्वरित चिकित्सा उपचार और एंटी स्नेक वेनम ही मरीज की जान बचा सकता है, इसलिए किसी भी प्रकार के अंधविश्वास के बजाय वैज्ञानिक उपचार को प्राथमिकता दें। इससे सर्पदंश से होने वाली मृत्यु की घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है।

महिलाओं ने मनाया हरछठ का पर्व

कटनी। आज सम्पूर्ण भारत वर्ष मे बड़े-बुजूर्ग और अपने बच्चो का जीवन मंगलमय और सुखमय जीवन व्यतीत हो ऐसी मंगलकामानाओं के साथ मिलकर हर षष्ठी व्रत का विशेष महत्व है इसी संदर्भ मे समाजसेवी क्षेत्र व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी के निजनिवास पर माता हलषष्ठी की और प्रभु श्रीकृष्ण के बड़े भैया बलदाऊ जी का जन्मोत्सव विधि विधान मंत्र उच्चारण के पूजा-पाठ कर हवन यज्ञ और हर्षोल्लास से मनाया गया समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी ने बताया कि यह हमारे हिन्दू सनातन भारतीय धार्मिक आस्था और परम्पराओं से जुड़ी आस्था का महापर्व है मातायें दिनभर व्रत रखने के बाद आज घर-परिवार में हरषष्ठी व्रत पालन का विधिवत पूजन अर्चना वंदन कर कथा का श्रवण किया और प्रभु विघ्नहर्ता श्रीगणेश . कार्तिकेय और प्रभु भोलेनाथ . माता पार्वती की कृपा बनी रहे और परिवार समाज मे सुख शांति तथा संतान के उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना की हरछठ व्रत भाद्रपद के कृष्ण पक्ष में शहरी और ग्रामीण महिलाओं मे विशेष उत्साह देखने को मिलता है समाजसेवी श्रीमति रेखा नामदेव,शिक्षिका श्रीमति मीना विश्वकर्मा सुश्री निधि नामदेव गोलू लड्डू विश्वकर्मा और अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी सहित अन्य मातृशक्तियों ने ढोलक झाझं मजीरा के साथ मिलकर भक्तिभाव से सुंदर भजन-कीर्तन कर हर षष्ठी माता से अपने बच्चो की लंबी उम्र की कामना की तत्पश्चात शाम को फलाहार मे बिना हल चलाये वस्तुओं का पसई के चावल .महुआ. दूध दही मठा और फल खाकर व्रत का पालन किया।

महापौर ने नगर के प्रमुख मंदिरों का किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता, प्रकाश एवं सुगम आवागमन व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

कटनी, स्वतंत्र मत

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। पर्व के दौरान मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए नगर निगम द्वारा स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल, आवागमन सहित आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार, 03 सितंबर को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने शहर के प्रमुख मंदिरों का निरीक्षण कर जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया।

महापौर श्रीमती सूरी ने सत्यनारायण मंदिर, श्री गोविंद देव मंदिर तथा श्री महालक्ष्मी मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पर्व को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली तथा मौके पर आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। मंदिर परिसरों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर नियमित सफाई कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी पर्व के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक रहती है। ऐसे में मंदिर परिसरों के साथ-साथ आने-जाने वाले मार्गों पर भी स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। महापौर श्रीमती सूरी ने मंदिरों तक पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्गों की स्थिति का जायजा लेते हुए सड़क पर मौजूद गड्ढों की आवश्यक मरम्मत समय रहते पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों तक पहुंचेंगे, ऐसे में आवागमन वाले मार्ग सुगम एवं सुरक्षित होना आवश्यक है। उन्होंने सभी चिन्हित गड्ढों की मरम्मत प्राथमिकता के साथ कराने तथा पर्व से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर ने मंदिरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि रात्रि के समय श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पर्व के दौरान व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे और जिन स्थानों पर अतिरिक्त व्यवस्था की आवश्यकता है, वहां समय रहते आवश्यक कार्रवाई पूर्ण कर ली जाए। जन्माष्टमी पर्व के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए महापौर श्रीमती सूरी ने अतिक्रमण दस्ते को विशेष रूप से सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिरों के आसपास एवं प्रमुख आवागमन मार्गों पर किए गए अस्थाई अतिक्रमणों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाने तथा मार्गों को आवागमन के लिए सुगम बनाए रखने के निर्देश दिए।साथ ही पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित अमले को निरंतर निगरानी रखने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि केवल निरीक्षण तक सीमित न रहते हुए मौके पर चिन्हित आवश्यकताओं का तत्काल निराकरण किया जाए तथा पर्व के दौरान व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। महापौर श्रीमती सूरी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शहरवासियों की आस्था और श्रद्धा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नगर निगम का दायित्व है कि पर्व के दौरान मंदिरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इसी उद्देश्य से निगम द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन का प्रयास रहेगा कि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के मंदिरों में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सकें तथा जन्माष्टमी पर्व शहर में उत्साह, श्रद्धा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो।

नीरज चोपड़ा की जगह लेंगे यशवीर

तेजस और अभिषेक को 77 खिलाड़ियों की टीम में नहीं मिली जगह

नई दिल्ली।

राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले यशवीर सिंह को एशियाई खेलों के लिए भारत की एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया है। वह चोटिल जैवलिन स्टार नीरज चोपड़ा की जगह लेंगे।वहीं, नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) से नोटिस मिलने के बाद लंबी दूरी के धावक अभिषेक पाल को टीम से बाहर कर दिया गया है।एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने गुरुवार को आइची-नागोया एशियाई खेलों के लिए 77 सदस्यीय ट्रैक और फील्ड टीम की घोषणा की।

ये खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होंगे।टीम की घोषणा लुधियाना में संवाददता सम्मेलन में की गई। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल के दौरान बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर होने के कारण पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ (हर्डल्स) के एथलीट तेजस शिर्से को भी टीम से बाहर कर दिया गया है।इस अवसर पर एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा, हमने नीरज चोपड़ा की जगह यशवीर को शामिल किया है, जो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता हैं और नीरज अभी चोटिल हैं।

यह चोट के कारण किया गया बदलाव था, इसलिए यशवीर के आने में कोई समस्या नहीं थी।लंबी दूरी के धावक अभिषेक पाल को उन समस्याओं के कारण बाहर किया गया है जिनका वे सामना कर रहे हैं। तो, एशियाई खेलों के लिए यह अंतिम टीम है। पिछले महीने नाडा ने पाल को नोटिस भेजा था क्योंकि उनके सैंपल में महिलाओं की फर्टिलिटी से जुड़ी दवा पाई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि यह पदार्थ तय सीमा (थ्रेशोल्ड लेवल) से कम मात्रा में पाया गया था।एएफआई के पूर्व सचिव और मौजूदा प्लानिंग कमीशन प्रमुख ललित भनोट ने कहा, यह (अभिषेक के) डोप टेस्ट में पॉजिटिव आने का मामला नहीं है। पदार्थ की मौजूदगी तय सीमा से कम है।

किदांबी श्रीकांत ने वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई को चौंकाया

सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल मेंशेन

झेन (चीन)। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 किदांबी श्रीकांत और पुरुषों की डबल्स की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को चीन मास्टर्स सुपर 750 में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। श्रीकांत ने कनाडा के वर्ल्ड नंबर 9 और हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाले विक्टर लाई को 21-18, 21-18 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।अपनी पहली भिड़ंत में शानदार रणनीति दिखाते हुए, श्रीकांत ने पहले गेम में 11-15 से पिछड़ने के बाद वापसी की और दूसरे गेम में 18-19 से पिछड़ने के बाद लगातार तीन पॉइंट जीतकर जीत पक्की की।इस जीत के साथ श्रीकांत ने 2021 के बाद पहली बार सुपर 750 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है, जहां उनका सामना हांगकांग के ली चियुक यियू से होगा।पुरुष डबल्स में, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 जोड़ी सात्विक-चिराग ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव को 21-17, 22-24, 21-9 से हराया। फ्रांसीसी जोड़ी के रोमांचक दूसरा गेम जीतने के बाद, स्मैश ब्रदर्स ने निर्णायक गेम में अपना दबदबा बनाया, 6-1 की बढ़त ली।

राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एमपी के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

भोपाल।

पंजाब के लुधियाना स्थित गुरु नानक स्टेडियम में 1 से 3 सितंबर 2026 तक आयोजित की जा रही 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। इनमें कृष्ण चंद्र ने जैवलिन थ्रो में नया मीट रिकॉर्ड कायम कर स्वर्ण पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की।

प्रतियोगिता के बुधवार शाम आयोजित मुकाबलों में बॉयज जैवलिन थ्रो स्पर्धा में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी कृष्ण चंद्र ने 79.92 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता का नया मीट रिकॉर्ड भी कायम किया।

कृष्ण चंद्र के शानदार प्रदर्शन से पहले इस स्पर्धा का मीट रिकॉर्ड 77.41 मीटर था, जो रोहित यादव ने वर्ष 2018 में बनाया था। कृष्ण चंद्र ने 79.92 मीटर का प्रदर्शन कर पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

हेप्टाथलॉन में नागर सिंह कनेश ने जीता स्वर्ण

हेप्टाथलॉन स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी नागर सिंह कनेश ने 4812 अंकों के शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नागर सिंह ने स्पर्धा के विभिन्न इवेंट्स में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया और मध्यप्रदेश को स्वर्णिम सफलता दिलाई। वहीं 1000 मीटर स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी रंगलाल डोडिया ने 2 मिनट 26.83 सेकंड के शानदार समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। रंगलाल ने अपनी गति और दमदार प्रदर्शन के साथ स्पर्धा में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभा ने छोड़ी छाप

21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन उनकी मेहनत, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। विशेष रूप से जैवलिन थ्रो में नया मीट रिकॉर्ड कायम करना प्रदेश की उभरती एथलेटिक्स प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों द्वारा हासिल की जा रही यह सफलता मध्यप्रदेश में विकसित हो रही खेल संस्कृति और अकादमियों में खिलाड़ियों को मिल रहे उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का परिणाम है।

खेल मंत्री श्री सारंग ने दी बधाई

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीतने वाले नागर सिंह कनेश, कृष्ण चंद्र एवं रंगलाल डोडिया को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और कृष्ण चंद्र द्वारा नया मीट रिकॉर्ड कायम किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

वर्ल्ड कप में उपलब्धता को लेकर संदेह के बीच बीसीसीआई ने किया रोहित शर्मा का समर्थन

बोला- वो शानदार खेल रहे, सचिव ने कहा- पिछले मैच में शतक लगाया, आप और क्या चाहते हैं

मुंबई।

रोहित शर्मा की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि पूर्व कप्तान की जगह पर तुरंत कोई खतरा नहीं है, जबकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं।गुरुवार को बीसीसीआई हेडक्वार्टर में भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, आपने देखा होगा कि वह शानदार खेल रहे हैं। इस बैठक में भारत के दोनों कप्तान - शुभमन गिल (टेस्ट और वनडे) और श्रेयस अय्यर (टी 20) - शामिल हुए। हेड कोच गौतम गंभीर और सीओई प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद थे।चयनकर्ताओं के चेयरमैन अजीत अगरकर बैठक में नहीं थे।वह मुंबई से बाहर थे और शायद ऐसी जगह पर थे जहाँ इंटरनेट नहीं था। देवजीत सैकिया ने गुरुवार को बोर्ड की परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग के बाद रोहित का समर्थन किया। उन्होंने पूर्व कप्तान के हालिया फॉर्म का हवाला देते हुए कहा कि उनके भविष्य को लेकर कोई अटकलें नहीं लगाई जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, वह सभी मैचों में बेहतरीन खेल रहे हैं।आपको और क्या चाहिए? पिछले मैच में उन्होंने 130-140 रन बनाए।तो फिर अटकलें क्यों? मैं अटकलें लगाने वालों को कोई मौका नहीं देना चाहता। पिछले साल भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद रोहित को वनडे कप्तानी से हटाए जाने के बाद से ही उनके भविष्य पर बहस चल रही है।उनकी उम्र के कारण 2027 वर्ल्ड कप में उनकी भागीदारी पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में शतक लगाकर उन्होंने इन अटकलों का जवाब दिया। 39 वर्षीय रोहित भारत के सबसे अनुभवी वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 11,895 रन बनाए हैं और 34 शतक जड़े हैं। उनके नाम वनडे में सबसे ज़्यादा व्यक्तिगत स्कोर (264 रन) का रिकॉर्ड भी है और उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप में पांच शतक लगाए थे।इस बीच, सैकिया ने स्पष्ट किया कि गुरुवार की बैठक कोई सिलेक्शन मीटिंग नहीं थी और टीम के गठन को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया।

रोडमैप किया तैयार

आज हमारी मीटिंग हेड कोच, हेड ऑफ़ क्रिकेट, सीओई और दो कप्तानों - हमारे टी 20 कप्तान और टेस्ट व वनडे कप्तान शुभमन - के साथ हुई। उन्होंने कहा, हमने मुख्य रूप से इस बात पर चर्चा की कि हमारी टीम ने इंग्लैंड और आयरलैंड में कैसा प्रदर्शन किया और अगले एक साल में हम क्या करने वाले हैं। इसलिए, एक रोडमैप तैयार किया गया है और हम कुछ ऐसी गतिविधियां करेंगे जिससे 2027 में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा हो। खिलाड़ियों के वर्कलोड और चोट के प्रबंधन पर भी चर्चा हुई, जिसमें बीसीसीआई व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल के दौरान बेहतर तैयारी और रिकवरी सुनिश्चित करने के तरीकों पर विचार कर रहा है।

श्रीलंका की इंडोनेशिया पर एकतरफा जीत

अटापट्टू ने हैट्रिक सहित 7 विकेट लेकर रचा इतिहास

एशिया कप में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली।

दुबई में खेले जा रहे विमेंस एशिया कप में बुधवार को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने इतिहास रच दिया। उन्होंने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप बी के मुकाबले में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट लिए।

अटापट्टू एशिया कप के किसी भी मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। इसमें विमेंस और मेंस, दोनों कैटेगरी के मुकाबले शामिल हैं। चमारी अटापट्टू ने 3.3 ओवर की गेंदबाजी में इंडोनेशिया की बल्लेबाजी को ढेर कर दिया। उन्होंने 19वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर हैट्रिक भी बनाई। उनकी गेंदबाजी के चलते इंडोनेशिया की पूरी टीम 18.3 ओवर में 49 रन पर सिमट गई। श्रीलंका ने यह मुकाबला 75 रन से जीत लिया।इससे पहले एशिया कप मैच में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान की जावेरिया खान के नाम था। उन्होंने विमेंस एशिया कप 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अब चमारी अटापट्टू के नाम एशिया कप के एक मैच में 7 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड भी तोड़ा - अटापट्टू का यह प्रदर्शन सिर्फ एशिया कप तक सीमित नहीं रहा। यह टी-20 इंटरनेशनल में किसी श्रीलंकाई गेंदबाज (मेंस या विमेंस) का बेस्ट बॉलिंग फिगर भी है। अटापट्टू ने अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड तोड़ा। मेंडिस ने सितंबर 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अटापट्टू टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के किसी मैच में 6 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज भी हैं।

चीनी के साथ चावल और दालों के भावों में भी गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चीनी की कीमतों में लगातार सातवें दिन गिरावट रही। चीनी के साथ चावल और दालों के भाव भी टूट गये।गेहूं में तेजी देखी गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 26 रुपये घटकर 5,736 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी नौ रुपये सस्ता होकर 5,991 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया।खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 34 पैसे घटकर 62.23 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 12 रुपये घटकर 4,135 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी।गेहूं तीन रुपये बढ़कर

2,849 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।आटे का भाव भी छह रुपये चढ़ गया।दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 26 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।

उड़द दाल 20 रुपये और मूंग दाल नौ रुपये सस्ती हुई।चना दाल की कीमत तीन रुपये गिर गयी।तुअर दाल में कमोबेश टिकाव रहा।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 12 रिंगिट गिरकर 4,892 रिंगिट प्रति टन रह गया।

एसरी इंडिया ने पेश किया स्वदेशी जीआईएस सॉफ्टवेयर जिओसरल

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी आधारित भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर, स्थान संबंधी सूचना और मानचित्रण समाधान प्रदाता देश कीअग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने जियोसरल नाम से एक लाइनक्स (ऑपरेटिंग सिस्टम) आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर पेश करने की बुधवा को यहां घोषणा की।एसरी इंडिया की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह जियोस्पैटियल (स्थान की भौगोलिक स्थिति संबंधी सूचनाओं) संबंधी उन्नत साफ्टवेयर समाधानों के विकसित के क्रम में चजियोसरलज् पेश किया है।विज्ञप्ति में कहा गया है, संगठनों में पेशेवर जीआईएस का उपयोग करने वाले

उन्नत विश्लेषण, 3डी, नेटवर्क विश्लेषण और जटिल मानचित्रण के लिए आर्कजीआईएस का उपयोग करते हैं।इसके साथ ही ऐसे लोग भी हैं जिन्हें मैपिंग, विजुअलाइजेशन, जांच एवं संपादन जैसे आसान कामों के लिए एक डेस्कटॉप जीआईएस की जरूरत पड़ती है।जिओसरल उन्हीं लोगों के लिए है। इसकी अवधारण सभी उपक्रमों और सरकारी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में एसरी इंडिया के आर्कजीआईएस यूजर से एक हल्के, लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए तैयार की गई। इसे विंडोज़ पर भी सपोर्ट मिलता है। कंपनी इसका एंड्रॉयड संस्करण भी जल्द लाएगी।एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेन्द्र कुमार ने कहा, जिओसरल को प्रस्तुत करना एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। इसके के शुरुआती उपयोगकर्ता मैपिंग, विजुअलाइजेशन, एडिटिंग और क्वेरीइंग के लिए किफायती, लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर पाकर संतुष्ट हैं।.. इसे मौजूदा आर्क जीआईएस पारितंत्र के साथ आसानी से एकीकृत होने के लिहाज से डिजाइन किया गया है और यह एंटरप्राइस स्तर की सुरक्षा प्रदान करता है। गौरतलब है कि जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी शासन, अवसंरचना , कृषि, रक्षा, जनोपयोगी सुविधाओं, नगरीय विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जरूरी होती जा रही है।

वाहन उद्योग के अधिवेशन में हरित ईंधन पर जोर

नयी दिल्ली।

भारतीय वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन (सियाम) के 66वें वार्षिक अधिवेशन में गुरुवार को नीति निर्माताओं और उद्योग के दिग्गजों ने हरित ईंधन की तरफ रुख करने पर जोर दिया। अधिवेशन में विशेष प्लेनरी सत्र का थीम था- पर्यावरण अनुकूल परिवहन में वैश्विक नेतृत्व को बढ़ावा देना। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने स्वच्छ ईंधन की तरफ देश के परिवहन में बदलाव की तरफ तेजी से बढ़ने की जरूरत पर बल दिया।उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक, जैव ईंधन और ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की दिशा तय करेंगे।हमें चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर

को मज़बूत करना होगा, भारी वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलना होगा, अपना निर्यात पारितंत्र तैयार करना होगा और देश को अत्याधुनिक परिवहन प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनाना होगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि वाहन सेक्टर के विकास की कहानी बेमिसाल है।यह सभी हितधारकों के बीच मज़बूत सहयोग से आगे बढ़ रही है।

स्पाइसजेट ने 20 विमान पट्टे पर लेने के लिए किये पक्के समझौते

नयी दिल्ली।

किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने आने वाले विंटर शेड्यूल के दौरान अपने ऑपरेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की तैयारी के तहत लीज पर 20 विमान (15 बोइंग और पांच एयरबस) लेने के लिए तीन विमान ऑपरेटरों के साथ पक्के डैम्प और वेट लीज समझौते किए हैं।

ये विमान मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर के बीच चरणों में स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल होंगे।इनके शामिल होने से स्पाइसजेट के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की क्षमता मजबूत होगी और सर्दियों तथा उसके बाद गर्मियों के पीक ट्रैवल सीजन के दौरान अतिरिक्त क्षमता

मिलेगी। स्पाइसजेट की योजना विंटर शेड्यूल के दौरान अपने ऑपरेशन को बढ़ाकर रोज़ाना लगभग 200 उड़ानें करने की है। इससे मुख्य मार्गों पर उड़ानों की संख्या बढ़ेगी और उन बाजारों में कनेक्टिविटी मजबूत होगी जहां मांग अधिक रहने की उम्मीद है। अतिरिक्त क्षमता से बाजार में अधिक स्थिरता लाने और अधिक मांग वाले समय में हवाई किराये पर दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी। एयरलाइंस ने बताया कि पांच एयरबस विमानों में ए321 वैरिएंट भी शामिल होगा।स्पाइसजेट के मुख्य कारोबार अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, हम सर्दियों के मौसम के लिए तैयारी कर रहे हैं और हमारा मुख्य ध्यान वहां क्षमता बढ़ाने पर है जहां हमारे यात्रियों को इसकी सबसे अधिक जरूरत है।

एजेंटिक एआई युग के लिए मानव संसाधन में कौशल, अनुभव के विकास की जरूरत

नयी दिल्ली। एजेंटिंक एआई प्रणालियों पर यहां आयोजित एक राष्ट्रीय संवाद में छात्रों, शिक्षकों और पेशेवरों को नयी तकनीकी क्षमताओं, अनुकूलनशीलता और मानव-केंद्रित कौशल से लैस करने की जरूरत पर बल दिया गया ताकि वे तेजी फैल रही एआई प्रणालियों के साथ प्रभावी ढंग से काम कर सकें। एजेंटिक एआई प्रणालियां मानवीय देखरेख में तर्क करने, योजना बनाने और जटिल कार्यों को निष्पादित करने में सक्षम होती हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ने इंटेल इंडिया के सहयोग से राजधीन में एजेंटिक एआई युग के लिए भविष्य कार्यबल को तैयार करना विषय पर आयोजित विशेषज्ञों के राष्ट्रीय स्तर के इस संवाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष शशि शेखर वेम्पति मुख्य अतिथि थे।

दिग्गज कंपनियों में मुनाफावसूली से लुढ़के प्रमुख सूचकांक

मुंबई । विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को दिग्गज कंपनियों में अंतिम घंटे में हुई मुनाफा वसूली से प्रमुख सूचकांक नीचे बंद हुए।बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 417.49 अंक (0.55 प्रतिशत) नीचे 76,152.86 अंक पर बंद हुआ। बढ़त में खुलने के बाद एक समय यह पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 354 अंक चढ़कर 76,924 अंक पर पहुंच गया था।हालांकि आखिरी एक घंटे में दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से यह लाल निशान में चला गया।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 41 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर 23,873.45 अंक पर बंद हुआ।दोनों प्रमुख सूचकांक आज 24 जुलाई के बाद के निचले

स्तर पर बंद हुए हैं। विदेशों में मिश्रित रुख रहा, लेकिन घरेलू स्तर पर दिग्गज कंपनियों में मुनाफावसूली को जोर देखा गया। विशेष रूप से आईटी, एफएमसीजी, ऑटो, स्वास्थ्य और फार्मा कंपनियों में बिकवाली हुई।बैंकिंग, वित्त, रियल्टी, मीडिया और रासायनिक सेक्टरों के सूचकांकों में तेजी रही।वृहत बाजार में अधिकतर सूचकांक हरे निशान में रहे।निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.20 प्रतिशत की मजूबती के साथ बंद हुआ।एनएसई में जिन 3,628 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,207 के शेयरों में तेजी रही।वहीं, 1,311 कंपनियों के शेयर टूट गये।अन्य 110 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों में गिरावट रही।टाइटन का शेयर 2.17 प्रतिशत लुढ़क गया।ट्रेंट में 1.93 फीसदी, आईटीसी में 1.63, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.62, बजाज फिनसर्व में 1.61, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.55 और टेक महिंद्रा में 1.54 प्रतिशत की गिरावट रही।सन फार्मा का शेयर 1.50 प्रतिशत, टीसीएस का 1.41, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.38, बजाज फाइनेंस का 1.13, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.10, मारुति सुजुकी का 1.07, इंडिगो का 1.04, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.00, इंफोसिस का 0.98, पावरग्रिड का 0.93, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 0.92 प्रतिशत टूट गया। एलएंडटी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी फिसल गये।वहीं, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर रहे।

देश में तेजी से हो रहा धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन का विकास : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भारतीय संस्कृति के गौरवशाली अतीत को पुनः स्थापित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को गुजरात की देवभूमि द्वारका के पावन द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर सपत्नीक भगवान श्री द्वारकाधीश के अलौकिक रूप का दर्शन एवं विधि-विधान से पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान द्वारकाधीश से सभी प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी से पहले देश-प्रदेशवासियों को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर्व के हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव एवं अन्य परिजनों सहित सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय के डॉ. इलैया राजा टी. भी उपस्थित थे। भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन-पूजन के बाद मंदिर परिसर के बाहर स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज वे सपरिवार द्वारिका आये हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के उज्जैन और गुजरात की द्वारिका नगरी सहित देशभर में लगातार धार्मिक पर्यटन के नए कीर्तिमान गढ़े जा रहे हैं। उज्जैन में श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या 20 गुना बढ़ गई है। वर्तमान में लगभग 10 करोड़ से अधिक तीर्थ यात्री उज्जैन आ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कर कमलों से उज्जैन में बाबा महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद बनारस में भी काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरीडोर का निर्माण हुआ, जिससे बाबा विश्वनाथ की नगरी में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिली हैं।

भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन का मिला सौभाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वारकाधीश मंदिर आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित सनातन संस्कृति के चार धामों में से एक प्रमुख तीर्थ है। जन्माष्टमी से ठीक पहले भगवान श्री द्वारकाधीश के भव्य दर्शन का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ समय पहले ही वे सोमनाथ धाम गये थे। इसके बाद आज द्वारका के प्रसिद्ध श्री द्वारकाधीश मंदिर में विधिवत् दर्शन-पूजन-अर्चन कर यहां की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। हम भी अपने देवस्थानों में बेहतर से बेहतर प्रबंधन की सभी व्यवस्थाएं कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं के लिए विकसित की जा रहीं सुगम व्यवस्थाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार लगातार धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं देवस्थानों पर सहज एवं सुगम आवागमन, श्रद्धालुओं के ठहरने, उनकी सुरक्षा और पर्यटकों की वृद्धि को देखते हुए वहां सभी जरूरी अधोसंरचनाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। हमारी सरकार भारतीय संस्कृति के गौरवशाली अतीत को पुनः स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

भाजपा राज में मध्य प्रदेश पढ़ाई चौपट करने में टॉपरः जीतू पटवारी

सरकारी स्कूल बंद करने में देश में सबसे आगे मध्य प्रदेश, दलित-आदिवासी और कमजोर वर्ग के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी ने भाजपा सरकार पर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के राज में मध्य प्रदेश पढ़ाई चौपट करने में टॉपर बन चुका है। स्कूलों को बंद करने में देश के सारे राज्य मिलकर भी मध्य प्रदेश का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में स्कूली बच्चों यानी जेन-अल्फा के सबसे अधिक प्रदर्शन हो रहे हैं। श्री पटवारी ने कहा कि हालात इतने खराब हैं कि पिछले साल पूरे देश में जितने सरकारी स्कूल बंद नहीं हुए, उससे अधिक स्कूल अकेले मध्य प्रदेश में बंद या मर्ज कर दिए गए। वर्ष 2025-26 में पूरे देश में 4,791 स्कूल या तो बंद किए गए या दूसरे स्कूलों के साथ मर्ज किए गए, जिनमें से आधे से अधिक यानी 2,426 स्कूल मध्य प्रदेश में बंद या मर्ज किए गए।

उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है, जब पिछले तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के शिक्षा बजट में 9,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसके बावजूद इतनी बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों का बंद होना भाजपा सरकार की शिक्षा नीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

श्री पटवारी ने कहा कि सरकार स्कूल बंद करने के पीछे अक्सर यह तर्क देती है कि स्कूलों में बच्चों की संख्या कम थी। लेकिन सवाल यह है कि जब सरकार सरकारी स्कूलों को पर्याप्त बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं देगी, पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं करेगी और पढ़ाई के लिए उचित वातावरण तैयार नहीं करेगी, तो अभिभावक मजबूरी में अपने बच्चों को निजी स्कूलों की ओर भेजने के लिए विवश होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों को लगातार कमजोर करना और फिर कम छात्र संख्या का हवाला देकर उन्हें बंद करना जान-बूझकर सरकारी शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने का षड्यंत्र है। इसका सबसे अधिक नुकसान दलित, आदिवासी, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को उठाना पड़ेगा। श्री पटवारी ने भाजपा सरकार से मांग की कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ तत्काल बंद किया जाए। प्रदेश में सरकारी स्कूलों की संख्या बढ़ाई जाए, बंद एवं मर्ज किए गए स्कूलों की समीक्षा की जाए और प्रत्येक स्कूल में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की भर्ती की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सरकारी स्कूलों को बंद करना नहीं, बल्कि उन्हें इतना बेहतर बनाना होना चाहिए कि बच्चे और अभिभावक निजी स्कूलों के बजाय सरकारी स्कूलों को प्राथमिकता दें।

वरिष्ठ अधिकारी दूरस्थ जिलों का भ्रमण कर शिकायतों का निराकरण करायें: मुख्य सचिव

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में मंत्रालय में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान एवं बालाघाट प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत दूरस्थ जिलों का भ्रमण कर शिकायतों का निराकरण कराने के निर्देश दिये। श्री बर्णवाल ने सी.एम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिकारी कुछ शिकायतकर्ताओं से स्वयं बात करें। विभागों में प्राप्त शिकायतों के कारणों को ढूंढकर उनका समाधान कराएँ। मुख्य सचिव ने सभी-अधिकारियों को भारत सरकार के

पत्रों के जवाब अनिवार्यतः 15 दिन में देने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने सीएम फ्लैगशिप योजना की जानकारी, आगामी मुख्यसचिव कांफ्रेंस की जानकारी देने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान में विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गयी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान पोर्टल की भी जानकारी दी गयी। बैठक में बताया गया कि सी.एम हेल्पलाईन में 80 प्रतिशत शिकायतें शिकायतकर्ता की संतुष्टी के बाद बंद करायी गयी है। शेष शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही भी की जा रही है। सी.एम. हेल्पलाईन में प्रतिदिन 55 हजार कॉल आते है जिनमें 15 हजार शिकायतें होती है। बैठक में बताया गया कि लोकसेवा गारंटी अभियान में 8 लाख से अधिक आवेदनों का निराकरण किया गया है। बैठक में मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रकरणों, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता सरंक्षण विभाग से राशनकार्ड एवं राशन दुकानों में खाद्यान्न की उपलब्धता, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना, ला?ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना की जानकारी, स्वास्थ्य विभाग से प्रसूति सहायता योजना, ऊर्जा विभाग से बिजली आपूर्ति की जानकारी प्राप्त की। मुख्य सचिव बर्णवाल ने बालाघाट विकास प्रोजेक्ट की विस्तृत समीक्षा कर 332 करो? रूपये के प्रोजेक्ट के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

चिकित्सकों में सेवा और संवेदनशीलता का भाव स्वास्थ्य सेवाओं के विधिवत प्रदाय के लिए अहमः उप मुख्यमंत्री

सेवांकुर भारत के साथ एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मेडिकल कॉलेजों के अधिष्ठाताओं को दिए निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को बेहतर चिकित्सकीय ज्ञान और कौशल प्रदान करना नहीं है, बल्कि उनके भीतर सेवा, संवेदनशीलता, मानवीय मूल्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। युवा चिकित्सकों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उन्हें मरीज और उसके परिवार की भावनाओं को समझने वाला संवेदनशील चिकित्सक बनाना समय की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन ने सेवांकुर भारत के साथ एमओयू

किया है। सेवांकुर भारत मेडिकल विद्यार्थियों के बीच कार्य करने वाली संस्था है, जो वर्तमान में देश के 200 से अधिक मेडिकल कॉलेजों और 17 हजार से अधिक विद्यार्थियों से जुड़ी है। संस्था विद्यार्थियों में सेवा, नेतृत्व, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में एक सप्ताह देश के नाम अभियान की समीक्षा की।

मरीज के लिए डॉक्टर का व्यवहार भी उपचार का हिस्सा

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि डॉक्टर की मुस्कान, उसका व्यवहार और मरीज के प्रति संवेदनशील संवाद कई बार उपचार की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब कोई मरीज या उसका परिवार कठिन परिस्थिति में अस्पताल पहुंचता है, तो वह डॉक्टर की ओर आशा और विश्वास से देखता है। ऐसे समय में चिकित्सक का सहयोग, आत्मीय व्यवहार और भरोसा देने वाला संवाद मरीज के मन में सकारात्मक ऊर्जा और उपचार के प्रति विश्वास पैदा करता है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सक का अच्छा व्यवहार केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि चिकित्सा सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए युवा चिकित्सकों के व्यक्तित्व में संवेदना और सेवा-भाव का विकास उनकी मेडिकल शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए।

भगवान बलराम की जयंती उपलक्ष्य में कृषक संगोष्ठी का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनांतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र में भगवान बलराम की जयंती के उपलक्ष्य में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख अतिथि के रुप में गोपाल पटैलए महराज सिंह लोधी, नर्मदा एकता सिंह उपस्थित रहे।

संचालन कृषि विभाग के उप संचालक जेएल प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गोपाल पटेल द्वारा भगवान बलराम की जीवनी के बारे में चर्चा की वही कृषि विज्ञान केंद्र दमोह के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मनोज अहिरवार, कृषि वैज्ञानिक डॉ. बीएल साहू एवं डॉ. राजेश द्विवेदी द्वारा नई कृषि तकनीकी, खाद्य प्रसंस्करण और समसामयिक विषयो पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 105 कृषक सम्मिलित हुये जिनकों कृषि विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से अवगत कराया गया एवं कृषकों की समस्यओं का निराकरण किया गया।

कार्यक्रम में परियोजना संचालक आत्मा एसएल कुर्मी, शैलेन्द्र पौराणिक उप परियोजना संचालक आत्मा, अखलेश कुर्मी प्रबीटीएम हटा, आशीष पटैल पटेराए सुरेन्द्र यादव,बटियागढए महेन्द्र पटैल पथरिया, श्रीकांत साहू जबेरा, भुवनेश्वरी पटैल तेन्दुखेडाए मीना पटैल दमोह एवं प्रशांत मिश्रा की उपस्थिति रही। आभार प्रदर्शन परियोजना संचालक आत्मा एसएल कुर्मी द्वारा किया गया।

15 गांवों से गुजरी समरसता कलश वंदन यात्रा

संत रविदास के संदेश को आत्मसात करने का लिया संकल्प

दमोह (स्वतंत्र मत)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री के आह्वान एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के मार्गदर्शन में दमोह विधानसभा क्षेत्र में समरसता कलश वंदन यात्रा एवं समरसता संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ ग्राम तिदोनी से दमोह विधायक श्री जयंत कुमार मलैया ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी के पावन कलश का पूजन कर किया। यात्रा के दौरान करीब 15 ग्रामों में पहुँचकर 5 स्थानों पर सभाओं का आयोजन किया गया। विभिन्न ग्रामों में ग्रामीणों द्वारा यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया तथा पावन कलश का पूजन कर संत रविदास जी के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कलश वंदन यात्रा तिदोनी, इमलाई, सिंगपुर, मानुपुरा, खजरी, लक्ष्मणकुटी, दिगसर, पालर, मुड़िया, कुआंखेड़ा, सेमरपटी,

खामखेड़ा एवं महुआखेड़ा होते हुए ग्राम समन्ना पहुँची, जहां यात्रा का समापन हुआ।

तिदोनी में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, सिद्धार्थ मलैया, राजेन्द्र पटैल, कार्यक्रम संयोजक एवं जिला महामंत्री रामेश्वर चौधरी, कार्यक्रम प्रभारी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अमित गोलू बजाज, मंडल अध्यक्ष रमाकांत बाजपेई, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष ब्रजेन्द्र अहिरवाल, विकास गुप्ता, रमेश श्रीवास्तव, संतोष रोहित, राजू नामदेव, अमरदीप जैन भाजपा पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। समन्ना में आयोजित समापन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री गोपाल पटैलए श्री सिद्धार्थ मलैयाए जिला महामंत्री श्री अरुण तिवारी एवं श्री महेश पटैलए जिला मंत्री श्री कपिल शुक्लाए बांदकपुर मंडल अध्यक्ष ब्रजेश लोधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मिंटू हजारी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र पटैल, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

दमोह (स्वतंत्र मत)। पंचायत उप निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रताप नारायण यादव ने जिले के विभिन्न विकासखण्डों में रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किए हैं। यह नियुक्ति मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन अधिनियम 1995 तथा मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के प्रावधानों के तहत की गई है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारियों को पंचायत उप निर्वाचन से संबंधित निर्वाचन प्रक्रिया का दायित्व सौंपा गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

इन विकासखण्डों में अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

जारी आदेश के अनुसार विकासखण्ड दमोह में 11 पंचायत पदों के लिए तहसीलदार दमयंतीनगर दमोह रॉबिन जैन को रिटर्निंग ऑफिसर तथा नायब तहसीलदार दमोह रघुनंदन चतुर्वेदी को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार विकासखण्ड पथरिया में 3 पंचायत पदों के लिए तहसीलदार पथरिया दीपा चतुर्वेदी को रिटर्निंग ऑफिसर तथा नायब तहसीलदार पथरिया वृन्देश पाण्डेय को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है। विकासखण्ड जबेरा में 4 पंचायत पदों के लिए प्रभारी तहसीलदार जबेरा आशुतोष गुप्ता रिटर्निंग ऑफिसर एवं नायब तहसीलदार जबेरा राजेश साहू सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। इसी प्रकार विकासखण्ड तेंदूखेड़ा में 3 पंचायत पदों के लिए तहसीलदार विवेक व्यास को रिटर्निंग ऑफिसर तथा नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। विकासखण्ड हटा में 3 पंचायत पदों के लिए तहसीलदार आलोक जैन रिटर्निंग ऑफिसर एवं नायब तहसीलदार शिवराम चढ़ार सहायक रिटर्निंग ऑफिसर रहेंगे।

दमोह में 829.1 मिमी वर्षा दर्ज

दमोह। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 829.1 मिमी अर्थात 32.6 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है जो अभी तक गत वर्ष से 143.6 मिमी अर्थात 5.6 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 972.7 मिमी अर्थात 38.2 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पटेरा में 1157.5 मिमी दर्ज की गई है। भू अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 636 मिमी हटा 841.8 मिमी जबेरा में 690 मिमी पथरिया 933 मिमी तेन्दूखेड़ा 869.6 मिमी दर्ज की गई है।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक Jr. LIG 72 श्री अशोक कुमार जैन पिता स्व. श्री अमीर चंद्र जैन के नाम आवंटित है, आवंटी श्री अशोक कुमार जैन पिता स्व. श्री अमीर चंद जैन से प्राप्त आवेदन / संयुक्त शपथ पत्र एवं निधारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्री राकेश जैन पिता स्व. श्री अमीर चंद्र जैन के नाम हस्तांतरण कि कार्यवाही की , जाना है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन हस्तांतरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर मदर टेरेसा कॉलोनी जबलपुर में स्थित भवन कमांक Jr. LIG 72 श्री राकेश जैन पिता स्व. श्री अमीर चंद्र जैन के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

रिहायशी इलाके में दो मंजिला जर्जर भवन ढहा, बड़ा हादसा टला

राय चौराहा दाल मिल मार्ग की घटना, आधा दर्जन से अधिक किराएदार रहते थे भवन में, सामान दबकर खराब

हटा (स्वतंत्र मत)।

नगर के राय चौराहा से दाल मिल मार्ग पर गुरुवार को एक दो मंजिला जर्जर भवन अचानक ढह गया। घटना के समय भवन में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि भवन में रह रहे किराएदारों का घरेलू और व्यावसायिक सामान मलबे में दबकर खराब हो गया।

बताया गया कि मनोज यादव के इस मकान में आधा दर्जन से अधिक किराएदार रहते थे। भवन की जर्जर हालत को देखते हुए बारिश से बचाव के लिए छत पर काली पॉलिथिन और तिरपाल डाला गया था। लगातार बारिश के कारण पहले ऊपरी मंजिल की छत

गिरी। उसका मलबा नीचे की छत पर गिरने से वह भी भरभराकर ढह गई। किराएदार सीता नामदेव और नरेंद्र नामदेव ने बताया कि वे लंबे समय से यहां किराए पर रह रहे थे। कम किराए के कारण कम जगह और तिरपाल के सहारे गुजारा कर रहे थे। छत गिरने से खाने पीने के सामान, कपड़े और घरेलू उपयोग की सामग्री सहित गृहस्थी का काफी सामान खराब हो गया। वहीं किराएदार गुड्डा रैकवार ने बताया कि वह दुकान के लिए कच्चा माल तैयार करने का काम करता है और भवन में दुकान का सामान रखा था। भवन गिरने से उसका भी काफी नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और जर्जर भवन में निवास कर रहे लोगों को भवन खाली करने के संबंध में नोटिस देने की कार्रवाई की। नगर में जर्जर भवन गिरने की यह दूसरी घटना है। इसके बाद बारिश से पहले जर्जर और कच्चे भवनों को चिन्हित करने की नगर पालिका की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। सीएमओ राजेंद्र खरे ने कहा कि नगरवासियों से अपील है कि यदि आसपास कोई कच्चा या जर्जर भवन दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल नगर पालिका को दें। उन्होंने बताया कि नगर पालिका टीम द्वारा सर्वे किया गया था लेकिन यह भवन बाहर से देखने में ठीक प्रतीत हो रहा था इसलिए पूर्व में कार्रवाई नहीं की गई।

40 हजार रूपये की अर्थदण्ड शास्ति अधिरोपित

दमोह (स्वतंत्र मत)।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत मिथ्या छाप सामग्री विक्रय करने पर दोष सिद्ध होने के आरोप में अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी राकेश मोहन त्रिपाठी ने जिले के 1 अनावेदक पर 40 हजार के अर्थदण्ड की शास्ति अधिरोपित की है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी रावत बुधौलिया द्वारा प्रस्तुत परिवाद पर जिले की तहसील हटा के हजारी वार्ड निवासी अनावेदक फूलचंद यादव पिता कंछेदी यादव द्वारा अवमानक पनीर मिथ्या छाप का दोष सिद्ध होने के आरोप में 40 हजार रूपये के मान से अर्थदण्ड की शास्ति अधिरोपित की है।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या-12/2026

निविदा सं. 50265027 जिसके खुलने की तिथि 15/09/2026 थी, जो कि इस कार्यालय की **निविदा नोटिस सं.** EPS/26/2026 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए है-

निविदा सं. एवं संक्षिप्त विवरण	50265027 **Description:-** 25 वाट VHF सेट सप्लाई ऑफ ट्रांस रिसीवर VHF डिजिटल रेडियो	
	From	To
निविदा सं. एवं संक्षिप्त विवरण	50262027 **Description:-** 25 Watt VHF Set-Supply of Trans receiver VHF digital radio	50265027 Description:- 25 Watt VHF Set- Supply of Trans receiver VHF digital radio

अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए बेबसाईट https://www.ireps.gov.in. देखें। (हस्ता)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

लोककर्म विभाग // निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार/मान्यता प्राप्त से फर्म से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑन लाईन निविदायें आर्मंत्रित की जाती है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	2026_UAD-532057-1 PRO 538 Date 03/9/2026	परियट स्थित रेस्ट हाउस का आवश्यक सुधार कार्य रंगाई, पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	02 माह 8.24 लाख	2,000 8240/-	18/09/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम, जबलपुर

शासकीय संपत्ति के संरक्षण को लेकर नगर निगम सख्त

अवैध पट्टा मामले में कर संग्रहिता को कारण बताओ नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने कछपुरा स्थित निगम स्वामित्व के पूर्व चुंगी नाका भवन में अनियमितता और अवैध निर्माण के प्रयास पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित कर संग्रहिता राजेश डेनियल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि निगम स्वामित्व वाली अराजी नं. 714/1/1 पर बने भवन की स्थिति को स्पष्ट करने तथा नियमों के अनुपालन हेतु प्रशासन ने कर्मचारी से तीन दिवस के भीतर तथ्यात्मक जवाब मांगा है। अवैध उपयोग या नुकसान को रोकने के लिए नगर निगम अधिनियम और सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण नियमों के तहत नियमसम्मत प्रक्रिया शुरू की गई है।

भेड़ाघाट थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जेसीबी के सहारे आधी रात किया जा रहा था अवैध खनन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर थाना भावना तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना मिली ग्राम ताला (देवरी) में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जेसीबी मशीन से अवैध उत्खनन किया जा रहा है। मौके पर पहुंचने में जेसीबी मशीन चालक के साथ खड़ी हुई मिली। पूछताछ पर चालक ने अपना नाम सुनील साहू पिता निवासी टिलिया थाना हनुमना जिला मउगंज बताया। पूछताछ पर जेसीबी से पहाड़ी में आयरन जैसा दिखने वाला पत्थर मय मिट्टी के खनन करना स्वीकार किया। पुलिस ने जेसीबी जब्त करते हुए आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही की।

लोनिवि में पदस्थ ईई के ठिकानों पर ईओडब्लू की दबिश, करोड़ों की सम्पत्ति हुई उजागर

जबलपुर ईओडब्ल्यू की टीम ने बालाघाट में पदस्थ कार्यपालन यंत्री के ठिकानों पर मारा छापा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर ईओडब्लू की टीम द्वारा गुरूवार को बालाघाट के लोक निर्माण विभाग आफिस में पदस्थ कार्यपालन यंत्री के

बालाघाट, छिंदवाड़ा, भोपाल आवास में एक साथ दबिश दी गई। जांच के दौरान आरोपी कार्यपालन यंत्री के पास अब तक 11 करोड़ रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ है, जिसमें फार्म हाउस, आलीशान मकान, जमीन, आधा किलो सोना, दो किलो चांदी, लक्जरी गाडियां, 7.50 लाख रुपए नगद मिले है। ईओडब्ल्यू की टीम को जांच में अभी और भी संपत्ति मिलने की संभावना है।

मिली आय से 400 प्रतिशत से अधिक संपत्ति जांच एजेंसी के डीएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह 6 बजे बालाघाट के लोक निर्माण विभाग आफिस में पदस्थ कार्यपालन यंत्री कमल किशोर सिंगारे के छिंदवाड़ा के खान कॉलोनी, बालाघाट व भोपाल के सरकारी क्वार्टर दबिश दी गई। शुरुआती जांच में भोपाल, बालाघाट और छिंदवाड़ा की संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। भोपाल स्थित मकान किराए पर दिया हुआ बताया गया है। जांच के दौरान छिंदवाड़ा और बालाघाट से करीब 7.50 लाख रुपए नगद, आधा किलो सोना और 2 किलो चांदी मिली है। इसके अलावा एक महिंद्रा एक्सयूवी, एक स्कॉर्पियो, एक ट्रैक्टर और तीन दोपहिया वाहन वाहन मिले हैं। एक फार्म हाउस की जानकारी भी सामने आई है। अब तक की जांच में कमल किशोर सिंगारे की आय से 400 प्रतिशत से अधिक संपत्ति सामने आई है। हालांकि संपत्ति का अंतिम आंकड़ा पूरी जांच और मूल्यांकन के बाद स्पष्ट होगा।

ठेकेदारों से वसूलता था कमीशन

दरअसल, डीएसपी मंजीत सिंह के नेतृत्व में बालाघाट स्थित शासकीय आवास पर हुई कार्यवाही में 11 करोड़ की संपत्ति मिली है। जांच टीम एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को लेकर छिंदवाड़ा भी गई। बताया गया है कि एग्जीक्यूटिव इंजीनियर करीब 14 महीने से बालाघाट में पदस्थ थे। इस दौरान ठेकेदारों की ओर से समय-समय पर निर्माण कार्यों के बिल में कमीशन लेने के आरोप लगाए जाते रहे हैं। सिविल कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने भी उनकी शिकायत प्रशासन और विभागीय स्तर पर की थी। कार्यवाही नहीं होने पर एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी युनुस पप्पा खान ने 13 जुलाई को ईओडब्ल्यू में शिकायत की थी। इसी शिकायत के बाद गुरुवार को तीनों स्थानों पर कार्यवाही की गई।

30 लाख के भुगतान में 10 लाख कमीशन लेने का आरोप

शिकायतकर्ता युनुस पप्पा खान ने आरोप लगाया कि कार्यपालन यंत्री सिंगारे ठेकेदारों को परेशान करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार छोटुलाल ठाकरे के 30 लाख रुपए के भुगतान में 10 लाख रुपए कमीशन लिया गया था। इस संबंध में प्रशासन और विभागीय स्तर पर लगातार शिकायतें की गईं, लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। इसके बाद ईओडब्ल्यू में शिकायत की गई। हालांकि, ये आरोप शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए हैं। इनकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। ईओडब्ल्यू के डीएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि बालाघाट न्यायालय से अनुमति लेने के बाद सुबह 6 बजे टीम ने कार्यपालन यंत्री कमलकिशोर सिंगारे के शासकीय आवास पर दबिश दी। जांच के दौरान ढाई लाख रुपए नकद और करीब 25 लाख रुपए कीमत का एक वाहन मिला है. टीम सिंगारे को लेकर छिंदवाड़ा जा रही है।

भोपाल आवास पर सब इंजीनियर के मिलने की भी चर्चा

इधर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के भोपाल स्थित आवास पर बालाघाट सर्व शिक्षा अभियान में पदस्थ रहे सब इंजीनियर शिव भास्कर के मिलने की जानकारी भी सामने आ रही है। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि शिव भास्कर अपनी पत्नी के साथ वहां मौजूद थे। शिव भास्कर का हाल ही में स्थानांतरण हुआ है और उनके खिलाफ भी भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की चर्चा है। सिंगारे के भोपाल स्थित आवास पर मिलने को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। मामले में ईओडब्ल्यू की पूरी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

फिर लबालब हुआ बरगी बांध, 13 गेट खोलकर की जा रही पानी की निकासी

97.18 प्रतिशत भरा बरगी बांध

एक-एक मीटर खोले गए 13 गेट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लगातार हो रही बारिश के चलते बरगी बांध एक बार फिर लबालब हो गया है। 3 सितंबर दोपहर 12 बजे बांध का जलस्तर 422.35 मीटर और जल उपयोगी क्षमता 3090.50 एमसीएम यानी 97.18 प्रतिशत पहुंच गई। बांध में 4215 क्यूमेक पानी की आवक हो रही है। जलस्तर नियंत्रित करने के लिए 13 गेटों से पानी की निकासी 1130 से बढ़ाकर 3802 क्यूमेक की जा रही है। गेट औसतन 1.96 मीटर ऊंचाई तक खुले रहेंगे। इससे नर्मदा के घाटों पर जलस्तर 7 से 8 फीट तक बढ़ सकता है। इधर बांध प्रबंधन ने नर्मदा के घाटों और तटीय क्षेत्रों में लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। प्रबंधन के मुताबिक पानी की आवक और बांध के जलस्तर को देखते हुए निकासी कभी भी घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

दूसरे जिलों में हो रही बारिश से बढ़ी आवक

जिले में औसत से कम बारिश के बावजूद मंडला, डिंडौरी और अमरकंटक क्षेत्र में लगातार बारिश से बरगी बांध में पानी की आवक बढ़ी है। बुधवार को बांध का जलस्तर 421.85 मीटर और जलभराव 93.33 प्रतिशत था। गुरुवार सुबह 11 बजे 13 गेट करीब एक-एक मीटर तक खोले गए थे और लगभग 760 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा था। इससे पहले 2 सितंबर सुबह 8 बजे बांध में 707 क्यूमेक पानी की आवक दर्ज की गई थी। पानी की आवक बढ़ने के बाद निकासी भी बढ़ाई गई। अब 3 सितंबर दोपहर 3 बजे से 3802 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। गेट खोलने से पहले बरगी बांध प्रबंधन और जिला प्रशासन ने नर्मदा घाटों के आसपास अलर्ट जारी किया है। लोगों से घाटों, तटीय और निचले इलाकों में जाने से बचने तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की गई है। जल आवक और बांध के जलस्तर के अनुसार आने वाले समय में पानी की निकासी में बदलाव किया जा सकता है।

नगर निगम की टीम ने पकड़ा अमानक पॉलीथिन का भंडार

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर लगाया एक लाख का स्पॉट फाइन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संभाग क्रमांक 15 वार्ड क्रमांक 74 में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान संचालक अतुल खत्री के परिसर पर निरीक्षण कर अमानक प्लास्टिक और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर त्वरित कार्यवाही की गई। टीम ने मौके से 110 बोरी अमानक पानी के पाउच, 210 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन और 23 पेटी विक्रय अयोग्य पानी की बोतलें जब्त कीं। यह सामग्री पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती थी। इसके साथ ही परिसर में जनसुरक्षा से जुड़े फायर एंड सेफ्टी मानकों के अभाव को देखते हुए 1 लाख रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया, जिसे चेक के माध्यम से मौके पर ही वसूल किया गया। कार्यवाही के दौरान उपायुक्त संभव अयाची, संभागीय अधिकारी अजय लवाना, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र राज आदि उपस्थित रहे।

रक्त कैंसर के प्रति जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया जागरूकता अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रक्त कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) के बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा 3 सितंबर को जानकी रमण अस्पताल में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय जागरूकता के अंतर को कम करें। यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रो डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक शिक्षक अरविंद यादव एवं आसिया अंजुम रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को रक्त कैंसर के प्रति जागरूक करना तथा इसके लक्षणों, समय पर पहचान, शीघ्र निदान, उचित एवं समयबद्ध उपचार तथा रोगियों को आवश्यक सहयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने अस्पताल में उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद स्थापित कर सरल एवं सहज भाषा में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान शीघ्र पहचान समय पर उपचार जीवन बचाएं का संदेश दिया गया तथा लोगों को किसी भी प्रकार के चेतावनी संकेत या असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से रक्त कैंसर के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ शीघ्र निदान, समय पर उपचार, रक्तदान एवं सामुदायिक सहयोग के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और उपस्थित लोगों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

प्रतिभागियों ने समझी मीडिएशन की बारीकी विवादों का समाधान करने मिलेगी मजबूती

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कम्युनिटी मीडिएशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के कुशल मार्गदर्शन में भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 20 घंटे का कम्युनिटी मीडिएशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 सितंबर से 3 सितंबर 2026 तक स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य कम्युनिटी मीडिएशन में व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना तथा जमीनी स्तर पर आपसी सहमति से विवादों के समाधान को मजबूत करना था।

उद्घाटन समारोह में, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव ने कम्युनिटी मीडिएशन के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कम्युनिटी मीडिएशन बातचीत, आपसी समझ और सहमति के माध्यम से स्थानीय विवादों को सुलझाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। इससे रिश्तों को बनाए रखने, संघर्षों को बढ़ने से रोकने और समाज में शांति व सद्भाव को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। उन्होंने समय पर और सुलभ न्याय सुनिश्चित करने के लिए समुदाय आधारित विवाद समाधान तंत्र विकसित करने के महत्व पर भी जोर दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त सचिव अरविंद श्रीवास्तव और उप सचिव अनिरुद्ध जैन भी उपस्थित रहे।

33 प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण- एमसीपीसी की वरिष्ठ प्रशिक्षक रीमा भंडारी और सहयोगी प्रशिक्षक भावना साधो ने 33 प्रतिभागियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया। इंटरैक्टिव सत्रों, व्यावहारिक अभ्यासों, रोल प्ले और चर्चाओं के माध्यम से प्रशिक्षकों ने कम्युनिटी मीडिएशन के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। इनमें प्रभावी संचार, बातचीत, संघर्ष की पहचान और प्रबंधन, मध्यस्थों की निष्पक्षता और तटस्थता, तथा आपसी सहमति से समाधान की सुविधा के लिए तकनीकें शामिल थीं।

20 घंटे चला ट्रेनिंग प्रोग्राम

दूरदराज के ग्रामीण इलाकों के विभिन्न समुदायों से आए प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने समुदायों में विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्राप्त किया। इस कार्यक्रम ने विवाद समाधान के एक सुलभ, सहभागी और प्रभावी तंत्र के रूप में कम्युनिटी मीडिएशन के महत्व को रेखांकित किया, जो संघर्षों को कम करने और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में योगदान देता है। 20 घंटे के ट्रेनिंग प्रोग्राम का सफल समापन राज्य में कम्युनिटी मीडिएशन के ढांचे को मजबूत करने और सुलभ न्याय, आपसी सहमति से विवादों के समाधान तथा शांति और सद्भाव के माहौल को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूरा ट्रेनिंग प्रोग्राम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की सेक्रेटरी शक्ति वर्मा के देखरेख में आयोजित किया गया। प्रतिभागीगण को प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

2 डेरियों से लिए गए दुग्ध उत्पादों के सैम्पल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार आगामी त्योहारों के दृष्टिगत दूध एवं दुग्ध उत्पाद की जांच हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत गुरूवार को मिल्क टेस्टिंग किट के माध्यम से दो डेरियों में दूध और दुग्ध की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत अधारताल स्थित कृष्णा डेरी और त्रिमूर्ति नगर स्थित कपिला डेरी की जांच की गई। इन डेरियों से मावा, पनीर, घी, क्रीम और दही के सैंपल परीक्षण हेतु लिये गये। सभी नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जा रहा है। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**